शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 09 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-188

फ्रांस की खुफिया एजेंसी ने खोली पाकिस्तानी झूठ की पोल

ऊंचाई पर तकनीकी खराबी से क्रैश हुआ था राफेल

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। राफेल को मार गिराने के पाकिस्तान के दावों की पोल खुल गई है। फ्रांस की सैन्य खुफिया एजेंसी ने तथ्यपरक खोजबीन करने के बाद पाकिस्तानी झूठ की पोल खोली है। इस रिपोर्ट के आधार पर राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी ने भी साफ कर दिया है कि पाकिस्तान ने भारत का कोई राफेल नहीं गिराया है। भारत के रक्षा सचिव आरके सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की है। असलियत यह है कि चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के बारे में भ्रम की स्थिति पैदा करने की जिम्मेदारी अपने दूतावासों को दी थी, ताकि इस विमान की प्रतिष्ठा और बिक्री को नुकसान पहुंचाया जा सके। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत

अपना धंधा मजबूत करने के लिए चीन ने फैलाई अफवाह

ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। फ्रांस की विमानन कंपनी दसॉ एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने बताया है कि ऊंचाई पर जाकर आई तकनीकी के कारण राफेल विमान क्रैश हुआ। संघर्ष के दौरान राफेल का कोई जेट नहीं गिरा था। भारत के रक्षा सचिव

एरिक ट्रैपियर

आरके सिंह ने कहा, यह कहना गलत है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के राफेल विमान गिराए गए थे। भारत के मुकाबले पाकिस्तान को जान और माल के मामले कई गुना नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

चीन ने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के

तीन विमान खोकर भारत ने मारे सात पाकिस्तानी विमान

प्रदर्शन के बारे में भ्रम की स्थिति पैदा करने की जिम्मेदारी अपने दूतावासों को दी थी, ताकि इस विमान की प्रतिष्ठा और बिक्री को नुकसान पहुंचाया जा सके। फ्रांसीसी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने यह बात कही है। फ्रांसीसी खुफिया सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के दूतावासों में रक्षा अधिकारियों (डिफेंस अताशे) ने राफेल की बिक्री को प्रभावित करने के लिए अभियान चलाया, जिसका उद्देश्य उन देशों को भड़काना था, जो पहले से ही फ्रांस निर्मित लड़ाकू विमान का ऑर्डर दे चुके हैं। खास तौर पर चीन नहीं चाहता था कि इंडोनेशिया जैसे देश राफेल विमान खरीदें। चीन अपने विमान बेचने के लिए सारे हथकंडे इस्तेमाल कर रहा था।

उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसकी वायुसेना ने सैन्य संघर्ष के दौरान पांच भारतीय ▶10 पर

हर चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन की मांग

ताकि अवैध विदेशी घुसपैठियों से बच सके भारतवर्ष

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर देश में खास तौर पर संसदीय, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूची में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की मांग की गई है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंगलवार को याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय से

कहा कि मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से पहले प्रक्रियागत खामियों को दूर करें। इस पर याचिकाकर्ता ने याचिका पर 10 जुलाई को सुनवाई करने की मांग की, जब अन्य याचिकाओं पर सुनवाई होगी। याचिका में भारत के चुनाव आयोग को एसआईआर करने का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही राजनीति और नीति तय करें, न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए। याचिका में कहा गया कि आजादी के बाद बड़े पैमाने पर अवैध घुसपैठ, धोखेबाजी से धर्म परिवर्तन और जनसंख्या विस्फोट की वजह से 200 जिलों और 1,500 तहसीलों की जनसांख्यिकी बदल

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई महत्वपूर्ण याचिका

गई। जनसांख्यिकी ही नियति है और दर्जनों जिलों में पहले से ही ऐसे लोगों की ओर से अपनी नियति तय होते देखी गई है, जो भारतीय नहीं हैं। चुनावों के माध्यम से एक राष्ट्र अपनी राजनीति और नीति को आकार देता है और इसलिए यह केंद्र, राज्य और ईसीआई का संवैधानिक कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि संसदीय, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों में केवल वास्तविक नागरिक ही अपना वोट डालें, न कि विदेशी घुसपैठिए।

याचिका में कहा गया कि इसके लिए समय-समय पर मतदाता सूचियों की विशेष गहन जांच आवश्यक है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए संवैधानिक जनादेश की वजह से मतदाता सूचियों की एसआईआर आवश्यक थी। बिहार में 243 विधानसभा क्षेत्र हैं। हर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों में अनुमानित 8,000-10,000 अवैध, डुप्लिकेट और फर्जी प्रविष्टियां हैं। 2,000-3,000 वोटों की मामूली गड़बड़ी भी चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है। ▶10 पर

एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में आए कई पूर्व मुख्य न्यायाधीश

एक साथ चुनाव कराना संविधान के अनुरूप है

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। देश के कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था लागू करने की वकालत की है। हाल ही में रिटायर हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने संसदीय समिति को बताया कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संविधान के ढांचे के अनुरूप है। उन्होंने विपक्ष के इस दावे को खारिज किया कि यह अवधारणा संवैधानिक सिद्धांतों के खिलाफ है। चंद्रचूड़ का कहना है कि संविधान में ऐसा कोई नियम नहीं है, जो केंद्र और राज्यों के चुनावों को अलग-अलग करने के लिए बाध्य करता हो।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ-साथ रंजन गोगोई और यूयू ललित जैसे पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने भी देश में एक चुनाव व्यवस्था लागू करने को देश की जरूरत बताया। साथ ही ये पूर्व मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रीय चुनाव आयोग को व्यापक शक्तियां दिए जाने के खिलाफ हैं। प्रस्तावित विधेयक में चुनाव आयोग को ऐसी शक्तियां दी गई हैं, जो विधानसभाओं के पांच साल

के कार्यकाल को कम या ज्यादा करने की अनुमति दे सकती हैं। चंद्रचूड़ ने सुझाव दिया कि ऐसी शक्तियों के उपयोग के लिए

अलग-अलग चुनाव कराने का संविधान में कोई नियम नहीं

संविधान में स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित ने भी इस पर सहमति जताते हुए कहा कि ऐसी शक्तियों को नियंत्रित करने के लिए ठोस नियम जरूरी हैं।

चंद्रचूड़ ने यह भी आशंका जताई कि एक साथ चुनाव होने से क्षेत्रीय और छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है। राष्ट्रीय दल, जो वित्तीय और संगठनात्मक रूप से मजबूत हैं, चुनावों में प्रभुत्व जमा सकते हैं। इस असंतुलन को रोकने के लिए उन्होंने चुनावी अभियान और वित्त पोषण के नियमों को और सख्त करने की सलाह दी है, ताकि सभी दलों को समान अवसर मिल सके। प्रस्तावित विधेयक के तहत, मध्यावधि चुनावों में चुनी गई सरकार का कार्यकाल केवल मूल पांच साल की अवधि के बचे हुए समय तक होगा। चंद्रचूड़ ने चेतावनी दी कि अगर यह अवधि एक साल या उससे कम है, तो आचार संहिता (मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट) के कारण सरकार के नीति-निर्माण और विकास कार्यों की क्षमता प्रभावित हो सकती है। कई सांसदों ने भी संसदीय समिति के सामने इस मुद्दे को उठाया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने सुझाव दिया कि एक साथ चुनावों को लागू करने के लिए चरणबद्ध ▶10 पर

एचआईएल और स्वास्थ्य मंत्रालय का नायाब घोटाला

ढाई सौ रुपए में बेच डाली 49 रुपए की मच्छरदानी

मिलीभगत से हुए घोटाले की सीबीआई कर रही जांच

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत केंद्रीय चिकित्सा सेवा सोसायटी (सीएमएसएस) में करोड़ों के खरीद घोटाले का पर्दाफाश किया है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) ने 49 रुपए कीमत वाली कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानी सीएमएसएस को 250 रुपए की दर पर बेची और करोड़ों का घोटाला किया। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है।

सीबीआई के मुताबिक पीएसयू हिंदुस्तान इंसेक्टिसाइड्स लिमिटेड (एचआईएल) ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेएम पोर्टल) पर मलेरिया नियंत्रण के लिए 11 साल से अधिक लंबे समय तक चलने वाली मच्छरदानी (एलएलआईएन) की आपूर्ति के लिए 2021-22 में केंद्रीय चिकित्सा सेवा सोसाइटी से 29 करोड़ का ▶10 पर

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की मरम्मत का काम पूरा

रत्नों की गिनती के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार

अंदरूनी चैंबर में रखे हैं सोने-चांदी और हीरे के आभूषण

भुवनेश्वर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पुरातत्व संस्थान ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की मरम्मत का काम पूरा कर लिया है। रत्नों की गिनती और उनकी सूची बनाने का काम राज्य सरकार की मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रशासक अरविंद पधी और पुरातत्व संस्थान के प्रमुख पुरातत्ववेता डीबी गरनायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। भारतीय पुरातत्व संस्थान ही 12वीं सदी के पुरी जगन्नाथ मंदिर का संरक्षक है।

श्री जगन्नाथ मंदिर का बाहरी चैंबर भगवान की पूजा और त्यौहारों पर इस्तेमाल होने वाले रत्नों को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वहीं सबसे ज्यादा महंगे और सोने-चांदी और हीरे के आभूषण अंदरूनी चैंबर में रखे जाते हैं। ▶10 पर

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे की जांच

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच तेज हो गई है। हादसे की जांच कर रही विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को सौंप दी है। विमान दुर्घटना पर तैयार की गई रिपोर्ट जांच के शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित है। एएआईबी ने जांच के लिए बहु-विषयक टीम का गठन किया है। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार गठित टीम का नेतृत्व डीजी एएआईबी कर रहे हैं। इस मामले में ब्लैक बॉक्स और हैंडलिंग कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों को बरामद कर लिया गया है। सीवीआर को 13 जून को दुर्घटना स्थल पर इमारत की छत से बरामद किया गया था। ▶10 पर

सीएम नीतीश कुमार का युवाओं के लिए बड़ा ऐलान

बिहार में युवा आयोग का गठन होगा

पटना, 08 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के लोगों के लिए बड़ा लान किया है। उन्होंने बिहार चुनाव से पहले राज्य में युवा आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है और आज कैबिनेट द्वारा बिहार युवा आयोग के गठन की मंजूरी भी दे दी गई है। समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

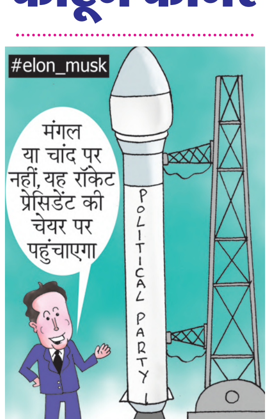

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°

न्यूनतम : 21°

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को भारत से उम्मीद

रूस की तरह भारत भी दे सकता है मान्यता

पाकिस्तान के शत्रु को साथ लाना कूटनीतिक जरूरत

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को भारत सरकार की ओर से भी शीघ्र मान्यता मिलने की संभावना है। पाकिस्तान के साथ भारत के लगातार खराब होते संबंधों को देखते हुए भारत कूटनीतिक अनिवार्यताओं के तहत अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता दे सकता है। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जिस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रति केंचुएबाजी का प्रदर्शन किया और पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष तक को डिनर पर बुला कर अपना अत्यंत छोटा कद प्रदर्शित किया, उसने भारत के सामने यह रास्ता खोल दिया है कि वह अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देकर पाकिस्तान के कट्टर विरोधी को अपने साथ कर ले।

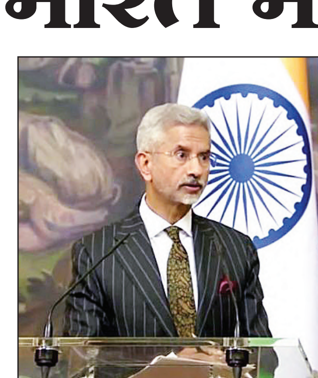

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देकर रूस वाला पहला देश बन गया है। करीब चार साल पहले जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया और सत्ता में आए, तब से अब तक यह उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है। अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है रूस का यह कदम बाकी देशों के लिए मिसाल बनेगा, जो अब तक तालिबान की सरकार को मान्यता देने से बचते आ रहे थे। उन्होंने रूस के फैसले को साहसी कदम बताया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस फैसले से ऊर्जा, परिवहन, कृषि और बुनियादी ढांचे में व्यापारिक और आर्थिक सहयोग की संभावना देखता है। अब पूरे विश्व की निगाह इस तरफ है कि रूस के फैसले से भारत समेत अन्य देशों का तालिबान सरकार के प्रति क्या रुख रहता है। अफगानिस्तान की पूर्व सांसद फौजिया कूफी ने कहा, ऐसे कदम सिर्फ अफगानिस्तान के लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा को भी खतरे में डाल सकते हैं। वहीं, अफगान वीमेन पॉलिटिकल पार्टिसिपेशन नेटवर्क ने कहा कि इससे ऐसी सत्ता को मान्यता मिलती है जो तानाशाही शासन चला रही है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,360/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,10,050/- (प्रति किलोग्राम)

सुनील शर्मा चैम्पियंस कप क्रिकेट प्रतियोगिता उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न

विजेता टाइटन टीम ने किया शर्मा कप पर कब्जा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु का सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप क्रिकेट ट्रॉफी का सोमवार को शर्मा ट्रांसपोर्ट के तत्वावधान में गांधीनगर सहित बेस कैम्प खेल मैदान में सेमीफाइनल एवं फाइनल मैच बड़े ही रोमांचक रूप से खेला गया।

सर्वप्रथम एक मैत्री मैच स्टार इलेवन और यंग स्टार के बीच खेला गया जिसमें स्टार इलेवन विजेता रही। तत्पश्चात सेमीफाइनल प्रथम मैच किंग्स इलेवन और नाईट राइडर्स के बीच खेला गया जिसमें बारिश आने के कारण डकवर्थ लुइस नियम से नाईट राइडर्स विजेता रही। वहीं द्वितीय सेमीफाइनल टाइटन और एवेंजर्स के बीच खेला गया जिसमें टाइटन बीस रन से विजेता रही। अंतिम रोमांचक फाइनल मैच नाईट राइडर्स और टाइटन टीम के बीच कड़े मुकाबले के साथ खेला गया जिसमें टाइटन टीम इक्कीस रन से नाईट राइडर्स को कड़ी शिकस्त देकर शर्मा कप पर कब्जा जमाते हुए विजेता रही। विजेता टीम को समाज प्रमुख सुनील शर्मा द्वारा समापन समारोह में शर्मा कप ट्रॉफी प्रदान की गई। मैच के आयोजन की व्यवस्था आई पी एल की तर्ज पर शर्मा ट्रांसपोर्ट के तत्वावधान में शानदार रही। सभी खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था की सभी ने सराहना की। फाइनल मैच में पूरे मैच का लाइव प्रसारण किया गया। वहीं मैच का लाइव कॉमेंटेटर ओजस्वी, उद्घोषक, संदीप शर्मा ने किया। फाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच नरेंद्र शर्मा रहे। वहीं बेस्ट बल्लेबाज भी नरेंद्र शर्मा, बेस्ट बॉलर दीपक शर्मा रहे। इस अवसर पर जे. बाबूलाल शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, प्रसन्न शर्मा, अशोक शर्मा, गोविंद शर्मा, पूरण शर्मा, श्रीनिवास शर्मा, हुकमचंद शर्मा, जेठमल शर्मा, विजयकुमार शर्मा, राजेश शर्मा, चेतन शर्मा, अविनाश शर्मा, मनीष शर्मा, भूपेश कश्यप सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मनुष्य जीवन में क्षमा माफ करने का बहुत बड़ा महत्व: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि हमारा वर्षावास हर वर्ग की भलाई, धार्मिक-आध्यात्मिक विकास, अहिंसा और शाकाहार के प्रचार- प्रसार, बालकों के संस्कार निर्माण तथा आपसी सद्भावना, व्यसन मुक्ति और मानवीय गुणों के जतन के लिये समर्पित है। साधु-संत बिना मौसम के भी अपने परिचय में आने वाले हर व्यक्ति के जीवन में वसंत की बहार ले आते हैं। मनुष्य जीवन में क्षमा माफ करने का बहुत बड़ा महत्व है। जो व्यक्ति क्षमा करना जानता है वह जीवन में सदैव आगे बढ़ता है, उन्नति प्रगति करता है। क्षमाशील होने का मतलब है सहनशील होना या क्षमा करने वाला। क्षमा देखा जाए तो हमारे जीवन का एक आभूषण है। क्षमा करने वाला व्यक्ति हमेशा शांत प्रकृति का होता है, धैर्य वान होता है, संयमी होता है। वह हृदय से उदार और दयालु होता है। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि हर दिन एक अवसर है स्वयं को थोड़ा और शांत, थोड़ा और अच्छा और थोड़ा और सरल बनाने का। जिसने सरलता को जीवनशैली बना लिया, उसने सफलता को अपने निकट बुला लिया। संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि 11 जुलाई से श्री गौतम कमल लब्धीतप प्रारंभ होगा। सभी लाभ लेवे। इस अवसर पर पूनमचंद सोलंकी, किशोरमल जैन, अंबालाल शाह, महेंद्र जैन, सुरेश संघवी, राजेंद्र पोरवाल, राजु भंडारी, संतोष जैन, सुरेश जैन आदि उपस्थित रहे।

सद्गुरु शरणम यात्रा संघ 2025 की घोषणा के साथ ही लोगो का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशलसूरि जैन आराधना भवन, बसवनगुड़ी में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ, बैंगलोर के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद - बेंगलूरु शाखा द्वारा आयोजित होने जा रहे सद्गुरु शरणम् यात्रा संघ 2025 के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संघ के लोगो का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने डिजिटल स्क्रीन पर संघ के लोगो का अनावरण किया। साथ ही विजयराज दोशी, त्रिलोककुमार बोथरा, सज्जनराज खटोड़, जवेरीलाल गुलेच्छा एवं खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा, परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, मंत्री विकास खटोड़ ने यात्रा आवेदन पत्रों का विमोचन किया। तेजस छाजेड़ एवं भरत गटागट ने स्क्रीन पर डिजिटल स्लाइड्स के माध्यम से उपस्थित जन समूह को यात्रा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया इस संघ यात्रा का प्रस्थान 4 सितम्बर को विमान द्वारा एवं वापसी यात्रा भी 11 सितम्बर को विमान द्वारा होगी। चारों दादागुरु के पुण्यधाम महरौली, मालपुरा, अजमेर, बिलाडा के साथ ही उनकी जन्मभूमि धोलका, विक्रमपुर, सिवाना, खेतासर के अलावा जैसलमेर, कापरडा, ब्रह्मसर, ओसिया, ओस्तरा, नाकोड़ाजी, कलीकुंड पार्श्वनाथ आदि तीर्थ स्थलों की भी यात्रा करवाई जाएगी। संयोजक राजेन्द्र गुलेच्छा ने संघ यात्रा के समस्त प्रायोजक परिवार के नामों की घोषणा के साथ ही उनके प्रति आभार जताया। विकास पारख ने जानकारी दी कि संघ बाड़मेर कुशल वाटिका भी जाएगा जहाँ गच्छाधिपति आचार्य जिनमणि प्रभसूरीश्वरजी के दर्शन वंदन करेंगे एवं उनकी ही निश्रा में संघ सहयोगियों का बहुमान किया जाएगा। कार्यक्रम में पूज्य मुनिराज मलयप्रभसागरजी एवं गुरुवर्या श्री हर्षपूर्णा श्री जी ने केयूप के द्वारा आयोजित होने जा रहे इस संघ यात्रा की प्रशंसा करते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम स्थल पर संघ आवेदन पत्र वितरित किए गए जिसे प्राप्त करने के लिए अनेक गुरुभक्त कतार में खड़े थे। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, महेंद्रकुमार रांका, कैलाश संखलेचा, भरत पालरेचा, नवरत्न गुलेच्छा, दीपक छाजेड़, कैलाश छाजेड़, संघ सयोजक नीलेश मेहता, दिनेश संकलेचा, मनीष गुलेच्छा, हेमंत गोलेच्छा, विनोद बाफना, अरविंद चोपड़ा, गौतम कोठारी, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, दीपक संखलेचा एवं युवा परिषद एवं महिला परिषद के सारे सदस्य गणवेश में उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मातेश्वरी भक्त मंडल ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में संत पुखराज के सानिध्य में श्री कृष्णा गौ सेवा आश्रम गौशाला कनूर में बुधवार को निर्धारित विशाल भजन संध्या के लिए ट्रस्ट के सदस्यों ने गौप्रेमी महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

हार्ट अटैक से लॉरी चालक की मौत

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। ब्यादगी तालुक के मूटे बेन्नूर गांव में एक लॉरी चालक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक लॉरी चालक बाबूराव खम्मट (50) है। महाराष्ट्र के उमरावती गांव के निवासी बाबूराव लॉरी में महाराष्ट्र से बेंगलूरु जा रहे थे, तभी उन्हें अचानक सीने में दर्द हुआ। उन्हें तुरंत हुब्बल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन कारगर उपचार न मिलने के कारण उनकी मौत हो गई।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज माध्यम महिला मंडल द्वारा खेल उत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु द्वारा महिलाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के उद्देश्य से गठित माध्यम महिला मंडल के तत्वावधान में रविवार को गांधीनगर में स्थित बेस केम्प खेल मैदान में संतोष शर्मा की अध्यक्षता में एक दिवसीय महिला खेल उत्सव का शानदार आयोजन हुआ। महिलाओं ने दिन भर अनेक इंडोर खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह से भाग लिया। महिला खेल उत्सव का शुभारम्भ योगासन, टेबल टेनिस, शतरंज, म्यूजिकल चेयर, नीबू चम्मच दौड़, छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, बास्केट बॉल सहित अनेक प्रतियोगिताओं में सभी ने उमंग से भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर माध्यम महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष शर्मा, चंद्रा शर्मा, संगीता शर्मा, सुनीता शर्मा, सरिता शर्मा, मंजु शर्मा, शांता शर्मा, हीरा शर्मा, सरला शर्मा, उषा शर्मा, पद्मा शर्मा, जय श्री शर्मा, माया शर्मा, माधुरी शर्मा, राजेश्वरी शर्मा सहित माध्यम महिला मंडल की अनेक सदस्य महिलाएं उपस्थित थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ के आद्य प्रणेता आचार्य श्री भिक्षु के 300वें जन्म वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर सोमवार को साध्वी श्री पुण्यशाजी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी में ओम श्री भिक्षु नमो नमः का सवा लाख जप एक अलौकिक अनुष्ठान हुआ। एक सुर, एक लय और एक तान से जाप से पूरा तेरापंथ भवन गुंजायमान हो गया। साध्वी जी ने सभी से आह्वान किया कि हम सभी को अपने हृदय में विराजमान, अपनी आस्था के केन्द्र को जाप, त्याग एवं तपस्या की भेंट समर्पित करनी है। श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही एवं सभी ने अलौकिक आनंद का अनुभव किया।

आचार्य सुधांशु महाराज का अमृत ज्ञान वर्षा 17 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु द्वारा आगामी 17 जुलाई से बेंगलूरु में मिशन ट्रस्ट के सर्वेसर्वा सद्गुरु श्री सुधांशुजी महाराज के पावन सान्निध्य में अमृत ज्ञान वर्षा प्रवचन का आयोजन किया जाएगा।

मिशन ने सभी समाज बंधुओं और सत्संग प्रेमियों को इस मौके का लाभ उठाने का निवेदन किया है। 17 से 20 जुलाई तक होने वाले इस प्रवचन अमृत ज्ञान वर्षा जयनगर के पूर्णिमा कन्वेंशन हॉल में होगा। मिशन के प्रमुख के. के. टांटिया ने बताया कि प्रतिवर्ष होने वाले इस कार्यक्रम का शुभारंभ 17 जुलाई को शाम 5 से आचार्यश्री सुधांशुजी महाराज के प्रवचन से होगा। वहीं 18 व 19 जुलाई को सुबह 10 बजे से 12 बजे एवं सायं 5 बजे से 7 बजे तक प्रवचन होंगे। मिशन के अध्यक्ष आदित्य टांटिया ने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर सभी गुरुभक्तों और श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। 20 जुलाई को राजकुंटे स्थित श्रीधाम आश्रम में सुबह 11 बजे सुधांशुजी महाराज का स्वागत किया जाएगा। यहां गौपूजा, शिवपूजा और प्रवचन होंगे। सेवा और अन्य अधिक जानकारी के लिए 7892726723/9742825495 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रथम कार्यकारिणी बैठक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर की नवनियुक्त अध्यक्ष मंजू बोथरा की अध्यक्षता में प्रथम कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संरक्षिका, परामर्शक बहने भी सम्मिलित हुई। बैठक का प्रारंभ अध्यक्ष द्वारा नवकार मंत्र से हुआ। उन्होंने सभी का स्वागत किया। सभी सदस्यों का परिचय सत्र एवं कार्य भार विभाजित किया गया। तुलसी स्वर संगम के प्रभारी के रूप में लता बाफना, संयोजिका ममता सिंघवी का चयन किया गया। आगामी चातुर्मास संबंधित कार्यों की चर्चा की गई। साध्वी पुण्ययशा जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने मंगल उद्बोधन में तेले, नवरंगी तप, जप आदि करने की प्रेरणा दी। पूर्व अध्यक्ष सुमन पटावरी एवं पदमा महेर ने मंडल के रजिस्टर, अकाउंट बुक आदि नए अध्यक्ष को सौंपा। कन्या मंडल कि पहली बैठक में प्रभारी वनिता दुगड़, संयोजिका झलक रूणवाल एवं सहसंयोजिका प्रज्ञा मरोठी का स्वागत किया गया। सभी ने अपना परिचय देते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव 2.0 के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा 17 सितंबर को आयोजित होने वाले मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव 2.0 के बैनर का अनावरण युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि डॉ. पुलकितकुमारजी के सानिध्य में किया गया। राजाजीनगर क्षेत्र के विधायक सुरेशकुमार ने अपना समर्थन देते हुए बैनर का अनावरण किया। रक्त के अभाव में किसी व्यक्ति की मृत्यु न हो, इस कामना और लक्ष्य के साथ अभातेयुप का मानव सेवा के क्षेत्र में एक विशिष्ट आयाम है मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव। मुनि ने अपने उद्बोधन में कहा कि निस्वार्थ भावना से रक्तदान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना आदरयोग्य कदम है। स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम के आयोजन में युवाओं का योगदान सराहनीय है। विधायक सुरेशकुमार ने निर्धारित मेगा ब्लड डोनशन ड्राइव कार्यक्रम की सराहना की। साथ ही सभी से निवेदन किया कि वह इस महाअभियान में रक्तदान कर अपनी सहभागिता दर्ज कराएं। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, नव मनोनीत अध्यक्ष जितेश दक, जयंतीलाल गाँधी, राहुल चावत, रवि चौधरी एवं अनिमेश चौधरी की उपस्थिति रही।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्री के साथ सिंचाई परियोजनाओं पर चर्चा की

अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक भी की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र पाटिल के साथ बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने राज्य की सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों और वकीलों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में कृषि मंत्री चेलु-वरायस्वामी, सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी, वकील और तकनीशियन मौजूद थे। बैठक में मेकेदातु, कलसा बंडूरी, येत्तिनाहोल, कृष्णा अपर रिवर, तुंगभद्रा समेत कई परियोजनाओं की स्थिति और कानूनी जटिलताओं पर चर्चा की गई। मेकेदातु और कलसा बंडूरी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए केंद्रीय पर्यावरण और वन विभाग से पूर्व अनुमति की आवश्यकता है और शिवकुमार ने केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद भी अनुमति देने में देरी पर बैठक में असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में आगे की चर्चा करने और जल्द से जल्द पूर्व अनुमति प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी। यदि आवश्यक हो, तो कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। येत्तिनाहोल परियोजना के लिए तुमकुरु और हासन जिलों में बाधाएं हैं और यहां भी केंद्र, पर्यावरण और वन विभाग से पूर्व अनुमति की आवश्यकता है। इस संबंध में केंद्र सरकार को पहले ही अनुरोध प्रस्तुत किया जा चुका है। दिल्ली में अधिकारियों ने इसका अनुपालन करने की सलाह दी है। केंद्रीय बजट में घोषित भद्रा अपर रिवर परियोजना के लिए 5300 करोड़ रुपये को शीघ्र मंजूरी देने के लिए और दबाव बढ़ाने की जरूरत है। कृष्णा ट्रिब्यूनल के फैसले को जल्द ही अधिसूचित किया जाना चाहिए। डी.के. शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार फैसले के अनुसार अपने हिस्से के पानी का उपयोग करते हुए अलमट्टी बांध की ऊंचाई सहित अन्य परियोजनाओं को लागू करने के लिए तैयार है। बैठक में कई अन्य सिंचाई परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई और हेमावती के माध्यम से तुमकुरु जिले को पूर्ण सिंचाई प्रदान करने के लिए शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के प्रस्ताव पर भी बैठक में चर्चा की गई। बाद में, डी.के. शिवकुमार ने शहरी विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बीडीए विवादों और कानूनी लड़ाई की प्रगति की समीक्षा की। इससे पहले उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने कहा कि एआईसीसी प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला पार्टी संगठन और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री और खुद उनसे चर्चा करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली दौरे के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें समय देंगे तो वह उनसे मुलाकात करेंगे। मेकेदातु और कलासाबंदुरी परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण विभाग से अनापत्ति की आवश्यकता है। इसके लिए राज्य सरकार सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएगी। वन के लिए वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराई गई है। इसलिए उन्होंने अनापत्ति दिए जाने की मांग की और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने उनसे मिलने का समय दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर उनसे चर्चा करेंगे। राज्य सरकार महादयी और मेकेदातु परियोजन-ाओं को शुरू करने के लिए तैयार है। केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति के बिना काम नहीं किया जा सकता। इसलिए मैं केंद्रीय मंत्री से मिलकर उन पर दबाव बनाऊंगा। कृष्णा ट्रिब्यूनल के फैसले की अधिसूचना और तुंगभद्रा नदी से 24 टीएमसी पानी संग्रहित करने की वैकल्पिक योजना के संबंध में केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इसकी मंजूरी के लिए वे केंद्रीय मंत्री से चर्चा करेंगे। बीडीए से संबंधित कुछ मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। उन्होंने कहा कि उस पर चर्चा के लिए वे अधिकारियों और कानून मंत्री के साथ बैठक करेंगे।

सीटों की लड़ाई में डीएम-डीसीएम राज्य हित भूल गए: बोम्मई

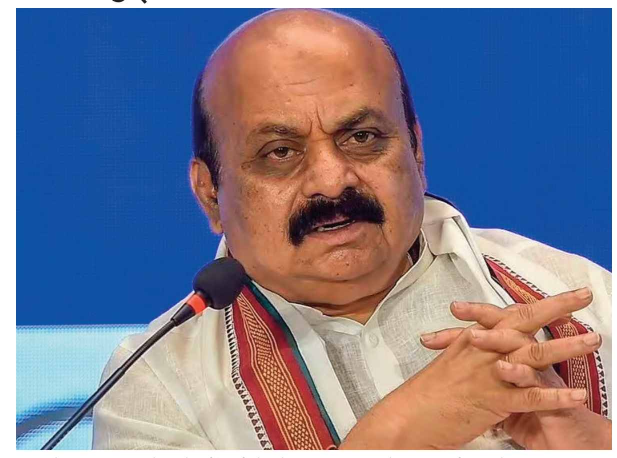

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डीसीएम डी.के. शिवकुमार कुर्सी की लड़ाई में जनता और राज्य को भूल गए हैं। वे सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने के लिए समय बर्बाद कर रहे हैं। लोग इस सरकार को लाने पर पछता रहे हैं और इस सरकार को हटाने के लिए कोस रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राशन बांटने वाले ट्रकों के करीब 250 करोड़ रुपये बकाया है। बकाया कर्ज एक अक्षम्य अपराध है। राज्य सरकार वित्तीय प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही है। हमने पिछली भाजपा सरकार के दौरान कई परियोजन-ाओं के लिए पैसा दिया है। वे सिर्फ झूठ बोल रहे हैं। जब सिद्धरामैया पहले सीएम थे, तब भी कई बिल लंबित थे, जिनका भुगतान हमारी सरकार ने आकर किया। कोविड काल में भी हमने येदियुरप्पा के नेतृत्व में बिना किसी वित्तीय समस्या के विकास कार्य किए हैं। उन्होंने इस सरकार पर वित्त प्रबंधन में विफल रहने और लोगों को ठगने का आरोप लगाया। गरीबों को भोजन नहीं दिया जा रहा है तो गरीबों की क्या हालत है? 10 किलो तो दूर 5 किलो भी नहीं दे रहे हैं। पैसे के बदले चावल देने की बात कही थी, लेकिन वह भी नहीं दे रहे हैं। यह सरकार झूठ बोलकर अपना समय बर्बाद कर रही है। लोगों को भोजन नहीं मिल रहा है। स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक नहीं है। एसएसए-लसी छात्रों के पास प्रतिशत को देखें तो शिक्षा व्यवस्था ठीक नहीं है। सड़क और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए पैसा जारी नहीं किया जा रहा है। नगर निगम के दस कर्मचारी विरोध कर रहे हैं कि उनका वेतन नहीं दिया गया है। सरकार नगर निगम कर्मचारियों को जो पैसा देना चाहिए, वह नहीं दे रही है। नगर निगम को अपने वित्तीय तंत्र में कर्मचारियों का वेतन खुद देना चाहिए, यह आदेश जारी हुए एक साल हो गया है, जो स्थिति का संकेत है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री इन सभी गलतियों को स्वीकार करें और तुरंत पैसा जारी करें। सीएम कौन बनेगा, इस कुर्सी की लड़ाई में वे प्रशासन को पूरी तरह भूल गए हैं। गरीब और किसान पूरी तरह परेशान हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ बाढ़ की समस्या बढ़ गई है। दिल के दौरे की संख्या बढ़ गई है। सभी विभागों में अराजकता है, लेकिन यह सरकार मर चुकी है। वे कुर्सी की लड़ाई में जनता और राज्य को भूल गए हैं। वे सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। लोग इस सरकार को लाने पर पछता रहे हैं और इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कोस रहे हैं।

अगर अथानी जिला नहीं बनाया जाता है तो हमें विजयपुरा में मिला दें: पूर्व विधायक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधायक महेश कुमथल्ली ने कहा कि अगर अथानी को अलग जिला नहीं बनाया जाता है तो हम विजयपुरा जिले में शामिल होना चाहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कर्नाटक सरकार बेलगावी जिले को विभाजित करने के विचार के लिए तैयार है। सांसद इरन्ना कडाडी ने अन्य के अलावा गोकक जिले के निर्माण की मांग की है। हम अथानी जिले के निर्माण की मांग कर रहे हैं। अगर सरकार अथानी जिला नहीं बनाती है तो अथानी तालुक को विजयपुरा जिले में जोड़ दें। यह बेलगावी से ज्यादा नजदीक है। अथानी बेलगावी से 190 किमी दूर है, लेकिन विजयपुरा से केवल 65 किमी दूर है। अथानी के लोग हर चीज के लिए विजयपुरा पर निर्भर हैं। वे केवल प्रशासनिक कार्यों के लिए बेलगावी आते हैं। तेलसांग और कोट्टालागी जैसे गांवों के लोगों को बेलगावी आने के लिए 6-8 घंटे की यात्रा करनी पड़ती है। इसलिए, हम अलग अथानी जिले की मांग कर रहे हैं। भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली के वफादार माने जाने वाले कुमथल्ली ने कहा कि राज्य भाजपा में बागी नेता पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि कुछ छोटे-मोटे मुद्दों के समाधान की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा पार्टी आलाकमान जल्द ही सभी नेत-ाओं और पदाधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति पर फैसला लेगा।

औद्योगिक विकास के लिए भूमि अधिग्रहण में सहायता करें प्रकाश राज: मंत्री एम.बी. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि आंध्र प्रदेश में उद्योगों को 10,000 एकड़ जमीन दी जा रही है। जब इस तरह की प्रतिस्पर्धा है, तो औद्योगिक विकास के मामले में भूमि अधिग्रहण का विरोध करना हमारे लिए उचित नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, प्रकाश राज बहुभाषी अभिनेता हैं। उन्होंने कन्नड़ से ज्यादा तेलुगु में अभिनय किया है। वह देवनहल्ली भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के खिलाफ लड़ रहे हैं। लोकतंत्र में उन्हें लड़ने का अधिकार है। आंध्र प्रदेश में 45,000 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा रही है। आइए हम इसके खिलाफ लड़ें। कर्नाटक की विमानन क्षेत्र में 65 प्रतिशत हिस्-सेदारी है और यह वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है। हमारे पास एचएएल, सफरा, एयरबस, बोइंग, लॉकहीड मार्टिन, कॉलिन्स सहित कई संगठन हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे और विकसित करना चाहते हैं। आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू 10,000 एकड़ मुफ्त जमीन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीसीएस और इंफोसिस जैसी कंपनियों को कम दर से जमीन दी जा रही है। हमें इसके खिलाफ भी लड़ना होगा। एचएएल को आंध्र प्रदेश में लाने का दबाव था। मैंने एचएएल के चेयरमैन से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि मैं अतिरिक्त जमीन समेत सभी तरह की सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। वे इससे संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रतिस्पर्धा की दुनिया में हैं। देवनहल्ली के पास एयरोस्पेस के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हमसे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इसलिए हमें और सुविधाएं देने की जरूरत है। प्रकाश राज का प्रभाव तेलुगु नाडु में बढ़ा है। हमें वहां जमीन अधिग्रहण के खिलाफ लड़ना होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रकाश राज से उनकी कोई निजी दुश्मनी नहीं है। हम भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के तहत किसानों को मुआवजा दे रहे हैं। मैं उद्योग मंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा हूं। मैंने पूर्व में सिंचाई मंत्री रहते हुए भी वह काम ईमानदारी से किया है। एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के बेंगलूरु आकर विधायकों से विचार-विमर्श करने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने सवाल किया जब भाजपा के शीर्ष नेता आते हैं, तो क्या उस पार्टी के विधायक नहीं मिलते? केवल कांग्रेस विधायकों की बैठक की ही आलोचना क्यों होती है? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सड़क विकास के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 50 करोड़ रुपये दे रहे हैं। इसलिए यह कहना सही नहीं है कि सड़क विकास के लिए धन की कमी है। नेताओं के बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। सिद्धरामैया शासन कर रहे हैं। इस बीच, एमबी पाटिल ने कहा कि यह अप्रासंगिक है कि वे मुख्यमंत्री पद के इच्छुक हैं। मैं रंभापुरी श्री के इस बयान से सहमत नहीं हूं कि मुफ्त योजनाओं के कारण लोग आलसी हो रहे हैं। रंभापुरी श्री हमारे हैं। लेकिन उन्हें गरीबी का पता नहीं है। गरीबी हर जगह है। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है कि मुफ्त योजनाओं के कारण लोग आलसी हो रहे हैं।

कर्नाटक से 200 से अधिक अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजा गया: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने खुलासा किया है कि पिछले कुछ महीनों में राज्य से 200 से ज्यादा अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को निर्वासित किया गया है। मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि ऐसे कई प्रवासियों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं, खास तौर पर निर्माण मजदूरों के तौर पर काम करने वालों के खिलाफ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए तुरंत कदम उठाए हैं और यह प्रक्रिया जारी है। डॉ. परमेश्वर ने बताया कि क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के अधिकारी अवैध प्रवासियों की पहचान करते हैं और पुलिस को सूचित करते हैं। उन्होंने कहा हम निर्माण मजदूरों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। अगर वे अवैध प्रवासी पाए जाते हैं, तो उन्हें निर्वासित किया जाता है। अवैध प्रवासियों के प्रति सरकार के नरम रुख के दावों को खारिज करते हुए डॉ. परमेश्वर ने इन आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया कि कांग्रेस उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा चुनावी फायदे के लिए पार्टी ने कभी भी अवैध प्रवासियों पर भरोसा नहीं किया है और न ही करेगी।

ट्रक संचालकों ने कर्नाटक में अनाज का परिवहन रोका

अन्न भाग्य योजना में व्यवधान आने की संभावना

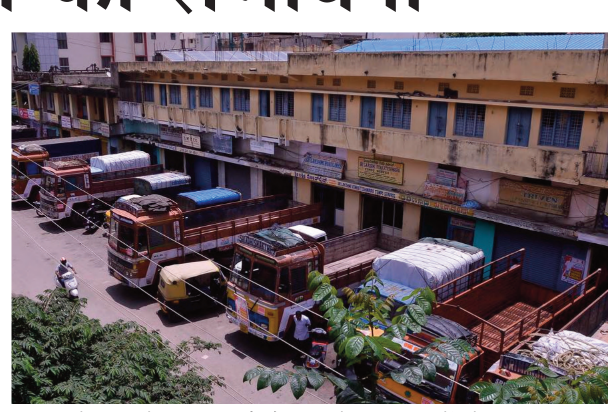

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार की प्रमुख अन्न भाग्य योजना जल्द ही मुश्किल में पड़ सकती है, क्योंकि फेडरेशन ऑफ कर्नाटक स्टेट लॉरी ओनर्स एंड एजेंट्स एसोसिएशन ने सोमवार को पूरे राज्य में चावल और खाद्यान्न का परिवहन रोक दिया है। इस कदम से राशन की दुकानों तक सब्सिडी वाले अनाज की आपूर्ति प्रभावित होने की उम्मीद है। एसोसिएशन ने अपने निर्णय के पीछे छह महीने से अधिक समय से बकाया भुगतान न किए जाने को कारण बताया है। फेडरेशन के अध्यक्ष जी.आर. शानमुगप्पा ने कहा कि अन्न भाग्य योजना के तहत खाद्यान्न ले जाने वाले ट्रांसपोर्टरों को फरवरी से भुगतान नहीं मिला है। उन्होंने कहा हम इस स्थिति में काम जारी रखने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के डिपो पर अनाज की सभी लोडिंग रोक दी गई है। उनकी निराशा को और बढ़ाते हुए, सरकार की निविदा प्रक्रिया में भाग लेने वाले ट्रक संचालकों को बयाना राशि (ईएमडी) के रूप में 4 लाख रुपये जमा करने की आवश्यकता थी। शानमुगप्पा के अनुसार, वापस की जाने वाली कुल राशि 25 करोड़ से 30 करोड़ है। इसके अलावा, इन ऑपरेटरों के अधीन काम करने वाले लोडर, जिनमें से कई पूरी तरह से इस रोजगार पर निर्भर हैं, को भी महीनों से भुगतान नहीं किया गया है। एसोसिएशन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 19 जून को सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक के बावजूद, जिसमें 5 जुलाई तक बकाया चुकाने का वादा किया गया था, कोई प्रगति नहीं हुई है। फेडरेशन ने अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से हस्तक्षेप करने और मामले को तत्काल हल करने की अपील की है।

यदि डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनते हैं तो मुझे मंत्री पद नहीं चाहिए: सीपी योगेश्वर

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र के विधायक सी.पी. योगेश्वर ने कहा कि यदि डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनते हैं तो वे मंत्री पद नहीं चाहेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जिले के लोगों और विधायकों की राय है कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हाईकमान इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेगा। हम हाईकमान के निर्णय के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हमें नहीं पता कि हाईकमान स्तर पर किस तरह की सहमति बनी है। मुझे कांग्रेस में शामिल हुए 6 महीने हो गए हैं। मैं पार्टी की गतिविधियों में ज्यादा सक्रिय नहीं हूं। मैं राजनीति नहीं करने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं नुसिपेडे सहित विधानसभा क्षेत्र से जुड़े अन्य मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रहा हूं। एचसी बालकृष्ण कांग्रेस में मंत्री पद के आकांक्षी हैं। पहले उन्हें मौका मिलने दीजिए। मैं मंत्री पद का आकांक्षी नहीं हूं। उन्होंने कहा कि हमारी पहली इच्छा डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश या पिछड़ा वर्ग इकाई की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में उनकी नियुक्ति के बारे में मुझे जानकारी नहीं है। कांग्रेस मेरे लिए एक पुरानी पार्टी है। लेकिन मैं राज्य की राजनीति में बहुत सक्रिय नहीं हूं। मैं विधायकों के साथ चर्चा या किसको किस पद पर नियुक्त किया जा रहा है, इस पर ध्यान नहीं देता। उन्होंने कहा कि अभी 2-3 महीने और बीतने दीजिए। उसके बाद मैं सक्रिय रूप से भाग लूंगा। जानकारी है कि कन्ना नदी बेसिन में रेत खनन शुरू हो गया है। इसके कारण नदी बेसिन का क्षेत्रफल एक से तीन गुना बढ़ गया है। मैं शुरू से ही अवैध रेत खनन के खिलाफ लड़ रहा हूं। उन्होंने सुझाव दिया कि तालुक प्रशासन, खान और भूविज्ञान विभाग और पुलिस को रेत खनन बंद कर देना चाहिए।

विजयेंद्र ने सरकार से ट्रक मालिकों को बकाया भुगतान करने का आग्रह किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से आग्रह किया है कि वे कमीशनखोरी पर रोक लगाकर ट्रक मालिकों का बकाया तुरंत अदा करें और लोगों को भूखा न रहने दें। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा पैसा जारी न किए जाने के विरोध में ट्रक मालिकों के संगठन द्वारा की गई हड़ताल की कड़ी निंदा की है और कहा है कि भूखे लोगों की उम्मीद और उनकी आजीविका पर निर्भर ट्रक मालिकों और चालकों के परिवारों को बख्शा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इतनी बुरी स्थिति में पहुंच गई है कि वह अन्न भाग्य के खाद्यान्नों का परिवहन करने वाली ट्रकों का किराया भी नहीं दे पा रही है, जो स्पष्ट रूप से सरकार की वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। अन्न भाग्य योजना के तहत राज्य सरकार को केवल परिवहन लागत ही नहीं उठानी पड़ रही है, बल्कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले मुफ्त 5 किलो के खाद्यान्न के बैग, चावल के साथ-साथ खाद्यान्नों के परिवहन की लागत भी वहन कर रही है। फिर भी, आप कब तक ट्रक मालिकों को किराया दिए बिना प्रताड़ित करते रहेंगे? विजयेंद्र ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि आप अपनी सरकार के भ्रष्ट कारोबार के लिए आय के स्रोत खोजने के लिए लोगों पर मूल्य वृद्धि और अवैज्ञानिक कर लगाना जारी रखे हुए हैं।

छठे दिन हिमलिंग के दर्शन करने वालों का आंकड़ा पहुंचा एक लाख

जम्मू, 08 जुलाई (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के डर को दरकिनार कर अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वालों की बढ़ती संख्या का आलम यह है कि यात्रा के छठे दिन ही हिमलिंग के दर्शन करने वालों ने एक लाख का आंकड़ा छू लिया। अमरनाथ यात्रा 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की भक्ति और उत्साह लगातार चरम पर पहुंच रहा है। यात्रा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की कुल संख्या 92,000 के पार पहुंच गई थी, जो इस पवित्र यात्रा के प्रति गहरी आस्था और निष्ठा को दर्शाता था।

मंगलवार सुबह करीब 5 बजे, बालटाल और चंदनवाड़ी से हजारों श्रद्धालुओं का जत्था बम बम भोले और जय शिव शंकर के जयकारों के साथ पवित्र अमरनाथ गुफा की ओर रवाना हुआ। इस दौरान भक्तों के चेहरों पर उमंग और आस्था साफ झलक रही थी। तीन जुलाई को शुरू हुई इस यात्रा के बाद से अब तक सवा लाख अधिक श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा में शामिल हो चुके हैं। जबकि दर्शन करने वाले एक लाख का आंकड़ा पार कर चुके हैं। 7,541 यात्रियों का एक और जत्था मंगलवार को दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। जबकि 3321 यात्रियों को लेकर 148 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला तड़के 2.55 बजे बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

दावा है कि संख्या में वृद्धि अनुकूल मौसम, कुशल व्यवस्था और यूटी प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों से बेहतर रसद सहायता के कारण हुई. तीर्थयात्रा की शुरुआत पहले दिन (गुरुवार) 12,348 यात्रियों ने की, उसके बाद शुक्रवार को 14,515, शनिवार को 21,109, रविवार को 21,512 और सोमवार को 23,857 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। अधिकारियों ने बताया कि बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है, जिसमें चिकित्सा सहायता सहित सभी आवश्यक सेवाओं के साथ बहु-स्तरीय सुरक्षा कवर शामिल है। बालटाल से यात्रा कर लौटे श्रद्धालु शुभम कपूर ने बताया, हमें लगा था कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद शायद श्रद्धालुओं की संख्या कम हो जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए गुफा के बाहर लंबी कतारें लगी थीं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई।

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियां लगाई गई हैं। जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में पड़ने वाले सभी ट्रांजिट कैंपों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। हर साल की तरह इस साल भी स्थानीय लोगों ने अमरनाथ यात्रा को अपना पूरा समर्थन दिया है। पहलगाम आतंकी हमले पर कश्मीरियों के दुख का संदेश देने के लिए स्थानीय लोगों ने सबसे पहले तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे का स्वागत किया। जैसे ही तीर्थयात्री नौगाम सुरंग को पार करके काजीगुंड से कश्मीर घाटी में पहुंचे, स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी और 38 दिनों के बाद 9 अगस्त को समाप्त होगी।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने सरकार से मांगे

50 अत्याधुनिक डीप सर्च माइन और मेटल डिटेक्टर

जम्मू, 08 जुलाई (ब्यूरो)। कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद से निपटने के लिए 50 अत्याधुनिक डीप सर्च माइन और मेटल डिटेक्टर खरीदने का फैसला किया है। पहले ही वह कई नए बुलेटप्रूफ वाहनों के लिए टेंडर निकाल चुकी है। आतंकवाद विरोधी अभियानों को बढ़ाने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, जम्मू कश्मीर पुलिस 50 अत्याधुनिक डीप सर्च माइन और मेटल डिटेक्टर खरीदने जा रही है, जिन्हें गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित तकनीकी विनिर्देशों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

आधिकारिक निविदा सूचना के अनुसार, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस और अन्य छिपे हुए खतरों का पता लगाने में सुधार लाने के उद्देश्य से खरीद शुरू की गई है। ये उपकरण क्यू-3 के रूप में चिह्नित योग्यता आवश्यकताओं और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के महानिदेशालय द्वारा अंतिम रूप दिए गए विनिर्देशों के अनुरूप होंगे, जिन्हें 2018 में एमएचए द्वारा अनुमोदित किया गया था। इस प्रक्रिया की देखरेख पुलिस अधीक्षक, प्रभारी पुलिस सेंट्रल स्टोर, सशस्त्र पुलिस परिसर, जेवान, श्रीनगर द्वारा की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि ये डिटेक्टर इम्प्र-ोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), छिपे हुए आयुध और धातु आधारित खतरों का सुरक्षित पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं, खासकर घाटी में संवेदनशील और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में।

जम्मू और कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्नत डीप सर्च माइन और मेटल डिटेक्टरों का उपयोग महत्वपूर्ण है। ये उपकरण सड़कों को सुरक्षित करने, तलाशी अभियानों के दौरान छिपे हुए खतरों का पता लगाने और सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों दोनों की सुरक्षा करने की हमारी पुलिस की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि डीएसएमडी से जमीन में पैठ बढ़ाने की क्षमता बढ़ेगी, जो राजौरी और पुंछ में एलओसी के जंगलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में माइन का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारी ने बताया कि चयनित उत्पाद को एनएसजी द्वारा तैयार और गृह मंत्रालय द्वारा अनुमोदित तकनीकी दस्तावेज के अनुरूप होना चाहिए, ताकि क्षेत्र की स्थितियों में अंतर-संचालन और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके।उन्होंने कहा कि एक बार खरीद लिए जाने के बाद, डिटेक्टरों को उच्च-खतरे वाले जिलों में वितरित किया जाएगा और जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रशिक्षित बम निरोधक दस्तों (बीडीएस) और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) के साथ तैनात किया जाएगा।

केरल में एक बार फिर निपाह के प्रकोप की आंशका

कोच्चि, 08 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण भारत के केरल में निपाह के संभावित प्रकोप की आंशका जाहिर की गयी है। यह वायरस जानवरों से मनुष्यों में और दूषित भोजन या सीधे मानव-से-मानव संपर्क के माध्यम से फैलता है।वायरस के लिए ऊष्मायन अवधि पांच से 14 दिनों तक होती है जिसके बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं।राष्ट्रीय संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ नरेश पुरोहित ने कहा कि निपाह वायरस में मृत्यु दर बहुत अधिक है जो मनुष्यों में 40 से 75 प्रतिशत तक है।हाल ही में मलप्पुरम के चेट्टियारंगडी की 18 वर्षीय लड़की की मौत की पुष्टि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) ने निपाह संक्रमण के कारण हुई थी, जबकि पलक्कड़ जिले के थचनट्टुकारा की 38 वर्षीय महिला भी इस वायरस से संक्रमित पाई गई थी।केरल में वायरस के फिर से उभरने के मद्देनजर स्वास्थ्य

मंत्री ने कहा कि राज्य में निपाह वायरस से संक्रमित दो व्यक्तियों की संपर्क सूची में 383 लोग हैं। इनमें से 12 का मलप्पुरम जिले में इलाज चल रहा है, जिनमें से पांच आईसीयू में हैं, जबकि चार अन्य का पलक्कड़ जिले में आइसोलेशन में इलाज चल रहा है।इस बीच राष्ट्रीय एकीकृत रोग निगरानी नियंत्रण कार्यक्रम के प्रमुख अन्-वेषक डॉ पुरोहित ने कहा कि इस वायरस का अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है इसलिए लोगों से यह आग्रह किया जाता है कि वे सावधानी बरतें। उनका भोजन चमगादड़ों से दूषित न हो।गौरतलब है कि केरल में निपाह संक्रमण का पहला मामला 2018 में आया था जिसके बाद 17 लोगों की मृत्यु हुई थी। इनमें 18 मामलों में निपाह वायरस की पुष्टि हुई थी।निपाह के लक्षण इन्फ्लूएंजा वायरस के समान हैं। इसमें बुखार, सिरदर्द, बेहोशी और मतली शामिल हैं। कुछ मामलों में घुटन, पेट दर्द, उल्टी, थकान और धुंधली दृष्टि जैसे लक्षण भी हो सकते हैं। लक्षण शुरू होने के दो दिन बाद ही मरीज कोमा में जा सकता है। इसके कारण मस्तिष्क को प्रभावित करने वाले एन्सेफलाइटिस के संक्रमण की आशंका भी अधिक होती है।

डॉ. पुरोहित ने इस बात पर जोर दिया कि वायरस से संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद खुद को सुरक्षित रखना भी महत्व-पूर्ण है। रोगी से दूरी बनाए रखना और हाथों को अच्छी तरह से साफ करना और धोना महत्वपूर्ण है। कपड़े, बर्तन और शौचालय या बाथरूम में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली चीजें जैसे बाल्टी और मग को अलग से साफ किया जाना चाहिए और स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।

ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए ब्रासीलिया पहुंचे मोदी

ब्रासीलिया/नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी ब्राजील यात्रा के दूसरे चरण में मंगलवार तड़के यहां ब्रासीलिया पहुंचे, जहां हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।यह चरण श्री मोदी की आधिकारिक यात्रा से जुड़ा है और इस दौरान वह ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल की स्तर की वार्ता होगी। श्री मोदी राष्ट्रपति लूला के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने तथा संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इस दौरान चार समझौतों पर हस्ताक्षर किये जाने की भी संभावना है।

प्रधानमंत्री ने ब्रासीलिया पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय समुदाय के लोगों द्वारा आयोजित पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वागत से अभिभूत हूं। उन्होंने कहा, कुछ समय पहले ही ब्रासीलिया पहुंचा हूं। भारतीय समुदाय ने एक यादगार स्वागत किया, जिसने एक बार फिर यह दर्शाया कि हमारा प्रवासी समुदाय कितना भावुक है और अपनी जड़ों से कितना जुड़ा हुआ है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री की ब्राजील की आधिकारिक यात्रा दोनों देशो के बीच साझेदारी को दृढ बनायेगी। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा , भारत-ब्राजील दृढ़ साझेदारी में नए कदम उठाते हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पारंपरिक ब्राजीलियाई सांबा रेगे प्रदर्शन ने स्वागत को सुखद संगीतमय बना दिया गया। ब्रासीलिया हवाई अड्डे पर, बटाला मुंडो बैंड ने कुछ बेहतरीन धुन बजायीं। उनका यह प्रयास अफ्रीकी-ब्राजील तालवाद्य, विशेष रूप से ब्राजील के साल्वाडोर दा बहिया के सांबा-रेगे को बढ़ावा देने का वैश्विक प्रयास है।

इससे पहले रियो डी जेनेरियो में 17 वें ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद ब्रासीलिया रवाना होने से पहले श्री मोदी ने कहा कि उनकी यह यात्रा बेहद सार्थक रही। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा , मेरी ब्राज़ील यात्रा का रियो चरण बहुत ही सार्थक रहा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हमने व्यापक विचार-विमर्श किया। मैं राष्ट्रपति लूला और ब्राज़ील की सरकार को उनके ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के दौरान इस मंच को और भी अधिक प्रभावी बनाने को लेकर किए गए काम के लिए बधाई देता हूँ। विश्व नेताओं के साथ मेरी द्विपक्षीय बैठकें विभिन्न देशों के साथ भारत की मित्रता को भी बढ़ावा देंगी।

अब राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया जा रहा हूँ। राष्ट्रपति लूला के साथ भारत-ब्राजील संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत बातचीत करूंगा।

गोपाल खेमका हत्याकांड : 4 लाख की सुपारी, जमीन विवाद, 45 दिन पहले मारने की थी प्लानिंग

पटना, 08 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के चर्चित व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड में पुलिस ने खुलासा किया है कि प्लानिंग डेढ़ महीने पहले की गई थी। पुलिस ने दावा किया है कि ये जमीन विवाद से जुड़ा मामला है। दोनों पक्षों में जमीन को लेकर पहले से झगड़ा चल रहा था। मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस ने एक ऑडियो क्लिप भी सुनाई, जिसमें गोपाल खेमका और अशोक साव के बीच तेज बहस और गाली-गलौज होती सुनी गई। हालांकि अभी यह जांच जारी है कि किस जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसके अलावा पुलिस ने बताया कि अशोक साव का नाम पहले भी कई आपराधिक मामलों में आ चुका है। बिहार शरीफ में भी उनके खिलाफ कई केस दर्ज हैं और वह मनोज कमलिया और संतोष हत्याकांड में भी संदेह के घेरे में रहे हैं।पुलिस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर डीजीपी विनय कुमार ने घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताया कि जमीन विवाद को लेकर अशोक साव से उनकी लंबे समय से अनबन चल

डीजीपी ने किया खुलासा

रही थी। दो महीने पहले ही हत्या की साजिश रची गई थी। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को अहम सुराग मिले, जिसमें शूटर और बाइक की पहचान हुई। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई।विनय कुमार ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ कि अशोक साव ने ही शूटर को सुपारी दी थी और इसके पुख्ता सबूत मिले हैं। अशोक साव के घर से जमीन से जुड़े भारी मात्रा में जमीन के दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। पिस्टल और मैगजीन भी जब्त की गई है। उसे जानकारी थी कि गोपाल खेमका रोज रात 8 बजे बांकीपुर क्लब जाते और 11 बजे लौटते हैं।डीजीपी ने बताया कि घटनास्थल से जो सूत्र प्राप्त हुए थे, कैमरे से जो तस्वीर आई थी, शूटर था जो हुलिया मिला था, इन सभी के आधार पर पूरे शहर के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। साक्ष्य संग्रह किया गया, मोटरसाइकिल की पहचान की गई। उसके धारक की पहचान की गई। इसके बाद बाईक मालिक की गिरफ्तारी की गई।बाइक मालिक से पूछताछ के बाद पुलिस की जांच आगे बढ़ी। विनय कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुख्य शूटर उमेश यादव को गिरफ्तार किया गया है। उमेश साव ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने उमेश यादव के घर से 59 जिंदा कारतूस (गोलियां) भी बरामद किए हैं।उसे अग्रिम में 50,000 रुपये दिए गए थे और पूरी डील 4 लाख रुपये में तय हुई थी। उमेश को इस बात की पूरी जानकारी थी कि गोपाल खेमका हर दिन अकेले बांकीपुर क्लब जाते हैं और फिर घर लौटते हैं। इसी रूटीन के मुताबिक उसने हमला किया। आरोपी अशोक साव के घर से पुलिस को कई जमीन के कागजात, हथियार और करीब 6 लाख रुपये नकद मिले हैं।पुलिस अब इन पैसों और दस्तावेजों की जांच कर रही है कि इनका हत्याकांड से क्या संबंध है? वहीं, इस पूरे केस के बारे में जानकारी देते हुए पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि गोपाल खेमका की हत्या उनके पुराने साथी अशोक साव ने कराई है। अशोक साव ने हत्या करने के लिए अशोक साव ने उमेश को 4 लाख रुपये की सुपारी दी थी।शूटर की पहचान शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से की गई। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि इस पूरे केस की डिटेल जानकारी बाद में आएगी, लेकिन यह कंफर्म है कि गोपाल खेमका हत्याकांड में अशोक साव शामिल है। एसएसपी ने बताया कि उमेश यादव से जब पूछताछ की गई तो उन्होंने घटना में संलिप्तता स्वीकार की।

पूछताछ की गई तो उन्होंने हथियार के बारे में बताया, इसके बाद पुलिस को घटना में प्रतिनियुक्त हथियार बरामद किया गया। इसने पूछताछ में अशोक साह का नाम लिया। बताया कि 4 लाख में सौदा हुआ था। पचास हजार रुपए पहले दिए थे। उमेश यादव ने राजा से बात की, उसने हथियार लिया।

अशोक साव से अशोक खेमका के बारे में जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि आरोपियों की धरपकड़ के बीच एसआईटी और एसटीएफ की टीम ने हत्याकांड से जुड़े एक आरोपी के ठिकाने पर छापा मारा था। इसी दौरान विकास कुमार उर्फ राजा ने पुलिस को देख फायरिंग शुरू कर दी।जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उस पर फायरिंग की, जिसमें उसकी मौत हो गई।

आंबेडकर चाहते थे कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त हो न्यायपालिका : सीजेआई

मुंबई, 08 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने मंगलवार को यहां कहा कि डॉ. बी आर आंबेडकर ने संविधान की सर्वोच्चता की बात की थी और उनका मानना था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए।

वह शीर्ष न्यायिक पद पर पदोन्नत होने पर महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा अपना अभिनंदन किए जाने के बाद बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि संविधान देश में रक्तहीन क्रांति का हथियार रहा है।न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका ने पिछले 75 वर्षों में भारत में सामाजिक-आर्थिक समानता लाने के लिए मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे संविधान अपनी शत-ाब्दी की ओर बढ़ रहा है, उन्हें खुशी है कि वह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं।महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा उनके सम्मान में सर्वसम्मति से बधाई प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद न्यायमूर्ति गवई ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने कहा था, ''हम सभी संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास करते हैं, जो शांति और युद्ध के दौरान देश को एकजुट रखेगा।''प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संविधान तीनों अंगों - कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अधिकार देता है तथा आंबेडकर के अनुसार न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों की प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करना है।उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने यह भी कहा था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए।प्रधान न्यायाधीश ने आंबेडकर के इस कथन को भी उद्धृत किया कि संविधान स्थिर नहीं रह सकता, इसे जीवंत होना चाहिए तथा निरंतर विकसित होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि अगली पीढ़ी को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, उनका अनुमान वर्तमान पीढ़ी नहीं लगा सकती, इसलिए संशोधनों की अनुमति दी गई।प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संविधान के कारण ही महिलाएं और पिछड़े समुदाय राष्ट्रीय मुख्यधारा में आए हैं।उन्होंने कहा, हमारे पास एक महिला प्रधानमंत्री, दो महिला राष्ट्रपति तथा राष्ट्रपति के रूप में पिछड़े समुदाय से आने वाले के. आर. नारायणन और रामनाथ कोविंद, लोकसभा अध्यक्ष के रूप में जी एम सी बालयोगी और मीरा कुमार तथा विभिन्न राज्यों में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों के रूप में पिछड़े वर्ग के कई सदस्य हैं।प्रधान न्यायाधीश ने कहा, आंबेडकर का मानना था कि बिना उपायों के मौलिक अधिकार बेकार हैं। संघवाद लचीला हो, कठोर नहीं। संविधान ने तीनों अंगों - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों को अलग-अलग किया। यह न्यायपालिका की भूमिका है कि वह सुनिश्चित करे कि कानून संविधान के ढांचे के भीतर हों। लोकतंत्र के तीनों अंग संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास करें।प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा दिए गए सम्मान से अभिभूत हैं, क्योंकि उनके पिता आर एस गवई 30 साल से अधिक समय तक राज्य विधान परिषद से जुड़े रहे।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता आर एस गवई ने महाराष्ट्र विधान परिषद के अध्यक्ष होने के अलावा बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।इससे पहले दिन में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने निचले सदन में गवई को बधाई देने के लिए प्रस्ताव पेश किया और कहा कि प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनकी पदोन्नति महाराष्ट्र के लिए गर्व की बात है। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।बाद में, राज्य विधान परिषद में अध्यक्ष राम शिंदे द्वारा इसी प्रकार का बधाई प्रस्ताव पेश किया गया और उसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने केन्द्रीय कक्ष में आयोजित एक समारोह में विधानमंडल की ओर से न्यायमूर्ति गवई का अभिनंदन किया। महाराष्ट्र के अमरावती में 24 नवंबर 1960 को जन्मे न्यायमूर्ति गवई 14 नवंबर 2003 को बंबई उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बने। उन्होंने 14 मई को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लेते हुए भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

खड़गे ने किया राष्ट्रपति का अपमान : भाजपा

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपमानित करने का आरोप लगाया है और कहा है कि उनका बयान कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, श्री खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के

लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनका बयान कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शा रहा है।

उन्होंने कहा कि श्री खरगे श्रीमती मुर्मु को मुर्मा जी बुलाते हैं और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को कोविड बुलाते हैं।

इतना ही नहीं वह श्रीमती मुर्मु को भू-माफिया बताते हैं और कहते हैं कि ये हमारी जमीन और जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि श्री राहुल गांधी के इशारे पर रिमोट कंट्रोल वाले कांग्रेस अध्यक्ष आदिवासी विरोधी, दलित विर-ोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं और इसको लेकर पूरा देश उनकी निंदा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी अपने हाथ में संविधान लेकर चलते हैं, लेकिन उन्हीं के इशारे पर श्री खरगे ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं, जिसका आज भारत का हर नागरिक निंदा कर रहा है।

हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने वाले गिरोह पर हो रही कार्रवाई

गिरोह सरगना की आलीशान कोठी पर चला बुलडोजर

कंगाले जा रहे हैं पाकिस्तान और अन्य इस्लामिक देशों से लिंक

बलरामपुर, 08 जुलाई (ब्यूरो)। हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियां चलाने वाले गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर की बलरामपुर में मधुपुर स्थित आलीशान कोठी बुलडोजर लगा कर ध्वस्त कर दी गई। कोठी का गेट नहीं खोलने पर पुलिस ने गेट कटर दरवाजा काटकर टीम को अंदर भेजा। उतरौला के सीओ राघवेंद्र सिंह ने घर का निरीक्षण किया। उसके बाद निर्माण ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। गेट के दायें तरफ बने दो मंजिला इमारत में कुछ लोग रह रहे थे। उन्हें घर से बाहर निकलने को कहा गया है। बुलडोजर कार्रवाई शुरू होने से मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। देखने वालों का तांता लगा रहा। इससे पहले सोमवार को प्रशासन की टीम ने गेट पर बेदखली की नोटिस चस्पा की थी। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि बेदखली की नोटिस के बाद मधपुर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तहसीलदार ने बताया कि इमारत के आसपास का अतिक्रमण सात दिनों में नहीं हटाया गया तो प्रशासन उसे हटाएगा।

प्रदेश में गैर-मुस्लिम लड़कियों को बहला फुसलाकर कराए जा रहे धर्मांतरण के खिलाफ सिख और सिंधी समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस तरह का कुत्सित प्रयास करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने धर्मांतरण की साजिश रचने वाले अपराधियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग की है। छांगुर बाबा की करीबी नीतू नवीन रोहरा के यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) के नेटवर्क को एटीएस खंगाल रही है। दरअसल, सातवीं कक्षा पास नीतू ने 2014 से 2019 तक 19 बार यूएई की यात्रा की, जिसकी वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। इसी तरह नवीन घनश्याम रोहरा ने भी 2016 से 2020 के बीच 19 बार यूएई की यात्रा की। पति-पत्नी होने के बावजूद दोनों केवल 8 अप्रैल, 2017 को एक बार साथ में गए थे, लेकिन वापसी अलग-अलग की थी। छांगुर बाबा के गिरोह का नेटवर्क यूएई में भी है।

नवीन घनश्याम रोहरा, नीतू नवीन रोहरा और समाले नवीन रोहरा का धर्मांतरण 16 नवंबर, 2015 को दुबई के अल फारुख उमर बिन कताब सेंटर में हुआ था। इसे दुबई सरकार ने प्रमाणित भी किया था। हालांकि उनके पासपोर्ट की जांच में दुबई की यात्रा करने की पुष्टि नहीं हुई, जिससे आशंका जताई जा रही है कि छांगुर बाबा के गिरोह के गुर्गों ने अलग नाम से भी पासपोर्ट बनवाए हुए हैं। अधिकारियों को शक है कि गिरोह खाड़ी देशों के संगठनों के इशारे पर धर्मांतरण का रैकेट चला रहा था। उसका नेटवर्क यूपी के अलावा कई अन्य राज्यों में फैला होने के प्रमाण भी मिले हैं।

महाकुंभ ड्यूटी के लिए 24071 कर्मियों को मिले 24.71 करोड़

परिवहन निगम के चालकों/परिचालकों को मिला 10,000 का बोनस

लखनऊ, 08 जुलाई (ब्यूरो)। महाकुंभ 2025 में अपनी सेवाएं देने वाले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों को 10,000 बोनस की राशि उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत लागू किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 24,71,00,000 रुपए (चौबीस करोड़ इकहत्तर लाख) की राशि 11786 चालकों और 12285 परिचालकों सहित कुल 24071 कर्मचारियों को उनके खातों में भेजी गई।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहा, यह बोनस न केवल कर्मियों के लिए प्रोत्साहन है, बल्कि आने वाले समय में और बेहतर सेवा के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा। परिवहन मंत्री ने जानकारी दी कि महाकुंभ-2025 में राज्य के सभी 19 क्षेत्रों से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन किया। दयाशंकर सिंह ने कहा कि 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने इस महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान, परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों ने लगन, ईमानदारी एवं तत्परता से कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक सुरक्षित एवं सुविधाजनक रूप से पहुंचाया। उन्होंने कहा कि इतने विशाल आयोजन को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है।

अखिलेश यादव के बयान पर स्वतंत्र देव सिंह का पलटवार

रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले आस्था की बात न करें

लखनऊ, 08 जुलाई (ब्यूरो)। कांवड़ यात्रा को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दिए गए बयान पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अखिलेश पर आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुके हैं, वे आज श्रद्धालुओं के हित की बातें करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा शासनकाल में न तो कांवड़ यात्रा की गरिमा का ध्यान रखा गया और न ही सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई। आज जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं कांवड़ियों के मार्ग और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था को परखने के लिए हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं और मांस-मदिरा की दुकानों को बंद कराने से लेकर साफ-सफाई, मेडिकल, ट्रैफिक आदि सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर रहे हैं, तब अखिलेश यादव को अचानक कांवड़ियों की चिंता होने लगी है। अखिलेश यादव का यह बयान न सिर्फ राजनीतिक अवसरवाद है, बल्कि आस्था पर की गई पिछली राजनीति को छिपाने की कोशिश भी है। यूपी की जनता उनके मंसूबों को भली भांति समझ चुकी है। वो उनके हर एजेंडे को नाकाम करने का मन बना चुकी है।

कैबिनेट मंत्री ने अखिलेश के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा एक कैडर आधारित पार्टी है, जहां संगठन के सभी निर्णय लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत लिए जाते हैं। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी जैसी परिवारवाद आधारित पार्टी को भाजपा की नेतृत्व प्रणाली पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जो पार्टी अपने संगठन में परिवार से बाहर किसी का नाम तक नहीं सोच सकती, वह लोकतंत्र की बात कैसे कर सकती है? स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव के बयानों से यह स्पष्ट है कि उन्हें न तो आस्था की समझ है और न ही व्यवस्थाओं के प्रति कोई अनुभव। योगी सरकार में आस्था का सम्मान सर्वोपरि है और सरकार का उद्देश्य श्रद्धालुओं को न केवल सुविधा देना है, बल्कि कांवड़ यात्रा की पवित्रता को अक्षुण्ण रखना भी है। उन्होंने कहा कि यह वही सरकार है जिसने हर धार्मिक आयोजन को सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्था के साथ सम्पन्न कर एक नई मिसाल कायम की है। योगी सरकार में श्रद्धा, सुरक्षा और व्यवस्था का अद्वितीय समन्वय स्थापित किया है।

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों का होगा विलय

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी लगाई मुहर

प्रयागराज, 08 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में हुए एक बड़े बदलाव को इलाहाबाद हाईकोर्ट की मंजूरी मिल गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में स्कूलों के विलय के फैसले को सही ठहराया है। हाईकोर्ट ने इसके विरुद्ध दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। इस फैसले को जहां सरकार ने छात्रों के हित में तो वहीं कई शिक्षक संगठनों ने विरोध में बताया है। उन्होंने और भी कई कारण इसके विरोध के पीछे बताए हैं।

सीतापुर जिले के 51 छात्रों की याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह निर्णय सुनाया। हाईकोर्ट ने यह याचिका खारिज कर दी और कहा कि राज्य सरकार की स्कूलों के विलय के पीछे मंशा सही है और इसे नहीं रोका जाएगा। हाईकोर्ट के इस फैसले से उत्तर प्रदेश में लगभग 5 हजार स्कूल प्रभावित हो रहे हैं। यह स्कूल प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल स्तर की शिक्षा देते हैं। इनके साथ ही इनमें पढ़ने वाले बच्चों का भी भविष्य अब इसी फैसले से तय होगा। योगी सरकार का यह फैसला बीते कुछ समय में चर्चा में रहा है। योगी सरकार के स्कूलों के विलय के फैसले पर राज्य के शिक्षकों के कई संगठन विरोध भी जता चुके हैं। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे को हाल ही के भुनाने का प्रयास किया था। इस फैसले के विरोध और पक्ष में लोगों के अपने अपने तर्क हैं।

उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 1.3 लाख से अधिक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल हैं। इनमें कई लाख बच्चे पढ़ते हैं। वर्तमान में हर ग्राम सभा में एक प्राथमिक स्कूल है, इसको लेकर स्पष्ट तौर पर नियम भी बने हुए हैं। इन स्कूलों में 6 लाख से अधिक शिक्षक तैनात हैं। कई जगह ग्राम सभाओं में स्कूल ऐसे हैं जहां कुल जमा 20-30 बच्चे भी नहीं पढ़ते। लेकिन इन स्कूलों में बाकी स्कूलों की तरह सरकार को सभी सुविधाएं देनी होती हैं। इनमें से कई स्कूल ऐसे हैं जहां मात्र 30 बच्चों पर 5-6 शिक्षक हैं। दूसरी तरफ कई स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों की संख्या 100 के पार है लेकिन वहां शिक्षक की संख्या 3-4 है। ऐसे में इन स्कूलों में शिक्षक छात्र अनुपात बिगड़ा हुआ है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इसी समस्या को हल करने के लिए यह फैसला ले रही है। योगी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि जिन स्कूलों में 50 से कम बच्चे पढ़ते हैं, उन्हें पास के दूसरे विद्यालय में विलय कर दिया जाएगा। इन बच्चों को पास के ही दूसरे किसी प्राथमिक या जूनियर हाई स्कूल में स्थानांतरित किया जाएगा। योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि बच्चों को स्कूल जाने में कोई समस्या न हो, इसके लिए भी दिशा निर्देश दिए गए हैं। योगी सरकार ने कहा है कि जिस भी स्कूल में विलय होना है, वह दूसरे स्कूल से अधिक दूर नहीं होना चाहिए। सरकार ने यह भी ध्यान रखने को कहा है कि यह विलय पड़ोस के गांव तक किया जाए। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि बच्चों की सुविधा के लिए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि दूसरे स्कूल

के रास्ते में कोई प्राकृतिक बाधा कैसे नदी, पहाड़ या झरना आदि न हो। यहां तक कि यदि दोनों स्कूल के बीच कोई ट्रेन पटरी भी है, तो उसे भी टाला जाए।

योगी सरकार ने इस फैसले के पीछे कई कारण दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं स्कूलों का विलय किया जा रहा है, जिनमें बच्चों की संख्या बहुत कम है। इन स्कूलों को चलाए रखना तार्किक नहीं है। सरकार का पक्ष है कि इन स्कूलों में शिक्षक तो कई हैं परंतु बच्चे ही नहीं हैं, ऐसे में शिक्षकों का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। इसके अलावा, कम बच्चे होने के बावजूद भी इन स्कूलों को खेल, इंफ्रा और बाकी चीजों से संबंधित बजट उतना ही जाता है, जितना किसी बड़े स्कूल को। यह भी सही से इस्तेमाल नहीं हो पाता जबकि बड़े स्कूलों में कहीं शिक्षकों की कमी है तो कहीं इंफ्रा नहीं है। यह समस्या यदि स्कूल आपस में विलय हो जाएं तो हल हो सकती है। इससे उन स्कूलों में शिक्षक पहुँच जाएंगे, जहाँ बच्चों की संख्या अधिक है और सरकार को भी बजट आवंटित करने में आसानी होगी।

इस फैसले का विरोध मुख्य तौर पर सरकारी शिक्षक कर रहे हैं। उनके इस विरोध में कई तर्क हैं। विरोध का फोकस भर्ती कम होने, प्रमोशन घटने और कुछ हद तक बच्चों की समस्या से जुड़ा है। एक शिक्षक ने बताया कि हर स्कूल का अपना बजट होता है, वहां का एक प्रधानाचार्य होता है। यदि दो स्कूल आपस में विलय हो जाएंगे तो फिर प्रधानाचार्य तो एक ही रहेगा, ऐसे में जो शिक्षक आगे प्रमोशन का सोच रहे हैं, उन्हें अपने हित खतरे में लगते हैं। इसके अलावा शिक्षकों का कहना है कि यह फैसला उनका भविष्य भी अनिश्चितता की तरफ ले जाएगा। उनके अनुसार, वर्तमान में हर स्कूल पर यह फिक्स है कि कितने शिक्षक होंगे, लेकिन नई व्यवस्था में खत्म होने वाले स्कूलों से शिक्षक कहां जाएंगे, इस पर अनिश्चितता है। शिक्षकों का कहना है कि समस्या यहीं तक नहीं है। उनके अनुसार, अभी भले ही उन्हें दूसरे स्कूलों में अटैच किया जा रहा हो लेकिन आने वाले समय में सरकार स्क्रीनिंग कर के उन्हें हटा भी सकती है, ऐसे में उनका भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

एक और मुद्दा नई भर्ती का है। शिक्षकों का दावा है कि स्कूलों की संख्या अगर कम की जाएगी तो इसका सीधा असर नई भर्ती की संख्या पर भी होगा। उनका कहना है कि इससे प्रदेश में नई शिक्षक भर्ती रुक जाएगी और रोजगार सृजन नहीं होगा। इसके अलावा बच्चों को दूर जाना पडेगा, यह भी एक कारण दिया जा रहा है। हाईकोर्ट ने इन सब तर्कों ने नकार दिया है और अब विलय को हरी झंडी दिखा दी है।

अवैध धर्मांतरण पर फूटा सिख और सिंधी समाज का गुस्सा

अवैध धर्मांतरण आतंकवाद से अधिक खतरनाक

लखनऊ, 08 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में सक्रिय गिरोहों द्वारा गैर-मुस्लिम लड़कियों के कराए जा रहे धर्मांतरण के खिलाफ सिख और सिंधी समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस तरह के कुत्सित प्रयास करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों ने कहा कि धर्मांतरण की साजिश रचने वाले अपराधियों को फांसी सजा मिलनी चाहिए। सिख और सिंधी समाज के लोगों का मानना है कि अवैध धर्मांतरण आतंकवाद से अधिक खतरनाक है, लिहाजा इसमें शामिल लोगों को फांसी पर लटकाया जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सिख प्रतिनिधि और गुरुगोविंद सिंह सेवा समिति के सचिव परबिंदर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण की खबरें सामने आई हैं वह दुखद है। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा जो कि बड़े पैमाने पर गैर मुस्लिम लड़कियों के धर्मांतरण कराने के आरोप में गिरफ्तार हुआ है, ऐसे लोगों की सजा फांसी के कम नहीं होनी चाहिए। धर्मांतरण के लिए बहन बेटियों का मूल्य तय करना इनकी घिनौनी सोच को दर्शाता है, इस तरह के कृत्य में जो भी लोग शामिल हैं ऐसे अपराधियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि लड़कियों को पैसा देकर बहला फुसला कर किए जा रहे धर्मांतरण सिख समुदाय के खिलाफ बड़ी साजिश है। उन्होंने सीएम योगी से अपील करते हुए कहा कि ऐसे लोग जो विदेशी एजेंसियों के साथ मिलकर इस तरह के कार्य कर रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गुरुनानक से लेकर गुरु गोविंद सिंह तक, सिख पंथ ने कभी धर्म नहीं बदला, बल्कि धर्म की रक्षा की है।

गुरुद्वारा पटेलनगर के हेड ग्रंथी ज्ञानी भगत सिंह ने कहा कि आज उनके अनुयायियों को लालच, भय या छल से धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जा रहा है, ये अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हालिया मामलों में सिख समुदाय के सदस्यों को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए निशाना बनाया गया। यह केवल धार्मिक आज़ादी पर हमला नहीं, बल्कि सिख अस्मिता का अपमान है। धर्मांतरण कोई व्यक्तिगत मामला नहीं ये राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। यह संगठित और सुनियोजित अभियान है, जिसमें विदेशी फंडिंग और कट्टरपंथी संगठन संलिप्त हैं। सिख समाज के खिलाफ धर्मांतरण की साजिश पर अपराधियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ सिंधी समाज ने जमकर आक्रोश व्यक्ति किया। सिंधी नेता नानक चंद लखमानी कहा कि सिंधी समाज के खिलाफ धर्मांतरण की साजिश अब और सहन नहीं किया जाएगा। सिंधी समाज की बहन बेटियों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। सिंधी समाज के मासूम युवाओं, खासकर बहन-बेटियों को धर्मांतरण के जाल में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। वहीं किशन चंद्र तनवानी ने कहा कि यह केवल धार्मिक आज़ादी पर हमला नहीं, बल्कि सिंधी संस्कृति और पहचान को मिटाने की कोशिश है। धर्मांतरण के लिए रेट तय करना घिनौना और अमानवीय कृत्य है। सिंधी समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म को लेकर बाजारू सौदेबाज़ी और बेटियों को फांसने की दर तय करना, इस षड्यंत्र की नीच सोच और मानसिकता को उजागर करता है।

यह एक नया आतंकवाद है जो बंदूक से नहीं, छल और धोखे से काम कर रहा है। लोगों ने सीएम योगी से अपील करते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रविरोधी धर्मांतरण माफियाओं को सिर्फ जेल नहीं, सीधे फांसी दी जाए।

मनोरमा नदी के पुनर्जीवन की ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ

व्यापक श्रमदान से की गई पौराणिक मनोरमा नदी के पुनरुद्धार की शुरुआत

गोंडा, 08 जुलाई (ब्यूरो)। गोंडा में पौराणिक मनोरमा नदी के पुनर्जीवन की ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ श्रमदान के माध्यम से किया गया। यह अभियान योगी सरकार द्वारा पारंपरिक नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे राज्यव्यापी प्रयासों का हिस्सा है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जनपद गोंडा में नई गति मिली है। ब्लॉक इटियाथोक अंतर्गत ग्राम सिसई बहलोलपुर से इस अभियान की शुरुआत हुई, जिसमें प्रशासनिक प्रयासों के साथ जनसहभागिता की मिसाल भी देखने को मिली।

कार्यक्रम में पंडरी कृपाल, इटियाथोक, रुपईडीह और मुजेहना ब्लॉकों से आए 200 से अधिक ग्रामीणों, युवाओं, ग्राम प्रधानों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर इस मुहिम को व्यापक जन समर्थन प्रदान किया। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि मनोरमा नदी केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का प्रतीक है। इसका पुनर्जीवन गोंडा के स्वाभिमान से जुड़ा है और यह कार्य प्रशासन व जनमानस की साझा जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

मनोरमा नदी के पुनर्जीवन हेतु बहुस्तरीय और बहुआयामी कार्ययोजना तैयार की गई है। योजना के अंतर्गत गोंडा-बलरामपुर रोड से लेकर ताड़ी लाल गांव तक नदी की गाद एवं अतिक्रमण को हटाया जाएगा और जलधारा को पुनः प्रवाहित किया जाएगा। इस कार्य के लिए जेसीबी व पोकलैंड मशीनों द्वारा सफाई कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही नदी के दोनों किनारों पर पीपल, नीम और पाकड़ जैसी देशी प्रजातियों के वृक्षों का रोपण कर हरियाली और जैव विविधता को पुनर्स्थापित करने की भी योजना है। वन विभाग को वृक्षारोपण तथा सिंचाई विभाग को नदी के प्रवाह पथ और संरचना का तकनीकी आकलन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस तंत्र भी तैयार किया गया है।

इस अभियान में ग्राम पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी समूहों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे यह प्रयास केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक चेतना का सशक्त उदाहरण बन सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मनोरमा पुनर्जीवन की यह पहल जन-सहभागिता आधारित जल संरक्षण, हरित विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मनोरमा नदी का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व अत्यंत समृद्ध रहा है। लगभग 115 किलोमीटर लंबी यह नदी गोंडा के तिर्रे ताल से निकलकर बस्ती जिले के महुली क्षेत्र में कुआनों नदी में मिलती है। पुराणों में इसका उल्लेख महर्षि उद्दालक की पुत्री मनोरमा के रूप में हुआ है और यह मखौड़ा धाम के समीप बहती हुई वर्षों से श्रद्धा, आस्था और संस्कृति की वाहक रही है। बीते वर्षों में अतिक्रमण, गाद और उपेक्षा के चलते नदी के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया था। पहली बार योगी सरकार द्वारा इस पौराणिक नदी के संरक्षण की गंभीर पहल की गई है, जिससे गोंडा की धरती पुनः सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय सशक्तिकरण का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर हो चुकी है।

फल व सब्जियों के इन हिस्सों को न समझें बेकार

आपने यह तो सुना होगा कि फलों और सब्जियों को खाना सेहत के लिए बहुत ो लाभकारी होता हैं लेकिन कुछ सब्जियों और ़लों के छिलके भी सेहत के लिए फायदेमंद ाते हैं। जो आपको कई तरह की बीमारियों से ाहत दिलाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि न फलों और सब्जियों के छिलके का हमारी ाहत से क्या संबंध हैं।

सेब का छिलका

ज्यादातर लोग सेब छीलकर खाते हैं किन सेब के छिलके में भी शरीर के ाए जरूरी कई पोषक तत्व होते हैं। क सेब के छिलके में औसतन चार लीग्राम क्वेरसेटिन होता है, जिसमें टीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया ाता है। इसकी वजह से कोशिकाएं ास्थ बनी रहती हैं।

संतरे का छिलका

यह पाचन में सुधार, गैस, उल्टी, हार्ट बर्न और म्लीय डकार को दूर करने में मदद करता है। यह ख बढ़ाता है और मतली से राहत दिलाने का ाम करता है। इसके अलावा यह मोटे व्यक्तियों हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

गोभी की पत्तियां

गोभी की हरी पत्तियों को हम नजरअंदाज कर ाते हैं और गोभी की सब्जी बना कर खा जाते हैं। किन इन हरी पत्तियों में विटामिन काफी मात्रा में या जाता है जो कि अन्य सब्जियों में बड़ी ही श्किल से प्राप्त होता है।

ब्रोकली की डंडी

हरी पत्तेदार सब्जियों में ब्रोकली सबसे ऊपर क्योंकि लोग इसकी आवश्यकता को जानने लगे हैं। इसमें बहुत सारा एंटी ऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम और मैगनीशियम पाया जाता है। इसको खाने से लो बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है।

अनार का छिलका

अनार के छिलके को धूप में सुखा कर पाउडर के रूप में तैयार करने के बाद इसे स्वच्छ पानी के साथ फांकने से पुरानी से पुरानी पेचिस जल्द ही खत्म हो जाती है। इस चूर्ण को तब तक लें जब तक समस्या पूरी तरह से ठीक ना हो जाए।

करेले का छिलका

करेले के छिलकों को निचोड़ कर नमक लपेट करके लगभग एक घंटे तक तेज सूर्य की किरणों में सुखाएं। फिर इसे तलकर इस्तेमाल में लाएं। यह मधुमेह की मार झेल रहे रोगियों के लिए औषधि के रूप में साबित होगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज के छिलके को उतार कर कभी ना फेंके। इसमें मौजूद अमीनो एसिड को एल-सिट्रलाइन कहते हैं जो एथलीट की कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ ही मांसपेशियों के दर्द को भी दूर करता है। सिट्रलाइन रक्त में मौजूद नाइट्रोजन की मात्रा को हटाने में भी मददगार साबित होता है।

आलू का छिलका

आलू के छिलके खाने वालों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है जो स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी के साथ इसमें विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम भी काफी मात्रा में पाया जाता है। जो सेहत के लिए उपयोगी हैं।

ज्यादा नींबू पानी पीना हो सकता है खतरनाक

लोग अक्सर अपने सादे पानी को जरा से टेस्ट देने के लिए नींबू मिलाते हैं तो कुछ लोग खुद को पतला रखने के लिए नींबू पानी पीते हैं। लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से आपको कई नुकसान भी हो सकते हैं। यह आपको वेट लॉस प्लान का हिस्सा तो बन सकता है पर इसकी ज्यादा मात्रा आपको बीमार भी बना सकती है।

दांत बहुत ज्यादा संवेदनशील

नींबू में सिट्रस एसिड होता है। जिसके संपर्क में आने से दांत बहुत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। सिट्रस एसिड के भाव से दांतों की सबसे बाहरी परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कुछ भी ठंडा या गर्म खाने या पीने पर दांतों में झनझनाहट होने लग जाती है।

एसिडिटी की समस्या

अगर आपको पहले से ही गैस की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। नींबू पानी पीने से एसिडिटी या गैस की समस्या बढ़ सकती है। जिसका असर पाचन क्रिया पर भी पड़ता है।

स्टोन का खतरा

नींबू में सिट्रस एसिड के अलावा ऑक्सलेट की भी पर्याप्त मात्रा होती है। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से ये क्रिस्टल के रूप में शरीर में जमा हो जाता है। जिससे किडनी स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी का खतरा

नींबू पानी पीने से बार-बार पेशाब आती है। जिससे डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। डीहाइड्रेशन की स्थिति कई बार बहुत खतरनाक हो जाती है जिसमें पीड़ित की मौत भी हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होती हैं

बहुत अधिक नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। नींबू में अम्लीयता होती है जिसकी वजह से हड्डियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि नींबू पानी का सेवन नियंत्रित मात्रा में चिकित्सक के परामर्श से करें।

वजन कम करने के साथ रोग से दूर रखती है लीची

गर्मियों में कई स्वादिष्ट फलों का मजा लिया जा सकता है। इन्हीं में से एक है लीची। यूं तो लीची का उत्पादन मुख्य तौर पर चीन में होता है लेकिन अब दुनियाभर में कई देशों में होने लगा है।

एंटी-कैंसर प्रोपर्टी - वैसे तो बहुत से फलों में फ्लेवर्ड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि कैंसर से बचाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन लीची में कीमोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, लीची ब्रेस्ट कैंसर के सेल्स को नष्ट करने में मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित- पोटैशियम एक मिनरल है जो कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों को पोटैशियम से भरपूर लीची खाने की सलाह दी जाती है। एक कप लीची में 350 ग्राम तक पोटैशियम होता है।

दिल की बीमारियों से बचाता है- स्ट्राबेरी के बाद लीची दूसरे नंबर पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड माना जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड खाने से तनाव कम होता है और 50 फीसदी तक दिल की बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

कम कैलोरी युक्त- लीची में मात्र 125 कैलोरी होती है। इसमें फैट भी बहुत कम होता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लीची का सेवन किया जा सकता है।

विटामिन बी से भरपूर लीची में विटामिन के और ई भी पाया जाता है। इसके खाने से रेड ब्लड काउंट्स सही होते हैं। लीची अपने आप में एक नैचुरल पेन किलर है। ये डैमेज टिश्यूज को सही करता है, इम्यून सिस्टम बढ़ाना हो तो भी लीची का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी से भरपूर लीची को रोजाना खाएंगे तो कोल्ड और फ्लू से होने वाली सिकनेस से बच सकते हैं। त्वचा को दमकाना है तो भी लीची का सेवन किया जा सकता है, यदि आप एक्ने की समस्या से गुजर रहे हैं तो गर्मियों में लीची का सेवन करना ना भूलें।

इन बातों को नजर अंदाज किया तो हो जाएंगे बीमार!

अच्छे स्वास्थ की कामना हर कोई करता है। हत खराब होने पर परेशानी अलग से उठानी पड़ती और खर्चा अलग से करना पड़ता लेकिन क्या हम च में अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं? हमारा ाइफस्टाइल तेजी से बदलता जा रहा है। खाने पीने, ठने-बैठने की आदतें बदलती जा रही हैं जो हमारी हत पर बुरा असर डाल रही हैं। अगर आप हतमंद रहना चाहते हैं तो इन बातों को अनदेखा न रें।

लड़का हो या लड़की आजकल दोनों फॉर्मल शर्ट के साथ टाई का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आपको बता दें कि कसी हुई टाई बांधने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पेट की दिक्कत और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसकी एक वजह है चाय और उसके साथ लिया जाने वाला नमकीन।

बहुत ज्यादा झुककर पढ़ने से आंख, फेंफड़े और रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

- सिगरेट-तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने से दिमाग की हजारों कोशिकाएं नष्ट होती हैं जिनका पुनर्निर्माण कभी नहीं होता।
- पेट बाहर निकलने का मुख्य कारण खाने के बाद तुरंत पानी पीना। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर खाना। भोजन हमेशा जमीन पर बैठकर करें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना कई गंभीर रोगों को आमंत्रण देना है।
- फ्रिज से तुरंत निकला ठंडा पदार्थ खाने से बड़ी आंत सिकुड़ती है।
- भोजन के तुरंत बाद नहा लेने से पाचन शक्ति खराब होती है। इसी तरह भोजन के पश्चात ज्यादा मेहनती काम करने से भी पाचनशक्ति कमजोर होती है।
- भोजन करने के पश्चात मूत्र त्याग अवश्य करे। ऐसा करने से अनावश्यक गर्मी, कब्ज और पथरी से बचा सकता है।
- जब कुल्ला करें तो आंखों को जरूर धोएं। भोजन के बाद हाथ धोकर गीले हाथ आंखों पर लगाएं। यह आंखों को गर्मी से बचाता है।
- तली चीजों, फल, दूध से बनी मिठाई खाने के तुरंत बाद पानी न पीएं।
- हमेशा सिर से नहाना शुरू करें। अगर सिर नहीं धो रहे तो पहले मुंह धोएं। पहले पैरों पर पानी डालने से गर्मी का प्रवाह ऊपर की ओर होता हैं जो आंख, दिमाग जैसे संवेदनशील अंगों को क्षति पहुंचाता है।
- नहाने के कुछ पहले एक गिलास ताजा पानी पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।
- काफी लेट सोने से इम्युन सिस्टम कमजोर होने लगता है।
- खड़े होकर पानी पीने से घुटनों और जोड़ों के रोग होते हैं। इसी तरह खड़े होकर मूत्र त्याग करने से रीढ़ की हड्डी के रोग हो सकते हैं।
- खांसी, छींक, जम्हाई, बाथरूम, आंसू आदि को कभी न रोकें। इनके रोकने से गंभीर रोग हो सकते हैं। भूख लगने पर खाना जरूर खाएं। सुबह खाली पेट पानी जरूर पीएं। यह हमें बहुत सारी बीमारियों से दूर रखता है।
- जितना हो सके तनाव, चिंता और ज्यादा सोच-विचार से दूर रहें। संपूर्ण नींद लें।

जानें क्या है अकिलीज टेन्डिनोपैथी

एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। चलिए अकिलीज टेन्डिनोपैथी या स्नायुजाल के दर्द के बारे में विस्तार से जानें।

कई तरह के दर्द

अकिलीज टेन्डिनोपैथी आमतौर पर अकिलीज टेंडिनाइटिस या स्नायुजाल की समस्या नाम से भी जानी जाती है। एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षणों में एड़ी के ऊपर वाले संयोजी ऊतकों में साधारण से तेज दर्द होता है। हर व्यक्ति में इस दर्द के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं।

किसको अधिक होती है यह समस्या

अकिलीज टेंडन का दर्द का सामना उन लोगों को ज्यादा करना पड़ता है, जो स्नायुजाल का अधिक उपयोग करते हैं, मसलन उछलने, कूदने या दौड़ने आदि गतिविधियां अधिक करते हैं, जैसे कि एथिलीट या कोई अन्य खिलाड़ी। आमतौर पर अचानक से बहुत ज्यादा पैरों की गतिविधि वाला कार्य करना शुरू करने वाले 30 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में ये अधिक देखने को मिलता है।

अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण

अकिलीज टेंडन अर्थात स्नायुजाल की समस्या के लक्षणों को अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण और अकिलीज टेंडन रप्चर को दो वर्गों में बांटा कर समझा जा सकता हैं। इनके लक्षणों में निम्न शामिल होते हैं।

- एड़ी की पीछे, स्नायुजाल वाले भाग में सूजन या बिना सूजन के दर्द (हल्का व तेजह्य दोनों हो सकता है) होना।
- सुबह के समय स्नायुजाल क्षेत्र में चिपचिपापन होना।
- एड़ी में जोड़ में अकड़न होना।
- पैरों को हिलाने-डुलाने में दिक्कत महसूस होना या पैर का बार-बार शिथिल हो जाना।

अकिलीज टेंडन रप्चर के लक्षण

अकिलीज टेंडन रप्चर में अचानक तेज दर्द (मानो टेंडन पर बहुत जोर से चोट लगी हो) होता है। जब टेंडन में रप्चर होता है तो रेप्चर वाले स्थान पर उभार जैसा आ जाता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में सूजन होना और सूजन वाली जगह का रंग नीला हो जाना, एडी में तीव्र दर्द होना तथा पैर में इतना दर्द कि पैर को नीचे भी न रखा जाए आदि शामिल होते हैं। अगर स्नायुजाल में मामूली चोट लगी हो तो व्यक्ति चल-फिर सकता है और ऐसे में दर्द भी कम होता है।

रेसिपी

सब्जी का सालन

सामग्री

1 1/2 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जिया, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप ताज़े टमाटर का पल्प, 3/4 कप फेंटा हुआ दही,1/2 कप नारीयल का दूध, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **पीसकर सूखा पाउडर बनाने के लिए**: 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 3 इलायची, 1/2 टी-स्पून जायफल पाउडर

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज़ के पार्दर्शी होने तक भुन लें। हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर कुछ सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भुनें। प्याज़ को जलने से बचाने के लिए थोड़ा पानी छिड़कें। टमाटर का पल्प और दही डालकर अच्छी तरह मिलाए और लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। मिली-जुली सब्जियां और नारीयल का दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। ढ़ककर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाऐं। सूखा पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए और 1 मिनट तक पकाऐं। गरमा गरम परोसें।

चीज़ कॉर्न बॉल्स रैप

सामग्री

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: 2 स्पून मक्खन, 2 1/2 स्पून मैदा, 1/2 कप दुध, 3/4 कप क्रश किए मकई के दानें, 2 स्पून हरी मिर्च, 1/3 कप चीज, नमक स्वादानुसार, **सालसा के लिए**: 2 स्पून तेल, 2 स्पून लहसुन पेस्ट, 2 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 कप हरी प्याज के सफेद भाग, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 कप कटे टमाटर, 1/2 स्पून विनेगर, 1/2 स्पून ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, 4 रोटी, 2 कप कटा हुआ लैट्यूस, 8 स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स

विधि

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्ख़न गरम करें और आटा डालकर एक मिनट तक पका लें। दुध डालकर, धीमी आंच पर, मिश्रण के गाढ़ा होने तक और पैन के किनारों से अलग होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। क्रश की हुई मकई, हरी मिर्च, चीज़ और नमक को गाढ़े दुध में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 12 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को गोल बॉल बना लें। प्रत्येक बॉल को ब्रेड क्रम्बस् में रखकर सभी तरफ से लपेट लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, और बॉल्स् को मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर एक तरफ रख दें। **पके हुए सालसा के लिए**: गहरे पैन में तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च का पेस्ट, हरी प्याज़ के सफेद भाग और शिमला मिर्च डालकर, प्याज़ के पार्दर्शी होने तक मध्यम आँच पर भुन लें। टमाटर, विनेगर, ऑरेगानो और नमक डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी**: रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और बीच में 1/2 कप लैट्यूस रखें। ऊपर 3 चीज़ बॉल्स् रखें। पके हुए सालसा का 1/4 भाग और 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स् छिड़कें और अच्छी तरह रोल कर बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और रैप बनाएं। प्रत्येक रैप पर टीशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें।

संपादकीय

अधिकारों की निशानदेही

अपने अधिकारों की निशानदेही करते हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने प्राकृतिक आर्थिकी के महत्त्व को पुनः रेखांकित किया है। मौसम बरसात का था, तो तपोवन का विधानसभा परिसर बता रहा था कि पर्वत के आकाश पर कितनी बड़ी छतरी होती है, जो देश के आंचल को बचा सकती है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन की नींव पर हिमाचल दरअसल पर्वतीय एहसास करा रहा है। जितनी जरूरी हैं पर्यावरण संरक्षण की नीतियां, उतनी ही जरूरी हैं पर्वतीय राज्यों के लिए अलग नीतियां। पर्वतीय राज्य हर सूरत और सीरत में पर्यावरण राज्य हैं। हिमालय के सारे वरदान देश को मिलते हैं, तो सिसकियां क्यों अकेली इनके नाम छोड़ दी जातीं। अभी बरसात के आगमन के आरंभिक दौर ने ही हिमाचल की संपत्तियों को लूट लिया, तो आपदा के अनुमान का राष्ट्रीय गणित ईमानदार होना चाहिए। एक हफ्ते ने हजार करोड़ की चपत नहीं लगाई, बल्कि जीवन की हर उमंग को रोक दिया। प्रदेश की रफ्तार घर से सरकार तक रुकती है, तो इन घावों पर मरहम की दरकार रहती है। यह उस इंतजार का प्रतिफल है जो ग्रीष्म काल में मैदानी मिट्टी का सीना सुखा देता है, जल संकट से देश के अस्सी फीसदी भाग को मुर्झा देता है, कई राज्यों के बीच तनाव बढ़ जाते हैं और तब एक पुकार 'अल्लाह मेघ दे-पानी दे' की होने लगती है, लेकिन जब बरसात आती है तो पहाड़ की कीमत व दौलत भुला दी जाती है। पानी की कीमत अंतरराष्ट्रीय राजनय के बल सीधे कर सकती है, तो घरेलू मसलों को क्यों नहीं। जल को संसाधन मानने के लिए सर्वप्रथम उन मसलों को देख लें, जहां कई प्रदेश सरकारें माननीय सर्वोच्च न्यायालय की फाइलों में माथा रगड़ रही हैं। पंजाब-हरियाणा व दक्षिण भारत के कई राज्यों के बीच जल बंटवारों का निष्पादन अगर 'संपत्ति के हक' की तरह है, तो सर्वप्रथम यह हिमालय का हक है, हिमालय को बचाने वाले राज्यों का अधिकार है। भले ही हिमाचल की लोकसभा में चार सीटें हैं, लेकिन पूरे हिमालयी राज्यों की चालीस से 42 संसदीय सीटों के पर्वतीय सरोकार एक जैसे हैं। ऐसे में अगर हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरणीय वजूद जिंदा रखते हुए आर्थिक व विकासात्मक संरचना का उत्थान करना है, तो केंद्र में एक स्वतंत्र 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' के गठन की जरूरत है। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पंजाब के कंडी क्षेत्र व पश्चिमी बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, रिम्बिक, कुर्सियांग व संदकफू जैसे इलाकों का विकास भी मैदानी शर्तों पर नहीं हो सकता। दूसरी ओर भले ही कश्मीर और पूर्वोत्तर की अशांति को ढांपने के लिए केंद्र की आर्थिक मदद काम कर जाए, लेकिन पूरे हिमालय क्षेत्र को न्याय देने के लिए 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' की स्थापना वक्त की जरूरत है। अतीत में प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल में हिमालयी राज्यों की सांस्कृतिक, आर्थिक व सामाजिक पृष्ठभूमि के सूत्र जोड़ते हुए चकमोह कालेज में एक प्रभावशाली समारोह हुआ था, कमोबेश उसी भावना के उद्गार तपोवन परिसर में प्रदेश के मुख्यमंत्री को उद्वेलित करते हैं। शांता कुमार के जिस मांग पत्र व प्रयास से मुफ्त बिजली की रायल्टी से हिमाचल आगे बढ़ा, उस एहसास की पुनरावृत्ति अब जल संपत्ति में राज्य के स्वाभिमान को खड़ा कर रही है। इसी संदर्भ में तपोवन की भूमिका ने पहाड़ी राज्यों की पहचान का परचम ऊंचा किया है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन का आयोजन करवाकर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने तपोवन परिसर की प्रासंगिकता बढ़ा दी है। लोकतांत्रिक परंपराओं के आंचल की तरह इस परिसर ने ये लम्हे समेटे हैं। जाहिर तौर पर आगे प्रयास होंगे तो तपोवन परिसर की गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर के ऐसे ही कुछ अन्य व विधायकों के प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का संचालन भी शुरू हो पाएगा।

पर्वतीय राज्य हर सूरत और सीरत में पर्यावरण राज्य हैं। हिमालय के सारे वरदान देश को मिलते हैं, तो सिसकियां क्यों अकेली इनके नाम छोड़ दी जातीं। अभी बरसात के आगमन के आरंभिक दौर ने ही हिमाचल की संपत्तियों को लूट लिया, तो आपदा के अनुमान का राष्ट्रीय गणित ईमानदार होना चाहिए। एक हफ्ते ने हजार करोड़ की चपत नहीं लगाई, बल्कि जीवन की हर उमंग को रोक दिया। प्रदेश की रफ्तार घर से सरकार तक रुकती है, तो इन घावों पर मरहम की दरकार रहती है। यह उस इंतजार का प्रतिफल है जो ग्रीष्म काल में मैदानी मिट्टी का सीना सुखा देता है, जल संकट से देश के अस्सी फीसदी भाग को मुर्झा देता है, कई राज्यों के बीच तनाव बढ़ जाते हैं और तब एक पुकार 'अल्लाह मेघ दे-पानी दे' की होने लगती है, लेकिन जब बरसात आती है तो पहाड़ की कीमत व दौलत भुला दी जाती है। पानी की कीमत अंतरराष्ट्रीय राजनय के बल सीधे कर सकती है, तो घरेलू मसलों को क्यों नहीं। जल को संसाधन मानने के लिए सर्वप्रथम उन मसलों को देख लें, जहां कई प्रदेश सरकारें माननीय सर्वोच्च न्यायालय की फाइलों में माथा रगड़ रही हैं। पंजाब-हरियाणा व दक्षिण भारत के कई राज्यों के बीच जल बंटवारों का निष्पादन अगर 'संपत्ति के हक' की तरह है, तो सर्वप्रथम यह हिमालय का हक है, हिमालय को बचाने वाले राज्यों का अधिकार है। भले ही हिमाचल की लोकसभा में चार सीटें हैं, लेकिन पूरे हिमालयी राज्यों की चालीस से 42 संसदीय सीटों के पर्वतीय सरोकार एक जैसे हैं।

लॉबिंग को घूसखोरी या फिक्सिंग कहना भ्रामक है

भारत में भी लॉबिंग को कानूनी शक्ल देना जरूरी

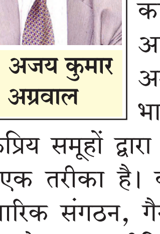

डॉ. अजय कुमार अग्रवाल

हाल के दिनों में लॉबिंग और लॉबिस्ट शब्द खूब चर्चा में रहा। कहीं इसे वैधानिक मान्यता प्राप्त है तो कहीं यह सांकेतिक तौर पर काम करता है। जैसे अमेरिका और भारत में। अमेरिका में वैधानिक है और भारत में सांकेतिक। लॉबिंग, लोकप्रिय समूहों द्वारा सरकार पर प्रभाव डालने का एक तरीका है। कई लॉबिंग समूह हैं जो व्यापारिक संगठन, गैर सरकारी संगठन, थिंक टैंक और अन्य नीति-निर्धारकों और नीति-क्रियान्वयन पर प्रभाव डालते हैं। लॉबिंग को कभी-कभी रिश्वतखोरी या फिक्सर जैसे शब्दों के साथ भ्रमित किया जाता है, लेकिन यह वैसा नहीं है। यह अक्सर संगठनों द्वारा सरकार पर सार्वजनिक नीति निर्णयों को बदलने या संशोधित करने के लिए दबाव डालने के लिए चलाया जाने वाला सार्वजनिक अभियान होता है।

अमेरिका और यूरोप में लॉबिंग को कानूनी शक्ल दे दिया गया है यानि इसे वैधानिक बना दिया गया है। भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है जो लॉबिंग को वैधानिक बनाता हो। भारत का लॉबिंग परोक्ष और सांकेतिक तौर पर चलता है, लेकिन भारत में भी यह उद्योग बहुत बड़ा है और इसका सार्वजनिक नीतियों पर काफी प्रभाव पड़ता है। लॉबिंग को कानूनी शक्ल में लाना भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इससे लॉबिंग समूहों के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। भारत में लॉबिंग के लिए कोई कानून नहीं है, लेकिन हम इसे अवैध भी नहीं कह सकते, क्योंकि कानून इस मुद्दे पर चुप है। यदि कोई विशेष समूह व्यापक भलाई के लिए सामाजिक अभियान के माध्यम से सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने का प्रयास करता है, तो इसे अवैध नहीं कहा जा सकता है, बशर्ते कि वह समूह कानून का उल्लंघन न कर रहा हो।

भारत में लॉबिंग को वैध ठहराने वाले कोई कानून नहीं हैं। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि भारत में लॉबिंग नहीं होती। भारत में भी कई संगठन और व्यावसायिक समूह लॉबिंग के ज़रिए सार्वजनिक नीति और कानून को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। लॉबिंग को लंबे समय से व्यवसायों, निगमों और अन्य हित समूहों द्वारा सरकार के साथ संवाद करने के तरीके के रूप में देखा जाता रहा है। एसोचैम (एसोसिएटेड चैंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया) और फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडिया चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) जैसी संस्थाएं दशकों से सदस्यों को महत्वपूर्ण निर्णयों और नीतिगत चिंताओं को प्रभावित करके मदद करने के लिए काम कर रही हैं। इन समूहों का भारत की नीतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है। सरकारी एजेंसियों के पेशेवर इन बैठकों में प्रस्तावित नीति को अपनाने के लिए तर्क देते हैं और यह कैसे लोगों के व्यापक समूह को लाभ पहुंचाता है, जो गुप्त रूप से आयोजित नहीं की जाती हैं। सरकार को इससे लाभ होता है क्योंकि लॉबिस्ट जनता की राय के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

भारत में लॉबिंग की परिभाषा के बारे में विनियमन की कमी के कारण कई विदेशी और घरेलू निगम वर्तमान में कारपोरेट लॉबिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं। यह लॉबिंग की परिभाषा की स्पष्ट कमी का एक हानिकारक दुष्प्रभाव है। यही वजह है कि पारदर्शी कानूनी ढांचे की कमी के कारण देश में लॉबिंग को अनैतिक माना जाता है। भारत में यह धारणा है कि लॉबिंग रिश्वत देने के समान है या यह अनैतिक है। देश में कानूनी विनियमन की कमी लॉबिंग के अनैतिक या अनैतिक होने का भ्रम देती है। भारत में लॉबिंग के लिए अलग कानून की आवश्यकता है ताकि इसकी वैधता के बारे में किसी भी संदेह को दूर किया जा सके। इससे उद्योग जगत जनता के प्रति अधिक खुला और जवाबदेह बन जाएगा। लॉबिंग के वैधानीकरण से पश्चिमी नियमों की तरह लॉबिंग गतिविधियों में इन एजेंसियों द्वारा किए गए सभी निवेशों और व्ययों का खुलासा हो सकता है।

दुनिया भर के कई देशों में लॉबिंग कई रूपों में मौजूद है, लेकिन यह राज्य की सावधानीपूर्वक विधायी प्रक्रिया को होने वाले नुकसान के बावजूद ज्यादातर अप्रतिबंधित है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में ऐसे देश हैं जहां लॉबिंग को कानून द्वारा सख्ती से विनियमित और वैध किया जाता है, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका और ताइवान। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे अन्य देशों ने भी लॉबिंग को वैध बना दिया है, जबकि इजराइल, पोलैंड, हंगरी, स्लोवेनिया और लिथुआनिया जैसे देशों ने ऐसा नहीं किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े और सबसे जीवंत लॉबिंग समुदायों में से एक है, क्योंकि नीति निर्माण और वकालत की समस्याओं को प्रभावित करने के लिए समर्पित एक अलग क्षेत्र मौजूद है। अमेरिकी संविधान आम लोगों को उन मुद्दों और मांगों के लिए लॉबिंग में शामिल होने के अधिकार को मान्यता देता है। इस वजह से, कई सार्वजनिक लॉबिस्टों ने नागरिकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाया है, और आम लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों को सुधारने के लिए लॉबिंग का उपयोग करने की भावना है।

एक जीवंत लोकतंत्र में, लॉबिंग विधायी प्रक्रिया को बेहतर बना सकती है। यह सरकार को शोध और मूल्यवान विशेषज्ञता के साथ-साथ जनमत पर महत्वपूर्ण इनपुट और अंतरदृष्टि प्रदान कर सकती है। लॉबिंग के लिए एक विधायी ढांचे की स्पष्ट आवश्यकता है जो भारत में कई मसलों और समस्याओं को बेहतर बनाने में कारगर हो सकता है। लोकतांत्रिक अमेरिका में लॉबिंग एक बड़ा उद्योग बन गया है। लॉबिस्ट शब्द का उपयोग प्रायः दबाव-समूह के रूप में किया जाता है, जिसका अंतिम उद्देश्य कांग्रेस, राज्य और स्थानीय विधायिकाओं या सरकारी प्रशासनिक एजेंसियों के निर्णयों को प्रभावित करना होता है। लॉबिंग 1955 तक गुप्त तौर पर संचालित होती थी, लेकिन अब एक बड़ा व्यवसाय बन गई है। अमेरिका में चार प्रमुख लॉबी सक्रिय हैं, जो इतनी शक्तिशाली हैं कि वे अमेरिकी कांग्रेस के निर्णयों और कानूनों को अपनी इच्छानुसार करते रहते हैं। अमेरिका में रोड्स लॉबी, टोबैको लॉबी, गन्स लॉबी और केमिकल कार्टेल लॉबी प्रमुख लॉबी हैं।

भारत लॉबिंग के क्षेत्र में तुलनात्मक रूप से नया है। यहां लॉबिंग को दबाव समूहों या विशेष हित समूहों द्वारा अपनी बात कहने के लिए जाना जाता है। ट्रेड यूनियन जैसे समूह, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईएल), एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम), किसान सहकारी समितियां और एसोसिएशन जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटीज, इंडियन एडवरटाइजर्स एसोसिएशन वगैरह अपने हितों को लेकर लॉबिंग करते हैं। इसी तरह देश में कई धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन संचालित होते हैं, जिसमें से कुछ एनजीओ के रूप में भी जाने जाते हैं। इनका नेतृत्व आम तौर पर राजनीतिक व्यक्तित्व द्वारा किया जाता है, जो अपने समूहों के हितों को साधने के साथ किसी पार्टी के लिए जनता का समर्थन जुटाने के लिए पर्दे के पीछे काम करते हैं, विशेषकर जब देश में चुनाव होते हैं।

देश दुनिया से

दलाईलामा के पुनर्जन्म का मामला और चीन

तिब्बत तिब्बत के चौदहवें दलाईलामा तेनजिंग ग्याछो ने अपनी आयु के नब्बे साल पूरे कर लिए हैं। वे तिब्बत के आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं और राजधर्म के हिसाब से तिब्बत के वास्तविक शासक भी हैं। लेकिन चीन के गृहयुद्ध में जीत जाने के बाद कम्युनिस्ट पार्टी ने तिब्बत को स्वतंत्र देश मानने की बजाय उसे चीन का ही हिस्सा कहना शुरू कर दिया था। स्वाभाविक ही तिब्बत ने इसका विरोध किया। लेकिन चीन ने तिब्बत को दो विकल्प दिए थे। पहला आत्मसमर्पण का था। आत्मसमर्पण यानी तिब्बत सरकार खुद ही घोषणा कर दे कि तिब्बत चीन का हिस्सा है, जिसे यूरोप की साम्राज्यवादी ताकतों ने मातृभूमि चीन से दूर कर रखा था। दूसरा विकल्प युद्ध का ही था। लेकिन तिब्बत इतने बड़े चीन से लड़ भी नहीं सकता था। आत्म समर्पण का प्रश्न ही नहीं था और चीन से लडने की क्षमता नहीं थी, ऐसी हालत में उसने अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत की ओर देखा। लेकिन दुर्भाग्य से भारत ने तिब्बत की ओर नहीं देखा। भारत द्वारा उस समय तिब्बत की ओर न देखने का भारत और तिब्बत दोनों को ही बहुत नुकसान उठाना पड़ा। तिब्बत की आजादी गई। चीन ने तिब्बत पर कब्जा कर लिया और 1959 में दलाईलामा को भाग कर भारत आना पड़ा। उनके साथ लगभग एक लाख तिब्बती शरणार्थी भी भारत पहुंचे। यह तो तिब्बत का नुकसान था। जहां तक भारत का सवाल है, चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर भी अपना दावा कर दिया। 1962 में चीन ने भारत पर हमला कर दिया। भारत के कुछ भू-भाग पर कब्जा भी कर लिया और सदा के लिए भारत के शांत सीमांत को अशांत कर दिया। भारत ने दलाईलामा को जब शरण दी तब उनकी आयु पच्चीस साल के लगभग थी। उन्होंने धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन का सचिवालय स्थापित किया। निर्वासित तिब्बती सरकार में चुनाव का प्रावधान किया। तिब्बती संविधान बनाया गया। तिब्बती संसद का भवन बना। विभिन्न मंत्रालय स्थापित हुए। भारत सरकार ने शरणार्थी तिब्बती नागरिकों को दस्तावेज मुहैया करवाए जिन पर वे तिब्बत के नागरिक के रूप में वीजा

लेकर दूसरे देशों की यात्रा कर सकते थे। दूसरे देशों में दूतावास स्थापित किए। नरेन्द्र मोदी ने जब 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी तो पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्री भी निमंत्रित किए गए थे। उनमें निर्वासित तिब्बत सरकार के प्रधानमंत्री भी थे। लेकिन यह सारी व्यवस्था की अनुमति भारत सरकार ने दलाईलामा के प्रशासन को मुहैया करवाई है। आधिकारिक रूप से भारत सरकार तिब्बत की निर्वासित सरकार को मान्यता नहीं देती। यह दलाई लामा का प्रशासन है और दलाई लामा भारत के सम्मानित अतिथि हैं, इसलिए सरकार ने उन्हें अपना प्रशासन स्थापित करने और चलाने की अनुमति दी है। लेकिन अब दो समस्याएं सामने दिखाई देने लगी हैं। चौदहवें दलाई लामा के बाद क्या? जाहिर है यह चिंता वर्तमान दलाईलामा की आयु के कारण ही दिखाई देने लगी है। क्या दलाई लामा के निधन के बाद यह संस्था समाप्त हो जाएगी? यह बहस पिछले कुछ सालों से चल रही है। दलाई लामा कई बार कह चुके हैं कि इस संस्था के भविष्य का निर्णय तिब्बत के लोग ही करेंगे। अपने 90वें जन्म दिन के अवसर पर दलाई लामा ने इस बहस का अंत कर दिया है। उन्होंने कहा मैं पिछले चौदह साल से इस बहस में चुप ही रहा। लेकिन इतने साल मुझे हजारों तिब्बतियों, लामाओं ने इस संस्था को जारी रखने का निर्णय किया है। संस्था को जारी रखने का अर्थ है कि दलाई लामा अपने निधन के बाद पुनः जन्म लेंगे। दलाई लामा महात्मा बुद्ध के करुणा स्वरूप के अवतार माने जाते हैं। उन्हें विष्णु का अवतार भी माना जाता है। दलाई लामा बोधिसत्व हैं। बोधिसत्व से अभिप्राय है कि वर्तमान दलाईलामा का निर्वाण होगा, यानी जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन बोधिसत्व पुनः जन्म लेता है क्योंकि उसे इस मृत्युलोक में रह गए शेष लोगों को भी मुक्ति का मार्ग दिखाना है। जाहिर है जब तक तिब्बत ही गुलाम है तब तक दलाई लामा अपने निर्वाण से ही कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? इसलिए दलाईलामा ने स्पष्ट कर दिया है कि यह संस्था जारी रहेगी जिसका अर्थ है कि वर्तमान दलाईलामा पुनर्जन्म लेंगे। जाहिर है चीन के लिए यह सूचना सुखद नहीं है। दूसरी समस्या थोड़ी और गुंझलदार है। पुनर्जन्म में दलाईलामा पहचाने कैसे जाएंगे? सामान्य उत्तर तो यही है कि जिस विधि से आज तक के चौदह दलाईलामाओं के पुनर्जन्म की पहचान होती रही है, उसी पद्धति से ही पंद्रहवें दलाईलामा की पहचान होगी। यह ठीक है कि दलाई लामा के नए अवतार को पहचानने की एक पूरी विधि तिब्बत में शताब्दियों से प्रचलित है। अपने अगले जन्म के कुछ संकेत तो पूर्ववर्ती दलाईलामा स्वयं दे जाते हैं। शेष पद्धति निश्चित है। लेकिन इस बार संकट के कारण कुछ दूसरे हैं। चीन ने 2007 में स्पष्ट कर दिया था कि नए दलाई लामा की पहचान करने का अंतिम अधिकार चीन सरकार के पास ही है। नए दलाई लामा के अवतार ग्रहण करने पर अव्वल तो उसकी पहचान ही चीन सरकार करेगी, लेकिन यदि तिब्बत के लामा अपनी प्राचीन प्रचलित पद्धति से पहचान कर भी लेते हैं तो उसको मान्यता देने का अधिकार तो चीन के पास ही है। चीन इसे स्वर्ण घट पद्धति कहता है। सोने के घड़े में नाम डाल कर जिसकी पर्ची निकल आए, उसके पक्ष में निर्णय करना। वैसे आश्चर्य इस बात का भी है कि आत्मा, परमात्मा, पुनर्जन्म इत्यादि अवधारणाओं को सिरे से नकारने वाला चीन अध्यात्म के इस धार्मिक मामले का भी नियंत्रण करना चाहता है। ऐसा हादसा इससे पहले पंचेन लामा के बारे में हो चुका है। दसवें पंचेन लामा के देहांत के बाद उनके अवतार ग्याहरवें पंचेन लामा की पहचान की पद्धति में अंतिम निर्णय दलाईलामा का ही होता है। 1995 में दलाईलामा ने तिब्बत में ही अवतार लिए एक छह वर्षीय बच्चे की पहचान 11वें पंचेन लामा के रूप में की। चीन सरकार ने उसे पूरे परिवार समेत कैद कर लिया और उसे गायब कर दिया था। इसके स्थान पर चीन सरकार ने एक दूसरे बच्चे को अवतार घोषित कर दिया।

आप का नजरिया

आर्थिकी-रोजगार बढ़ा रहा सहकारिता क्षेत्र

वर्ष 2024 में भारत के सहकारी क्षेत्र ने दुनिया में धूम मचा दी और उसके दो सहकारी संगठनों को पहले और दूसरे पायदान पर रखा गया। ये हैं इफको और जीसीएमएमएफ जिसका अमूल ब्रांड सारे देश में जाना जाता है। इन दोनों ने अपने कामकाज और टर्नओवर से सारी दुनिया में अपना डंका बजवाया। इफको, जिसका पूरा नाम इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड है, विश्व की सबसे बड़ी उर्वरक सहकारिता संस्था है। यह किसानों को सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए 1967 में स्थापित की गई थी। इफको मुख्य रूप से उर्वरकों के उत्पादन और विपणन में संलग्न है और इसकी 5 प्रमुख इकाइयां भारत में स्थित हैं। भारत के सहकारी परिदृश्य में इनका स्थान रोजगार, उत्पादन और कारोबार के लिहाज से अद्वितीय है। सिर्फ ये ही नहीं, भारत में हजारों सहकारी संस्थाएं हैं जो जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं तथा आमजन के सशक्तिकरण में हाथ बंटा रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी सहकारी संस्थाएं महिलाओं और सीमांत किसानों के आर्थिक विकास में बड़ा काम कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में लाखों किसान इन सहकारी संस्थाओं से जुडक़र साहूकारों के कर्ज के जाल से निकलने में सफल हुए। इनसे महिलाओं को इतनी कमाई हुई कि आज देश में 1.15 करोड़ लखपति दीदियां हैं। जाहिर है कि हमारी सहकारी संस्थाएं आर्थिक समृद्धि के सेतु बन गई हैं। सहकारी संस्थाओं से ऋण लेकर करोड़ों लोग अपना काम कर रहे हैं और सफल भी हो रहे हैं। इनकी व्यापक उपस्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश में 8.5 लाख सहकारी संस्थाएं हैं और उनके 29 करोड़ सदस्य हैं। 2019 के पहले देश में सहकारी संस्थाएं पूरी तरह से राज्यों के हाथ में थीं और तमाम तरह की समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्हें कई तरह के नियम-कानूनों का सामना करना पड़ता था। उनकी देखरेख का काम कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के पास बंटे हुए थे। इससे हमेशा विलंब होता था और कई तरह के विवाद भी उठ खड़े होते थे। प्रशासन में कई तरह की अड़चनें सामने आती थीं। हर राज्य अपने तरीके से इन्हें चलाने की कोशिश करता था। इन बाधाओं को दूर करने के लिए ही मोदी सरकार ने 2021 में सहकारिता मंत्रालय को सृजित किया। यह गृह मंत्री अमित शाह के पास पूरी तरह से कर दिया गया। सहकारिता मंत्रालय सृजित करने के पीछे पीएम मोदी के मिशन 'सहकार से समृद्धि' की मूल भावना थी। इसके तहत छोटी-छोटी सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना, सहकारिता पर आधारित एक अर्थव्यवस्था खड़ी करना, आर्थिक सुधारों को लागू करना और ट्रेनिंग वगैरह की व्यवस्था करना शामिल है। राष्ट्रीय स्तर के सहकारी संगठनों को और भी मजबूत करना सहकारिता मंत्रालय के ही कार्य हैं। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इन संस्थाओं को पूरी तरह से मॉडर्न बनाने तथा डिजिटाइज करने की दिशा में महती कदम उठाया और इसके परिणाम भी देखने में आने लगे हैं। देश भर में प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसायटियों के कंप्यूटराइजेशन पर 2516 करोड़ रुपए खर्च किए गए जिससे 43658 कंप्यूटरों तथा उपयुक्त सॉफ्टवेयर पूरी तरह से लैस हैं। सहकारिता मंत्रालय ने 8 लाख ऐसी कोऑपरेटिव सोसायटियों के 30 करोड़ सदस्यों का डेटा तैयार कर रखा है जिससे उनसे सीधे जुडऩा संभव है। 43000 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटियों को कॉमन सर्विस सेंटर में बदला जा चुका है जिनसे ग्रामीणों तथा आदिवासियों को सरकार की 300 स्कीमों की हाथों-हाथ जानकारी मिल सके और उनका फायदा हो। इन सभी की सफलता देखते हुए सरकार ने दो लाख नए प्राइमरी एग्रीकल्चर सर्विस सेंटर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है ताकि हर पंचायत में इनकी पहुंच हो। ऋण वितरण को भी बड़े पैमाने पर बढ़ाया गया है और यह 128000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 2021 में यह राशि महज 25000 करोड़ रुपए थी। अब किसानों के लिए ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध हो जाने से और उस तक किसानों की पहुंच हो जाने से सूदखोर साहूकारों से छुटकारा मिलने लग गया। अब किसानों को ऋण के लिए यहां-वहां दौडऩा नहीं पड़ता है और उन्हें अपनी पंचायत में ही जरूरी कागजात जमा करने होते हैं और उसके बाद उन्हें ऋण मिल जाता है। इसमें पूरी पारदर्शिता होती है क्योंकि भुगतान डिजिटल मोड में होता है। इस तरह के ऋण में किसी तरह की छुपी हुई रकम नहीं होती है। बड़ी तादाद में किसान इसका फायदा उठा रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहकारिता का बड़ा हाथ है। इन्हें बिना भागदौड़ और बिचौलियों के अब ऋण मिल जाता है जिसका वे छोटे-छोटे उपक्रमों में इस्तेमाल करती हैं और साल भर में लाख सवा लाख रुपए आसानी से कमा लेती हैं। देश भर में जो कृषि ऋण बंटता है, उसका 20 फीसदी सहकारी संस्थाओं के जरिये जाता है।

कुछ अलग

अपने शरीर की सुनें

एक हैं मिस्टर एक्स। दफ्तर के बाहर अक्सर टकरा जाते हैं। जब भी मिलते हैं किसी न किसी मसले पर किसी न किसी को कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। उन्हें हर किसी से शिकायत रहती है। उनके साथ थोड़ा ज्यादा वक्त बिता लें तो लगेगा कि दुनिया में कुछ भी सही नहीं है। इस बार मिले तो अचानक गिरकर होने वाली मौत पर अपना गुस्सा जताने लगे। कर्नाटक के हासन ज़िले का उदाहरण देते हुए बोले, देखिए कोविड का टीका कैसे लोगों की जान ले रहा है। वहां एक महीने में 20 से अधिक लोगों की कार्डिएक अरेस्ट यानी दिल की धड़कन अचानक रुकने से मौत हो गई, जिनमें अधिकांश युवा हैं।

दृष्टि कोण

प्रशिक्षकों के साथ अन्याय क्यों?

दशकों से हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों से अन्याय हो रहा है। कहते हैं प्रशिक्षक कैडर के भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार कर लिया है, मगर अभी तक जूनियर प्रशिक्षक का स्केल और काम जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी का लिया जा रहा है। इस विषय पर इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को चेताया है कि राज्य में प्रशिक्षकों का स्तर ऊंचा किए बिना खेलों में उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है, तो उसके पीछे जहां उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी

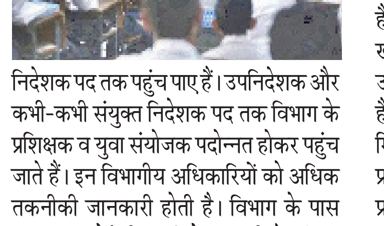

निदेशक पद तक पहुंच पाए हैं। उपनिदेशक और कभी-कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। विभाग के पास आजकल कोई भी उप निदेशक नहीं है, हां इस समय संयुक्त निदेशक के पद पर एक प्रसाशनिक अधिकारी की नियुक्ति है। आजकल हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चार ही जिलों में थे, पिछले साल कुछ नियुक्तियां हुई हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए। लगता है कि सरकार के लिए युवा शक्ति व खेल प्राथमिकता पर नहीं हैं। विभाग में नाममात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं, उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्त होने तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाए हैं। विभाग में नियुक्त प्रशिक्षकों को जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। सेवा नियमों में एक समय एमपीएड के साथ कंडैंस कोर्स, जो छह माह का होता था, उसे पास किया हुआ प्रशिक्षक के पद के लिए योग्य था, मगर अब ऐसा कोई नियम नहीं है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नत कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए। क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है। अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है।

तेहरान–वाशिंगटन परमाणु वार्ता पर ट्रंप के दावे को ईरान ने खारिज किया

तेहरान, 08 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की परमाणु वार्ता की उम्मीद पर यह कहकर पानी फेर दिया कि वाशिंगटन से इसके लिए किसी भी प्रकार का निमंत्रण नहीं मिला है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि अमेरिका से बैठक के लिए अब तक कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे में बातचीत की बात का दावा निराधार है। खबर के अनुसार, ईरान ने सीधे–सीधे तेहरान और वाशिंगटन के बीच परमाणु वार्ता के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के किए गए दावों को खारिज कर दिया है।

वरिष्ठ ईरानी राजनयिक इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान ने अमेरिकी पक्ष से बैठक के लिए कोई अनुरोध नहीं किया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात दावा किया था कि अमेरिका–ईरान परमाणु वार्ता फिर से तय कार्यक्रम पर होगी। यह बैठक नॉर्वे के ओस्लो में होगी।

ट्रंप ने कहा था कि वह बातचीत करना चाहते हैं। इस्माइल ने कहा है कि इजराइल ने 13 जून को ईरान के खिलाफ आक्रामक युद्ध छेड़ा और 12 दिन तक सैन्य, परमाणु और आवासीय क्षेत्रों पर हमला किया। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के नतांज, फ़ोर्डो और इस्फहान में तीन परमाणु स्थलों पर सैन्य हमले किए। उन्होंने कहा कि ईरानी सैन्य बलों ने शक्तिशाली जवाबी हमले किए।

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरानी सशस्त्र बलों ने कतर में अल–उदीद एयर बेस पर मिसाइलों की बौछार की। 24 जून को लागू हुए युद्ध विराम की वजह से लड़ाई को रोक दिया गया है। इस बीच इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने कतर के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के सलाहकार खालिद बिन मोहम्मद अल अत्तियाह के साथ फोन कॉल में ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमलावरों की निंदा करने में कतर सरकार के मूल्यवान रुख के लिए आभार व्यक्त किया है। मौसवी ने कहा कि कतर उन देशों में से एक है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरी गाजा में बम विस्फोट, इजराइल के पांच सैनिक मारे गए

गाजा पट्टी। उत्तरी गाजा के बेत हनौन में सड़क किनारे हुए भीषण बम विस्फोट में इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के पांच सैनिक मारे गए और अन्य 14 घायल हो गए। यह विस्फोट सोमवार रात करीब 10 बजे हुआ। मारे गए सैनिकों में चार अल्ट्रा–ऑर्थोडॉक्स नेत्जाह येहुदा बटालियन में थे। खबर के अनुसार आईडीएफ ने कहा कि इस विस्फोट में स्टाफ सार्जेंट मीर शिमोन अमर (20), सार्जेंट मोशे निसिम फ्रेच (20) और स्टाफ सार्जेंट नोआम अहरोन मुसगादियन (20) की मौत हो गई। तीनों यरुशलम के रहने वाले हैं। इसके अलावा शेमेश के स्टाफ सार्जेंट मोशे शमूएल नोल और हाइफा के सार्जेंट प्रथम श्रेणी (सेवानिवृत्त) बेन्यामिन असुलिन (28) की भी मौत हो गई। आईडीएफ के अनुसार यह हमास आतंकवादियों की हरकत है। हताहतों को निकालते समय सेना पर गोलीबारी भी की गई। घायल 14 जवानों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। बम विस्फोट से पहले इस क्षेत्र में हवाई हमले की भी कोशिश की गई। इस बीच वाशिंगटन की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, यह बहुत ही कठिन सुबह है। समूचा इजराइल सैनिकों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करता है।

भगवान श्रीराम के जन्मस्थान को लेकर प्रधानमंत्री ओली ने फिर दिया विवादित बयान

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने एक बार फिर भगवान श्रीराम के जन्मस्थान को लेकर विवादित बयान दिया है। ओली का दावा है कि भगवान श्रीराम का जन्मस्थान नेपाल में ही है।

काठमांडू में एक कार्यक्रम में मंगलवार को प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भगवान श्रीराम के जन्मस्थान को लेकर नेपाल के बाकी नेता क्यों डरते हैं ओली ने फिर बयान दिया है कि भगवान श्रीराम का जन्मस्थान अयोध्या में नहीं, बल्कि नेपाल के चितवन जिला के ठोरी में ही हुआ था। उन्होंने कहा कि इस बात को पूरी दुनिया में प्रचारित करना चाहिए। कार्यक्रम में ओली ने कहा कि नेपाल के नेता भगवान श्रीराम के वास्तविक जन्मस्थान का प्रचार करने में क्यों डरते हैं किससे डरते हैं यह समझ में नहीं आता। ओली ने कहा कि कोई देश नाराज हो जाएगा, इसलिए इस बात को कहने में डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। ओली ने नेपाल के नेताओं से इस बात का खुल कर प्रचार करने को भी कहा।

बांग्लादेश पत्रकारों के लिए यातनागृह, 11 माह में 412 पर मुकदमा, 39 गिरफ्तार 168 की मान्यता रद्द

ढाका। ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी (डीआरयू) ने बांग्लादेश में पत्रकारों की स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। डीआरयू के पूर्व अध्यक्ष सैयद शुकुर अली शुवो समेत 51 पत्रकारों ने खुलासा किया है कि 11 महीने की अवधि में 412 पत्रकारों पर मुकदमा चलाया गया। इनमें से 39 को गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया। यही नहीं 168 की प्रेस मान्यता रद्द कर दी गई और 100 से अधिक लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, पत्रकारों ने सोमवार को जारी बयान में सत्ता प्रतिष्ठान की आलोचना करते हुए जेल में बंद पत्रकारों की रिहाई की मांग करते हुए मीडियाकर्मियों के खिलाफ जारी उत्पीड़न और धमकियों की निंदा की है। बयान में कहा गया है कि हाल के दिनों में मुल्क में पत्रकारों पर हत्या के आरोप, नौकरी से निकाले जाने, मीडिया आउटलेट्स पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं। निरंकुश भीड़ भी पत्रकारों की जान लेने में पीछे नहीं रही। बयान में अफसोस जताया गया है कि इन घटनाओं के लिए किसी भी व्यक्ति को जवाबदेह नहीं ठहराया गया है। बयान में विभिन्न मीडिया आउटलेट्स में प्रकाशित रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा गया है कि पिछले साल जुलाई से दिसंबर तक 10 पत्रकारों की हत्या हुई। 300 से अधिक पत्रकारों की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यही नहीं कई पत्रकारों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए और 101 मीडिया कर्मचारियों को राष्ट्रीय और स्थानीय प्रेस क्लबों से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

नेतन्याहू ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया, दोनों ने ईरान पर हमले का जश्न मनाया

वाशिंगटन, 08 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सोमवार रात यहां व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डिनर में मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने ईरान पर हमले का जश्न मनाया। व्हाइट हाउस में नेतन्याहू ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया किया है।

अमेरिकी न्यूज चैनल एबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, बेंजामिन नेतन्याहू ने डिनर से पहले पत्रकारों को संबोधित किया। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इस दौरान नेतन्याहू ने राष्ट्रपति के शांति और सुरक्षा के प्रयासों की सराहना की। साथ ही डिनर के दौरान ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार समिति को सौंपा गया पत्र भेंट किया।

नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप एक के बाद एक क्षेत्र में शांति स्थापित कर रहे हैं। इसलिए उनका नाम नोबेल पुरस्कार समिति को भेजा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप शांति पुरस्कार के हकदार हैं। शांति का नोबल ट्रंप को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच 60 दिन के युद्ध विराम के प्रस्तावित समझौते पर अभी काम चल रहा है।

ट्रंप ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह यूक्रेन को और हथियार भेजने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में डिनर के दौरान कहा कि यूक्रेन की रक्षा बहुत जरूरी है। उसे हथियार भेजने होंगे। इससे पहले दिन में प्रेस ब्रीफिंग में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी ऐसे ही संकेत दिए थे।

नेपाल में दाऊद का वजीर यूनुस खौफ में, जमानत मिली, कहा-नहीं जाना जेल से बाहर

काठमांडू। नेपाल में अंडर वर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम का वजीर यूनुस अंसारी खौफ में है। उसे आशंका है कि जेल से बाहर आने पर उस पर हमला हो सकता है। काठमांडू जिला अदालत ने गैर कानूनी रूप से संपत्ति अर्जित करने के मामले में अंसारी को 15 लाख रुपये के मुचलके पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। मगर उसने जेल से बाहर आने पर इनकार कर दिया है। नेपाल में जाली भारतीय करेंसी नेटवर्क केस में 7 साल जेल की सजा काट कर हाल ही में रिहा होने वाले अंसारी को पाकिस्तान से गैरकानूनी तरीके से 10 करोड़ रुपये नेपाल में लाने और एक टीवी चैनल में इन्वेस्ट करने के आरोप में उसे दोबारा हिरासत में लिया गया था। जिला अदालत ने उसे सोमवार को जमानत प्रदान की। केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो की जिला अदालत में दाखिल चार्जशीट में अंसारी पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करने, आईएसआई के इशारे में जाली भारतीय नोट का कारोबार करने और पाकिस्तान से 10 करोड़ रुपये अवैध तरीके से नेपाल लाने का आरोप लगाया है। ब्यूरो का कहना है कि अंसारी ने काली कमाई नेपाल के नेशनल टीवी न्यूज चैनल में इन्वेस्ट की है।

इस साल व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं की यह तीसरी मुलाकात है। नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में ईरान के खिलाफ हमलों के बारे में कहा, यह एक ऐतिहासिक जीत है। इसने मध्य पूर्व का चेहरा बदल दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि अब वह गाजा संघर्ष को जल्द ही समाप्त होते देखना चाहते हैं। वाशिंगटन में इजराइल के पूर्व राजदूत माइकल ओरेन ने कहा कि आने वाला समय बहुत सकारात्मक होगा। रविवार को वाशिंगटन के लिए रवाना होने से पहले नेतन्याहू ने तेल अवीव में कहा, यह मौका साझा दुश्मन (ईरान) पर बड़ी जीत का जश्न मनाने का है।

ट्रम्प ने जापान और दक्षिण कोरिया से आयात पर लगाया 25 प्रतिशत टैरिफ, 01 अगस्त से होगा प्रभावी

वाशिंगटन, 08 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की है कि 01 अगस्त 2025 से जापान और दक्षिण कोरिया से आयातित सभी वस्तुओं पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क (टैरिफ) लगाया जाएगा। यह फैसला व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया कि यह कदम दोनों देशों की अनुचित व्यापार नीतियों और अमेरिका के साथ उनके लगातार व्यापार घाटे को संतुलित करने के लिए लिया गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर साझा किए गए पत्रों में जापानी प्रधानमंत्री इशिबा शिगेरू और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे–म्युंग को नए टैरिफ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन देशों ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाए, तो जितना प्रतिशत वे बढ़ाएंगे, उतना ही अतिरिक्त शुल्क अमेरिका अपने 25प्रतिशत टैरिफ पर जोड़ देगा।

ट्रंप की इस घोषणा के बाद अमेरिकी वित्तीय बाजारों में हलचल देखी गई। अमेरिकी शेयर बाजारों में भी गिरावट दर्ज हुई। इससे जहां डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 447 अंक (1प्रतिशत) गिरा। वहीं, एस एंड पी 500 में 0.8प्रतिशत की गिरावट तथा नैस्डैक कंपोजिट में 0.9प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भेजे गए पत्रों में स्पष्ट किया गया है कि यह 25प्रतिशत टैरिफ सेक्टर–विशेष शुल्कों से अलग है। उन्होंने ट्रांसशिपमेंट (मध्यवर्ती देशों के जरिये वस्तुओं को भेजने की प्रक्रिया) के जरिए टैरिफ से बचने की किसी भी कोशिश पर भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से अमेरिका के व्यापार घाटे को लेकर मुखर रहे हैं। वर्ष 2024 में अमेरिका का जापान के साथ 68.5 अरब डॉलर और दक्षिण कोरिया के साथ 66 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज किया गया। ट्रंप का मानना है कि यह घाटा इन देशों द्वारा अमेरिका के साथ अनुचित व्यापार व्यवहार का प्रमाण है।

हालांकि ट्रंप ने संकेत दिया कि यदि दोनों देश अपने टैरिफ और गैर–टैरिफ व्यापार बाधाएं समाप्त करते हैं, तो अमेरिका इस निर्णय में संभावित रूप से बदलाव कर सकता है। उनके पत्र में लिखा गया है, ये टैरिफ हमारे द्विपक्षीय संबंधों के अनुसार ऊपर–नीचे हो सकते हैं।

नेपाल और चीन को जोड़ने वाला वाला पुल बाढ़ में बहा

चीन में बीती रात को आई बाढ़ के कारण नेपाल के सीमा क्षेत्र में भी भारी नुकसान हुआ है। नेपाल और चीन के बीच रहे एकमात्र व्यापारिक नाका रसुवागढ़ी और चीन को जोड़ने वाला पुल बाढ़ में बह गया है। चीन से नेपाल के लिए निर्यात किए गए सैकड़ों इलेक्ट्रिक व्हीकल गाड़ियां पानी में बह गई हैं। सामान से लदा कंटेनर नदी में बहता हुआ दिख रहा है। सीमा पर खड़े कई ट्रक भी पानी में डूब गए हैं जिसके कारण उसमें रखा सामान के खराब होने की संभावना अधिक है। इस बाढ़ के कारण नेपाल के तरफ करीब 16 लोगों के लापता होने की खबर है। रसुवागढ़ी के जिला प्रशासन की तरफ से काठमांडू के डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट को दी गई जानकारी के मुताबिक बीती रात को ड्यूटी पर रहे नेपाल पुलिस के 3 जवान, 3 कंटेनर ड्राइवर, 6 नेपाली कामदार और 4 चीनी कामदार लापता बताए जा रहे हैं। सुबह से ही नेपाली सेना राहत और बचाव के काम में जुटी हुई है। नेपाली सेना ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से कुछ लोगों को बचाया भी है। बाढ़ में फंसे 9 लोगों को अब तक बचाया जा चुका है।

पाक की संयुक्त राष्ट्र में दुहाई, तीन आतंकी समूह उसके खिलाफ कर रहे अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल

वाशिंगटन, 08 जुलाई (एजेंसियां)। पराई धरती से आतंकी हमलों की पीड़ा अब पाकिस्तान को समझ में आई है। पाकिस्तान ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान का नाम लेकर अपना दुखड़ा रोया। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि और राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने महासभा में कहा कि तीन आतंकी समूह अफगानिस्तान के अंदर अनियंत्रित स्थानों से काम कर रहे हैं।

अहमद ने कहा कि पाकिस्तान के पास प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकवादी समूहों के बीच बढ़ते सहयोग के विश्वसनीय सबूत हैं। इनका उद्देश्य देश के रणनीतिक बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं को निशाना बनाना है।

राजदूत अहमद ने कहा कि इनमें से कई हमले अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों से किए गए हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय सेनाएं 2021 में अफगानिस्तान से अपनी वापसी के बाद छोड़ गई थीं। उन्होंने कहा कि इन हथियारों का इस्तेमाल अफगानिस्तान स्थित आतंकवादियों ने पाकिस्तान के खिलाफ तेजी से परिष्कृत हमले करने के लिए किया है।

पाकिस्तान के दूत ने कहा कि टीटीपी में लगभग 6,000 लड़ाके हैं। अफगानिस्तान की धरती से संचालित होने वाला यह सबसे बड़ा आतंकवादी समूह है। यह समूह न केवल पाकिस्तान के लिए बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए भी खतरा है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में सक्रिय अन्य समूहों में आईएस–खोरासन, अल कायदा और विभिन्न बलूच अलगाववादी गुट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अफगानिस्तान उन आतंकवादियों के लिए प्रजनन स्थल न बने जो उसके पड़ोसियों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा हैं।

पाकिस्तान में मानसूनी बारिश में 19 की मौत, बाढ़ का खतरा बढ़ा

इस्लामाबाद, 08 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मानसून की पहली बारिश में 19 लोगों की मौत हो गई। यह जनहानि बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा, इस्लामाबाद और रावलपिंडी में हुई है। इस बीच राष्ट्रीय आपातकालीन संचालन केंद्र ने मुल्क के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ का पूर्वानुमान जारी किया है।

खबर के अनुसार, राष्ट्रीय आपातकालीन संचालन केंद्र ने 10 जुलाई तक मध्यम से भारी मानसूनी बारिश और लगभग सभी नदियों में बाढ़ का पूर्वानुमान जारी किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और अन्य अधिकारियों को संभावित आपातकालीन स्थितियों, खासकर बाढ़ से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने बताया कि बलूचिस्तान में पिछले 48 घंटों में हुई मानसून की बारिश के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान के लगभग 22 जिले बारिश से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा 22 घर क्षतिग्रस्त और पांच नष्ट हो गए। पीडीएमए के अधिकारियों ने कहा कि इससे ईरान की सीमा से सटा वाशुक जिला बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जहां खड़ी फसलें बह गईं और बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि रावलपिंडी और इस्लामाबाद के विभिन्न हिस्सों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन बच्चों सहित कम से कम छह लोग डूब गए। खैबर पख्तूनख्वा में मलकंद, बुनेर, मनशेरा और करक जिलों में छह लोगों की जान चली गई। प्रधानमंत्री शहबाज ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बचाव एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों को किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया।

टेक्सास में बाढ़ से अब तक 100 से ज्यादा की मौत, विपक्ष के संसाधनों की कमी के आरोप को ट्रंप प्रशासन ने खारिज किया

वाशिंगटन। टेक्सास में बाढ़ से जानमाल की बड़ी क्षति हुई है। इस विभीषिका को अमेरिका के 100 साल के इतिहास में सबसे भयावह बताया जा रहा है। टेक्सास में बाढ़ से अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ से लड़कियों का कैंप का तहस–नहस हो गया। मृतकों में 27 लड़किया भी शामिल हैं। विपक्ष ने राहत और बचाव कार्य में संसधानों की कमी के लिए ट्रंप प्रशासन की आलोचना की है। प्रशासन ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को बेडमिनस्टर गोल्फ कोर्स से बाहर निकलते समय संवाददाताओं से कहा, यह सौ साल की सबसे भयावह आपदा है। इसे देखना बहुत त्रासद है। उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रीय मौसम सेवा सहित संघीय एजेंसियों में की गई छंटनी के कारण यह आपदा और बढ़ गई है, तो उन्होंने अपना जवाब टाल दिया। न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट और अल्पसंख्यक नेता सीनेटर चक शूमर ने वाणिज्य विभाग के कार्यवाहक महानिरीक्षक को लिखे पत्र में इस बात की जांच करने की मांग की है कि क्या प्रमुख स्थानीय राष्ट्रीय मौसम सेवा स्टेशनों पर कर्मचारियों की कमी ने बाढ़ को विकराल बना दिया। कनेक्टीकट के डेमोक्रेट सीनेटर क्रिस्टोफर एस. मर्फी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मौसम विज्ञानियों पर ट्रंप के मूर्खतापूर्ण कार्रवाई का यह परिणाम है।

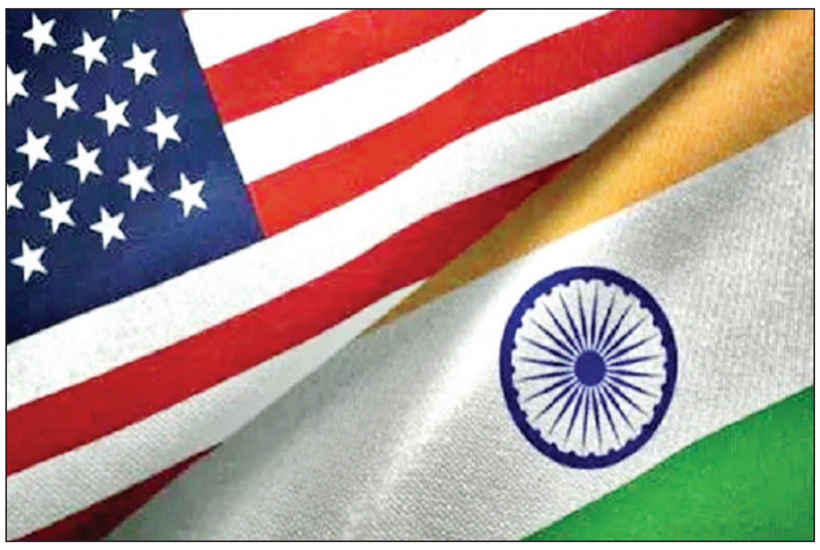

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन 01 अगस्त तक बढ़ाया, भारत से व्यापार वार्ता जारी

नई दिल्ली,08 जुलाई (एजेंसियां)।
अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ निलंबन को 1 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। इस कदम से भारतीय निर्यातकों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही नई दिल्ली तथा वाशिंगटन के बीच जारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता करने के करीब है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- अमेरिका और भारत व्यापार समझौते के करीब

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को जापान, दक्षिण कोरिया समेत 14 देशों को राष्ट्राध्यक्षों को पत्र लिखा है, जिसमें 25 से लेकर 40 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया गया है। ट्रंप प्रशासन ने विभिन्न देशों को पत्रों की पहली किश्त भेजी, जिसमें उन देशों के उत्पादों पर टैरिफ का विवरण दिया गया है, जो 1 अगस्त से अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करेंगे। हालांकि, इन देशों में भारत को शामिल नहीं किया गया।

भारत के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बात जारी – अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमने ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता किया है, चीन के साथ समझौता किया है और भारत के साथ व्यापार समझौता करने के करीब हैं। इनके अलावा जिन देशों से हमारी बात हुई है, हमें नहीं लगता कि उनके साथ हमारा व्यापार समझौता हो सकता है। इसलिए हमने उन्हें पत्र भेजा है। ट्रंप ने कहा कि जो देश हमें छूट देंगे, हम भी उन्हें छूट देने पर विचार करेंगे।

ट्रंप प्रशासन ने विभिन्न देशों को 'पत्र' भेजे जिसमें उन देशों के उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। अमेरिका ने जिन 14 देशों पर नए टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, उनमें बांग्लादेश, बोस्निया और हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाखिस्तान, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, सर्बिया, ट्यूनिशिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऐप्पल की नई आईफोन 17 सीरीज जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। ऐप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज को सितंबर में लॉन्च कर सकता है। कंपनी चार मॉडल पेश करेगी –आईफोन 17 , आईफोन 17 प्रो ,आईफोन 17 प्रो मैक्स और एक बिल्कुल नया आईफोन 17 स्लीम। सभी मॉडल आईओएस 26 पर चलेंगे, जिसमें नया लिक्विड ग्लास इंटरफेस और कई अनोखे फीचर्स शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन 17 प्रो और 17 प्रो मैक्स में लेटेस्ट ए19 प्रो चिपसेट होगा, जिसे टीएसएमसी की थर्ड जनरेशन 3एनएम टेक्नोलॉजी पर तैयार किया गया है। इससे बेहतर परफॉर्मेंस और बैटरी एफिशियंसी की उम्मीद है। डिज़ाइन में भी बड़े बदलाव की चर्चा है। आईफोन 17 प्रो के रियर पैनल पर एप्पल लोगो की जगह थोड़ी नीचे शिफ्ट की जा सकती है, जिससे मेगसेफ मैग्नेट के लेआउट में बदलाव होगा। इस मॉडल में एल्यूमीनियम फ्रेम हो सकता है, जो आईफोन 15 और 16 प्रो के टाइटेनियम फ्रेम से अलग होगा। कैमरा बंप भी बड़ा और रेक्टेंगुलर आकार का होने की संभावना है, हालांकि लेंस का ट्रायंगल लेआउट बरकरार रह सकता है। आईफोन 17 प्रो एक नए स्काई ब्लू रंग में भी आ सकता है। आईफोन 17 प्रो मॉडल्स में 12जीबी रैम मिलने की अफवाह है, जो मौजूदा 8जीबी से ज्यादा है और इससे मल्टीटास्किंग और एआई फीचर्स के इस्तेमाल में मदद मिलेगी। साथ ही, एप्पल अपने खुद के वाय–फाय 7 चिप पर भी काम कर रहा है, जो इन नए आईफोन मॉडल्स में ब्रॉडकॉम चिप्स की जगह ले सकता है। कैमरा सिस्टम में भी अहम अपग्रेड की चर्चा है। फ्रंट कैमरा 12एमपी से बढ़कर 24एमपी का हो सकता है। वहीं, रियर में टेलीफोटो लेंस 12एमपी से 48एमपी तक अपग्रेड होने की उम्मीद है। 8के वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट और डुअल वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं।

महाराष्ट्र के जेएनपीए ने पहली तिमाही में कंटेनर संचालन में 15.52 फीसदी की दर्ज की वृद्धि

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई स्थित जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) ने वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए कंटेनर संचालन में जबरदस्त वृद्धि हासिल की है। अप्रैल 2025 से जून 2025 तक जेएनपीए ने कुल 19,50,188 ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयू) कंटेनरों का संचालन किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 15.52 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि देश के सबसे व्यस्त और प्रमुख बंदरगाहों में से एक जेएनपीए की संचालन क्षमता, कुशल प्रबंधन और तकनीकी दक्षता को दर्शाती है। बंदरगाह प्राधिकरण ने इस उपलब्धि की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। इसमें बताया गया कि कंटेनर हैंडलिंग में जेएनपीए की स्थिर गति टर्मिनलों के कुशल संचालन की वजह से संभव हो पाई है।

मोबाइल प्लान होंगे महंगे, मीडियम और प्रीमियम यूजर्स होंगे प्रभावित

नई दिल्ली। मोबाइल यूजर्स के लिए साल के अंत तक टैरिफ का झटका आ सकता है। टेलीकॉम कंपनियां कॉल और डेटा प्लान में 10–12 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से मीडियम और हाई–वैल्यू ग्राहकों पर केंद्रित होगी, जबकि लो–वैल्यू यूजर्स पहले ही कीमतों की मार झेल चुके हैं। मई 2025 में देश में 74 लाख नए एक्टिव यूजर्स जुड़े, जो पिछले 29 महीनों में सबसे बड़ी मासिक वृद्धि है। यह लगातार पांचवां महीना है जब यूजर बेस में इजाफा हुआ है। इससे कंपनियों को टैरिफ बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला है। जुलाई 2024 में कंपनियों ने बेस प्लान में 11 से 23 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी, जिसके चलते 2.1 करोड़ यूजर्स ने सेवाएं छोड़ दी थीं। हालांकि, अब एक बार फिर यूजर ग्रोथ तेज हो गई है, जिससे कंपनियां दोबारा कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले–जुले संकेत एशिया में भी मिला–जुला कारोबार

नई दिल्ली,08 जुलाई (एजेंसियां)।
ग्लोबल मार्केट से मिले–जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला–जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ बम फोड़ना शुरू कर दिया है। टैरिफ को लेकर ट्रंप की नई घोषणाओं के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,229.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 188.59 अंक यानी 0.92 प्रतिशत टूट कर 20,412.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 44,380.66 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,806.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,723.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 286.22 अंक यानी 1.19 प्रतिशत उछल कर 24,073.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला–जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में और 3 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,335.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 1,116.66 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 6,896.43 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,551 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,686.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.21 प्रतिशत उछल कर 3,096.37 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 211.40 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,099.23 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,493.16 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,051.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ईडीएस में 91 फीसदी खुदरा निवेशकों को 1.06 लाख करोड़ घाटा, डेरिवेटिव ट्रेड पर सेबी का खुलासा

मुंबई। वित्तीय वर्ष 2024–25 में शेयर बाजार के इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट (ईडीएस) में खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में लगभग 91 फीसदी खुदरा निवेशक घाटे में रहे, और उनका कुल नुकसान 1.06 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 41 फीसदी अधिक है। सेबी का यह विश्लेषण दिसंबर 2024 से मई 2025 के बीच की ट्रेडिंग गतिविधियों पर आधारित है। रिपोर्ट उन मीडिया दावों के बाद आई है, जिनमें कहा गया था कि अक्टूबर 2023 में डेरिवेटिव ढांचे में किए गए सुधारों के बाद खुदरा निवेशकों को नुकसान कम हुआ है। सेबी ने खुदरा निवेशकों की सुरक्षा के लिए लॉट साइज बढ़ाने जैसे कई सख्त कदम उठाए।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया को मिले नए अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार

गुरुग्राम,08 जुलाई (एजेंसियां)।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने हरदीप सिंह बरार को अपना नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति 1 सितंबर से प्रभावी होगी। बरार, विक्रम पावाह की जगह लेने वाले हैं, जो अब बीएमडब्ल्यू ग्रुप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभालने वाले है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप के एशिया–प्रशांत, पूर्वी यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जीन–फिलिप पैरेन ने नियुक्ति पर कहा कि भारत बीएमडब्ल्यू ग्रुप के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और उनकी दीर्घकालिक सफलता की रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि बरार के पास इस गतिशील बाजार का नेतृत्व करने और बीएमडब्ल्यू ग्रुप के संचालन को मजबूत करने के लिए व्यापक विशेषज्ञता और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग की गहरी समझ है। बरार भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में 30 से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव रखते हैं, उन्होंने कई वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर काम किया है। हाल ही में उन्होंने किआ इंडिया में सेल्स और मार्केटिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। बीएमडब्ल्यू, मिनी और मोटरराड के साथ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के प्रीमियम क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है। बीएमडब्ल्यू इंडिया बीएमडब्ल्यू ग्रुप की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है और इसका मुख्यालय गुरुग्राम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में है। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने 2007 में परिचालन शुरू किया था। जनवरी 2012 में लांच होने के बाद से मिनी ने भारत में प्रीमियम स्मॉल कार ब्रांड के रूप में खुद को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

कैपजेमिनाई ने डब्ल्यूएनएस को 3.3 अरब डॉलर में खरीदा

फ्रांस की आईटी सेवा और कंसल्टिंग फर्म कैपजेमिनाई ने भारत की बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट कंपनी डब्ल्यूएनएस को 3.3 अरब डॉलर नकद में खरीदने की घोषणा की है। यह सौदा इस क्षेत्र के सबसे बड़े विलयों में से एक माना जा रहा है। कैपजेमिनाई ने डब्ल्यूएनएस का मूल्यांकन 76.50 डॉलर प्रति शेयर किया है, जो पिछले 90 दिनों के औसत से 28 फीसदी अधिक है। डब्ल्यूएनएस न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है। कैपजेमिनाई के सीईओ ने कहा कि यह अधिग्रहण पारंपरिक बीपीएस से हटकर एजेंटिक एआई संचालित इंटेलिजेंट परिचालन को बढ़ावा देगा। इससे कंपनी को रणनीतिक रूप से वर्टिकल विशेषज्ञता और सेवाओं का पैमाना बढ़ाने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएनएस की आय वित्त वर्ष 2024–25 में 1.2 अरब यूरो रही, जबकि कैपजेमिनाई की आय 22.1 अरब यूरो रही। अधिग्रहण के बाद संयुक्त आय 23.3 अरब यूरो और ऑपरेटिंग मार्जिन 13.6 फीसदी हो जाएगा। एजेंटिक एआई में बढ़त की तैयारी विशेषज्ञों का मानना है कि डब्ल्यूएनएस का मजबूत ग्राहक आधार, जिसमें यूनाइटेड एयरलाइंस और अवीवा जैसे नाम शामिल हैं, कैपजेमिनाई के लिए फायदेमंद साबित होगा।

शंख एयर उत्तर प्रदेश, लखनऊ से छह गंतव्यों के लिए उड़ान सेवा शुरू करेगी

अन्य स्थानों में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने पर कर रही है विचार

मुंबई,08 जुलाई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश की नई विमानन कंपनी शंख एयर ने राज्य की राजधानी लखनऊ से छह प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने की योजना बनाई है। कंपनी की यह पहल क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने और स्थानीय विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की जा रही है। शंख एयर फिलहाल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान संचालन की मंजूरी का इंतजार कर रही है। शंख एयर शुरुआत में लखनऊ से वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, चित्रकूट, इंदौर और देहरादून के लिए हवाई सेवाएं संचालित करेगी। कंपनी ने अपनी उड़ानों के लिए 'नैरो–बॉडी' एयरबस ए320 विमानों को पट्टे पर लेने का निर्णय लिया है, जो टर्बोप्रॉप विमानों की तुलना में अधिक कुशल और आरामदायक माने जाते हैं। यह कदम क्षेत्रीय विमानन क्षेत्र में एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां बड़े विमानों के जरिए बेहतर सेवा देने की कोशिश की जा रही है। शंख एयर के चेयरमैन ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात कर कंपनी की योजनाओं और सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि शंख एयर ने डीजीसीए से उड़ान अनुमति के लिए आवेदन कर दिया है और मंजूरी मिलने के बाद सेवा शुरू करने की तैयारी में है।

उन्होंने कहा कि कंपनी नीति निर्माताओं के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि उसकी विस्तार योजनाएं राष्ट्रीय विमानन लक्ष्यों के अनुरूप हों। शंख एयर का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के वंचित और पिछड़े क्षेत्रों को जोड़कर स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कंपनी सरकार की क्षेत्रीय विकास और रोजगार सृजन की प्राथमिकताओं का समर्थन करेगी। इस पहल से राज्य के लोगों को हवाई यात्रा के अधिक विकल्प और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

सीडीएससीओ ने जारी की 17 खतरनाक दवाओं की सूची

फ्लश करने की दी सलाह, गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर हो सकती हैं जानलेवा

नई दिल्ली,08 जुलाई (एजेंसियां)।
कई बार इमरजेंसी में खरीदी गई दवाएं बिना इस्तेमाल के घर में पड़ी रहती हैं और समय के साथ एक्सपायर हो जाती हैं। अधिकतर लोग इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन कुछ दवाएं इतनी खतरनाक होती हैं कि उनका गलत हाथों में जाना जानलेवा साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने हाल ही में 17 संवेदनशील दवाओं की सूची जारी की है, जिन्हें अगर घर में पड़ी हों और उपयोग में नहीं आ रही हों, तो तुरंत टॉयलेट में फ्लश कर देना चाहिए। इन दवाओं में फेंटेनिल, ट्रामाडोल, मॉर्फिन सल्फेट, बुप्रेनॉर्फिन, मिथाइलफेनिडेट, टापेन्टाडोल, ऑक्सीकोडोन और डायजेपाम जैसे शक्तिशाली पेनकिलर और एंटी–एंग्जायटी ड्रग्स शामिल हैं। ये सभी नशे की लत पैदा कर सकती हैं और गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर जानलेवा हो सकती हैं। सीडीएससीओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन 17 दवाओं को छोड़कर अन्य सामान्य दवाओं को टॉयलेट में फ्लश करना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है।

अदाणी ने 4,000 करोड़ में खरीदी दिवालिया बिजली कंपनी, अब क्षमता बढ़कर हुई 18,150 एमडब्ल्यू

नई दिल्ली। अदाणी पावर लिमिटेड ने विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) का अधिग्रहण कर लिया है। यह अधिग्रहण 4,000 करोड़ रुपए में किया गया है। वीआईपीएल लि 2गुणित 300 मेगावॉट की कोयला आधारित थर्मल पावर प्रोजेक्ट है जो बुटीबोरी, नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है। वीआईपीएल दिवालिया प्रक्रिया के तहत थी, जिसे इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत चलाया जा रहा था। अदाणी पावर की समाधान योजना को मुंबई एनसीएलटी ने 18 जून 2025 को मंजूरी दी थी। इसके बाद, यह योजना 7 जुलाई 2025 को लागू कर दी गई। इस अधिग्रहण के साथ अदाणी पावर की कुल उत्पादन क्षमता अब 18,150 मेगावॉट हो गई है। कंपनी अब बेस लोड पावर की क्षमता को बढ़ाने के लिए कई और प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। इनमें 6 अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट्स (1,600 एमडब्ल्यू प्रत्येक) शामिल हैं जो मध्य प्रदेश (सिंगरौली–महान), छत्तीसगढ़ (रायपुर, रायगढ़, कोरबा), राजस्थान (कवाई) और उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर) में बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, 1,320 मेगावॉट की एक और अधिग्रहित परियोजना कोरबा में भी फिर से शुरू की जा रही है। इन सभी योजनाओं के साथ कंपनी का लक्ष्य है कि वह 2030 तक कुल 30,670 मेगावॉट की क्षमता हासिल कर ले।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप : भवतेग और मीराज फाइनल की दौड़ में, गनेमत भी रेस में बरकरार

लोनाटो (इटली) ,08 जुलाई (एजेंसियां)। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (शॉटगन) के पुरुष स्कीट मुकाबले में भवतेग सिंह गिल और अनुभवी मीराज अहमद खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार क्वालिफाइंग राउंड के बाद 98 अंकों के साथ फाइनल की प्रबल दावेदारी पेश की है। भवतेग ने लगातार दो परफेक्ट राउंड (25-25) का स्कोर दागा और मीराज ने भी (24, 25, 24, 25) का प्रदर्शन करते हुए खुद को मजबूती से रेस में बनाए रखा।

महिला स्कीट वर्ग में भारत की गनेमत सेखों ने दो लगातार राउंड में 24-24 का स्कोर करते हुए कुल 96 अंक हासिल किए। फिलहाल वह प्रोविजनल आठवें स्थान पर हैं और अंतिम राउंड से पहले फाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। सोमवार को 10वें स्थान से शुरुआत करने वाली गनेमत मंगलवार को भी बेहद सटीक निशाना लगाते हुए हर राउंड में सिर्फ एक-एक लक्ष्य चूकीं। हालांकि, वह अब एक बेहद कड़े मुकाबले में फंसी हुई हैं, क्योंकि 96 अंक पर उनके साथ पांच और निशानेबाज़ भी बराबरी पर हैं, जिनमें स्वीडन की विक्टोरिया लार्सन शामिल हैं, जो इस समय छठवें और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान पर काबिज़ हैं।

अन्य भारतीय निशानेबाज़ों में ओलंपियन महेश्वरी चौहान और राइज़ा ढिल्लों ने क्रमश: (22, 25) और (24, 24) का स्कोर किया। महेश्वरी ने भी गनेमत के बराबर 96 अंक हासिल किए, जबकि राइज़ा का स्कोर 93 रहा। दोनों फिलहाल 27वें और 28वें स्थान पर हैं।

पुरुष वर्ग में कांटे की टक्कर

पुरुष स्कीट मुकाबले में भवतेग सिंह गिल ने चार में से तीन राउंड में 25 का परफेक्ट स्कोर किया और वर्तमान में 12वें स्थान पर हैं। वहीं अनुभवी मीराज अहमद खान भी 98 अंकों के साथ 15वें स्थान पर हैं। इस वर्ग में 176 निशानेबाज़ों में मुकाबला हो रहा है। अब तक चार निशानेबाज़ परफेक्ट स्कोर (100) के साथ आगे हैं, जबकि छह अन्य ने केवल एक लक्ष्य चूका है। भवतेग और मीराज 98 अंकों पर मौजूद 16 निशानेबाज़ों के समूह में शामिल हैं और चूंकि केवल 6 स्थान फाइनल के लिए उपलब्ध हैं, ऐसे में अंतिम क्वालिफाइंग राउंड बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। पेरिस ओलंपियन अनंत जीत सिंह नरूका (24, 24, 24, 23) ने कुल 95 अंक बनाए हैं और फिलहाल वे फाइनल की दौड़ से बाहर होते दिख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान के अंपायर बिस्मिल्लाह जान शिनवारी के निधन पर आईसीसी ने जताया शोक

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के अनुभवी अंपायर बिस्मिल्लाह जान

शिनवारी के 41 वर्ष की आयु में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बिस्मिल्लाह जान शिनवारी आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ अंपायर्स के सदस्य थे और उन्होंने अपने करियर में 25 पुरुष वनडे और 21 पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की थी। उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दायित्व इस वर्ष फरवरी में ओमान के अल अमेरात में आयोजित आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 का हिस्सा था। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने उनके निधन पर दुख प्रकट करते हुए शोक संदेश में कहा, बिस्मिल्लाह एक प्रसिद्ध अंपायर थे जिन्हें खिलाड़ी, साथी अंपायर और अधिकारी सभी समान रूप से सम्मान देते थे। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सर्किट पर एक जाना-पहचाना चेहरा थे और उनके सामने एक लंबा करियर था। उन्होंने आगे कहा,क्रिकेट के लिए उनका योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। क्रिकेट समुदाय उन्हें बेहद याद करेगा। हम इस अपूरणीय क्षति से बेहद दुखी हैं और उनके परिवार व प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हैं।

चेल्सी के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले बोले मैनेजर रेनाटो गौचो, इतिहास रचने उतरी है फ्लुमिनेंस

न्यूयॉर्क। फीफा क्लब वर्ल्ड कप सेमीफाइनल मुकाबले से पहले फ्लुमिनेंस के मैनेजर रेनाटो गौचो ने कहा है कि उनकी टीम अमेरिका में इतिहास रचने के मक़सद से आई है। मंगलवार को चेल्सी के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेनाटो ने माना कि उनकी टीम यूरोपीय क्लबों के मुकाबले वित्तीय रूप से कमजोर है, लेकिन आत्मविश्वास, अनुशासन और समर्पण ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है। रेनाटो ने कहा, फ्लुमिनेंस को अक्सर 'अग्ली डक्लिंग' कहा जाता है, लेकिन इसके बावजूद हमने यह दिखाया है कि हम फाइनल तक पहुंच सकते हैं और क्लब वर्ल्ड कप जीत भी सकते हैं। उन्होंने बताया कि फ्लुमिनेंस जैसे रियो डी जनेरियो स्थित क्लब के पास चेल्सी, रियल मैड्रिड या पेरिस सेंट-जर्मेन जैसे क्लबों की तुलना में महज 10त्न से भी कम वित्तीय क्षमता है। उन्होंने कहा, बड़े क्लबों के पास दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को साइन करने की पूरी क्षमता होती है। लेकिन हमने यहां तक मेहनत, विनम्रता और आत्म-विश्वास से पहुंचा है। फ्लुमिनेंस ने ग्रुप एफ में दूसरा स्थान हासिल किया था और फिर नॉकआउट चरण में इंटर मिलान व अल हिलाल को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। दूसरी ओर, चेल्सी ने ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहते हुए बेनफिका और पाल्मेइरस को पछाड़ा है। रेनाटो ने चेल्सी के तेज़ और तकनीकी रूप से सक्षम फॉरवर्ड्स की तारीफ करते हुए कहा, उनके पास दो तेज़ विंगर हैं जो एक-के-बनाम-एक मुकाबलों में बहुत प्रभावी हैं और जोआओ पेड्रो एक शानदार स्ट्राइकर है। मिडफील्ड में भी सोच समझकर खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी टीम अपना आक्रामक खेल जारी रखेगी। उन्होंने कहा हम हमेशा प्रतिद्वंद्वी की ताकत को सीमित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब गेंद हमारे पास होती है तो हम खुलकर खेलते हैं, और यही हमारी सफलता का मंत्र है।

झज्जर के सचिन के रेसलिंग एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर झूमे परिजन

झज्जर। किर्गिस्तान में चल रही अंडर-15 फ्रीस्टाइल रेसलिंग चैंपियनशिप में जिले निवासी सचिन धनखड़ को स्वर्ण पदक जीतने पर उसके परिजन और ग्रामीण खुशी से झूम उठे। अपने आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले में सचिन ने उज्बेकिस्तान के पहलवान को हराया। सचिन 9 साल की उम्र से ही ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त के अखाड़े में कुश्ती का अभ्यास कर रहा है। नौ वर्ष की आयु से सचिन योगेश्वर दत्त के अखाड़े से ली है ट्रेनिंग68 किलोग्राम भार वर्ग में उज्बेकिस्तान के पहलवान को हराया जिले के गांव समसपुर माजरा निवासी पहलवान सचिन धनखड़ का देश में 21 जून को हुई राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद किर्गिस्तान में होने वाली फ्री स्टाइल रेसलिंग एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ था। फ्री स्टाइल रेसलिंग एशियाई चैंपियनशिप में प्रतिभाशाली पहलवान सचिन धनखड़ शानदार प्रदर्शन कर 15 वर्ष आयु वर्ग वाले 68 किलोग्राम भार वर्ग के पहलवानों की प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले तक पहुंचा था। सोमवार को अपने वर्ग के फाइनल में सचिन ने उज्बेकिस्तान के पहलवान मोहम्मद अली को हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऊंचाई पर ...

विमानों को मार गिराया, जिनमें तीन राफेल भी शामिल थे। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि इससे उन देशों की ओर से राफेल के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे, जिन्होंने फ्रांसीसी निर्माता दसॉ एविएशन से लड़ाकू विमान खरीदे हैं। फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने प्रो-पेगैंडा कैंपेन शुरू किया था, जिसके तहत राफेल जेट विमानों की बिक्री को प्रभावित करने की कोशिश की गई। चीन ने अपने दूतावासों के जरिए उन देशों को राफेल खरीदने से रोकने की कोशिश की थी, जिन्होंने फ्रांस के इन जेट विमानों के ऑर्डर दिए थे और इसके बजाए चीन निर्मित जेट विमान खरीदने पर जोर दिया था।ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से ही राफेल लड़ाकू विमान लगातार चर्चाओं में बना रहा। 6-7 मई की रात भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। उसके बाद से पाकिस्तान दावा करता रहा है कि उसने भारत के कम से कम तीन राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने यह तो स्वीकार किया है कि उसके कुछ विमान गिरे हैं, लेकिन यह बताने से परहेज किया कि कितने विमान गिरे और कौन कौन विमान गिरे। अब राफेल लड़ाकू विमान को लेकर फ्रांस एयरफोर्स के प्रमुख ने पहली बार खुलासा करते हुए साफ कर दिया है कि भारत को एक राफेल लड़ाकू विमान का नुकसान हुआ। वह भी तकनीकी गड़बड़ी के कारण गिरा न कि पाकिस्तान द्वारा मारा गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने जे-10सी फाइटर जेट से पीएल-15ई एयर टू एयर मिसाइल लॉन्च कर भारतीय विमानों को मार गिराया। लेकिन पाकिस्तान आज तक एक भी सबूत नहीं दे पाया।फ्रांसीसी वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलांगर ने कहा है कि उन्होंने तीन भारतीय विमानों के नुकसान के सबूत देखे हैं, जिनमें एक मिराज 2000, एक एसयू-30एमकेआई और एक राफेल फाइटर जेट हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि भारत ने अपना राफेल पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध के दौरान नहीं खोया, बल्कि राफेल गिरने की असल वजह टेक्निकल है। फ्रांसीसी एयरफोर्स चीफ ने कहा है कि आठ देशों को राफेल लड़ाकू विमान बेचे गए हैं और यह पहली बार है जब तकनीकी खामियों के कारण राफेल एयरक्राफ्ट को नुकसान हुआ। करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई पर अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण भारत का राफेल लड़ाकू क्रैश हुआ, लेकिन वह भारतीय क्षेत्र में क्रैश हुआ। पाकिस्तान का दावा इसलिए भी झूठा साबित हुआ क्योंकि उस वक्त पाकिस्तान के एक भी रडार एक्टिव नहीं थे। ऑपरेशन सिंदूर की पहली रात को भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों ने अपने एआई-पावर्ड एक्स-गार्ड डिकॉय सिस्टम से पाकिस्तानी जे-10सी फाइटर्स और उनके पीएल-15ई मिसाइल को भ्रमित कर दिया था। इस टेक्नोलॉजी ने पाकिस्तानी रडार को बेअसर कर दिया था और और भारत ने पाकिस्तान स्थित कम से कम 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।शुरुआती नुकसान के बाद भारत ने फौरन अपनी रणनीति बदली और फिर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाना शुरू किया। पाकिस्तानी वायुसेना को इस ऑपरेशन में भारी नुकसान हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने उसके बाद पाकिस्तान के तीन जेएफ-17 थंडर, दो मिराज 3/5, एक एफ-16 ब्लॉक 52 और एक सी-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को मार गिराया। इतना ही नहीं, भारत के ए-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सर्विलांस एयरक्राफ्ट फ्लाइंग रडार को भी आसमान में 314 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। पाकिस्तान के एक और सर्विलांस एयरक्राफ्ट को भारत ने भोलारी एयरबेस पर मिसाइल हमले में तबाह कर दिया था।

ताकि अवैध...

दरअसल, कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, जेएमएम, सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से बिहार में चुनाव से पहले एसआईआ कराने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं। राजद सांसद मनोज झा और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की अलग-अलग याचिकाओं के अलावा कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, शरद पवार एनसीपी गुट की सुप्रिया सुले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी राजा, समाजवादी पार्टी के हरिंदर सिंह मलिक, शिवसेना (उद्धव गुट) के अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य ने संयुक्त रूप से शीर्ष अदालत का रुख किया है। सभी नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची की एसआईआर के निर्देश देने वाले चुनाव आयोग के आदेश को चुनौती दी है और इसे रद्द करने की मांग की है।

एक साथ...

दृष्टिकोण अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभाओं के बचे हुए कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए योजना बनानी चाहिए, ताकि कानूनी चुनौतियों से बचा जा सके। यह दृष्टिकोण व्यावहारिक और कम विवादास्पद हो सकता है।

विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस ने इस विधेयक को लोकतंत्र विरोधी और असंवैधानिक करार दिया है। जबकि देश में पहले कांग्रेस के ही शासनकाल में एक साथ चुनाव होते रहे हैं। भारत सरकार का कहना है कि एक साथ चुनाव से प्रशासनिक और वित्तीय संसाधनों की बचत होगी, और बार-बार आचार संहिता लागू होने से शासन में आने वाली रुकावटें कम होंगी।

ढाई सौ रुपए...

अनुबंध हासिल किया। अपनी खुद की विनिर्माण क्षमता की कमी के बावजूद वह एकमात्र दावेदार था, जिसने 228 रुपए से 237 रुपए प्रति यूनिट की दर कोट की। एचआईएल ने इस कार्य का उप-ठेका सूचीबद्ध विक्रेताओं को दे दिया, जहां उन्होंने कच्चा माल और रसायन उपलब्ध कराए, जबकि विक्रेताओं ने उत्पादन और कीटनाशक उपचार का कार्य किया।सीबीआई की तरफ से दर्ज एफआईआर के मुताबिक सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी शोभिका इम्पेक्स को दरकिनार कर एचआईएल के अधिकारियों ने खरीद श्रृंखला शुरू की, जिसके तहत अंततः मोहिंदर कौर निटिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से ऑर्डर दिया गया। जबकि इस कंपनी के पास अपनी कोई विनिर्माण क्षमता नहीं थी। वास्तविक उत्पादन वीकेए पॉलिमर्स ने किया था, जिसने जेपी पॉलिमर्स को 52 रुपए प्रति यूनिट की दर से जाल बेचा था। एचआईएल ने सीएमएसएस को 237 से 250 रुपए की दर से मच्छरदानी की आपूर्ति की, जिससे मूल्य में हेरफेर और रिश्वतखोरी का संदेह पैदा हुआ। वीकेए पॉलिमर्स और जेपी पॉलिमर्स आपस में जुड़ी हैं। आरोप है कि सीएमएसएस को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ, जबकि एचआईएल और उसके बिचौलियों ने लाभ कमाया।

रत्नों की गिनती ...

अंदरूनी चैंबर बीते 46 वर्षों से नहीं खोला गया था। बीते साल अंदरुनी चैंबर की मरम्मत और उसमें रखे हीरे जेवरात की गिनती के लिए इसे खोला गया। आईएएस अधिकारी और मंदिर के प्रमुख प्रशासक अरविंद पधी ने बताया कि मंदिर के अंदरूनी चैंबर की मरम्मत और पुनर्निर्माण का काम पुरातत्व संस्थान ने किया, जिसमें 95 दिनों का समय लगा। करीब 80 लोगों की टीम ने भगवान के खजाने को संरक्षित किया।पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर राज्य सरकार के विधि विभाग के अधीन काम करता है। पिछले साल जुलाई में जब रत्न भंडार को खोला गया था, तब लोहे की पेटियों और अलमारियों में रखे आभूषण और अन्य कीमती सामान को दो चरणों में मंदिर के अंदर अस्थायी स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित किया गया था। पधी ने कहा कि रत्न भंडार की मरम्मत पूरी हो जाने के बाद जल्द ही आभूषणों को रत्न भंडार के अंदर ले जाया जाएगा। भगवान जगन्नाथ के रत्नों की पिछली सूची 1978 में बनाई गई थी। उस सूची के अनुसार मंदिर में 128 किलोग्राम सोना और 200 किलोग्राम से अधिक चांदी है। उन्होंने कहा कि कुछ आभूषणों पर सोने की परत चढ़ी हुई है और उस समय उनका वजन नहीं किया गया था।

पधी ने कहा कि रत्न भंडार की मरम्मत और संरक्षण का काम राज्य सरकार द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया। उन्होंने कहा, 'भगवान की कृपा से 8 जुलाई को देवताओं के नीलाद्री बिजे से पहले मरम्मत का काम पूरा हो गया।' नीलाद्री बिजे अनुष्ठान का मतलब है कि इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा के साथ मंदिर के गर्भगृह में वापस लौटते हैं। जो रथ यात्रा उत्सव के समापन का प्रतीक है।पुरातत्व विभाग के अधिकारी गरनायक ने कहा कि रत्न भंडार के आंतरिक और बाहरी कक्षों में कुल 520 क्षतिग्रस्त पत्थर के ब्लॉक को बदला गया। ये पिछले कुछ वर्षों में खराब हो गए थे। साथ ही अब फर्श पर ग्रेनाइट के पत्थर लगाए गए हैं। इसके अलावा, संरचना में 15 क्षतिग्रस्त बीमों को स्टेनलेस स्टील की बीमों से बदल दिया गया है। जीर्णोद्धार कार्य पूरी तरह से पारंपरिक सूखी चिनाई पद्धति से किया गया है।

विमान दुर्घटना ...

वहीं एफडीआर 16 जून को मलबे से बरामद किया गया। उनके सुरक्षित संचालन, भंडारण और परिवहन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तय की गई थी। अब एएआईबी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंप दी है।उल्लेखनीय है कि कुल 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर 12 जून को लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति को छोड़कर विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई थी और जमीन पर मौजूद लगभग अन्य 29 लोग मारे गए थे। विमान हादसे में 270 लोगों की मौत होने के एक सप्ताह बाद 215 मृतकों की डीएनए मिलान के जरिए पहचान कर ली गई। 198 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि जो 198 शव सौंपे गए हैं उनमें 149 भारतीय, 32 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक है। इनमें उन सात लोगों के पार्थिव शरीर भी शामिल हैं, जो विमान गिरने के कारण जमीन पर मारे गए थे।

बिहार में युवा...

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे, जिनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी। यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले, साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो। सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा देने वाले शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए कार्यक्रम तैयार कर और ऐसे मामलों में सरकार को अनुशंसा भेजना भी इसका महत्वपूर्ण कार्य होगा। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी पहल का उद्देश्य है कि इस आयोग के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनें ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो।सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 43 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। इसमें सबसे प्रमुख प्रस्ताव बिहार में युवा आयोग के गठन का था। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग के एक और महत्वपूर्व प्रस्ताव पर सीएम नीतीश कुमार ने मुहर लगाई। इसके तहत अब बिहार की सभी सरकार सेवाओं में हर स्तर पर सभी प्रकार की सीधी नियुक्तियों में राज्य की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों को ही 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना संबल अंतर्गत राज्य के पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को राज्य के सदृश्य सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोई आर्थिक सहयोग देय नहीं होगा। बिहार सरकार की ओर से बताया गया कि प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी के लिए पचास हजार और एक लाख रुपए की राशि दिव्यांगजनों दी जाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई है।

रूस की तरह...

तालिबान सरकार महिलाओं के खिलाफ है और बुनियादी नागरिक अधिकारों को लगातार खत्म कर रही है।

अभी तक तालिबान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग माना जाता था, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि रूस के इस कदम ने अब तक बनी वैश्विक सहमति में दरार डाल दी है। अब तक ऐसा माना जाता था कि तालिबान को औपचारिक मान्यता दिए बिना भी सीमित बातचीत करके अपने हित साधे जा सकते हैं, लेकिन रूस ने सीधे मान्यता देकर इस सोच को चुनौती दे दी है। वाशिंगटन स्थित थिंक-टैंक विल्सन सेंटर में दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन कहते हैं, तालिबान सरकार को मान्यता देने वाला अगला देश चीन हो सकता है। अब तक दुनिया में एक आम सहमति थी कि देश अपने हितों के लिए तालिबान से बात तो कर सकते हैं, लेकिन औपचारिक रिश्ता बनाने की जरूरत नहीं है। लगता है अब ये सहमति टूटने लगी है। चीन ने रूस के फैसले का स्वागत किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है, अफगानिस्तान हमारा पारंपरिक मित्र और पड़ोसी है। चीन हमेशा मानता रहा है कि अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अलग नहीं किया जाना चाहिए।अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ कहते हैं कि भारत ने तालिबान को फिलहाल औपचारिक मान्यता नहीं दी है। भारत की हमेशा से यही शैली रही है कि वह कूटनीतिक तौर पर सोच-विचार करने के बाद ही फैसला लेता है। भारत रूस के साथ-साथ अमेरिका और यूरोपियन यूनियन से भी अपने रिश्ते बनाए रखना चाहता है। भारत की इस सतर्कता के पीछे पश्चिमी देशों के साथ उसके व्यापक व्यापारिक और कूटनीतिक हित भी हैं। भारत थोड़ा हिचक रहा है क्योंकि वह चाहता है कि अमेरिका और यूरोप के साथ उसके रिश्ते बने रहें। भले ही भारत ने तालिबान को औपचारिक मान्यता नहीं दी, लेकिन उसने औपचारिक मान्यता दिए बगैर ही अफगानिस्तान के साथ सम्पर्क और संबंध (एंगेज विदाउट रिकग्निशन) बनाए रखे हैं।इसी साल मई में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की थी। यह पहली बार था कि भारत के विदेश मंत्री ने तालिबान के विदेश मंत्री से बातचीत की और सार्वजनिक तौर पर बयान जारी किया। दरअसल, भारत काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है। हाल के महीनों में भारत और तालिबान के बीच संपर्क बढ़ा है। जनवरी में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दुबई में अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान ने दोबारा कब्जा किया था, उस वक्त इसे भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक झटके के रूप में देखा गया था। ऐसा लग रहा था कि भारत ने अफगानिस्तान में जो अरबों डॉलर के निवेश किए हैं, उन पर पानी फिर जाएगा। भारत ने अफगानिस्तान में 500 से अधिक परियोजनाओं पर करीब तीन अरब डालर का निवेश किया है, जिनमें सड़कें, बिजली, बांध और अस्पताल तक शामिल हैं।जब रूस तालिबान को मान्यता दे चुका है और चीन पहले ही तालिबान के साथ गहरे कारोबारी और राजनीतिक रिश्ते बना रहा है, ऐसे में जानकार मानते हैं कि भारत के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह इसी एंगेज विदाउट रिकग्निशन की नीति को कुछ समय और जारी रखे, या फिर धीरे-धीरे औपचारिक मान्यता की तरफ बढ़े। भारत का अफगानिस्तान से कभी भी हितों का टकराव नहीं रहा है। भारत ने अफगानिस्तान को कई विकास योजनाओं में मदद दी है। तालिबान शासन भी भारत को लेकर अपेक्षाकृत नरम रहा है। दोनों देशों में एक सकारात्मक छवि बनी रहती है। कुल मिलाकर अफगानिस्तान कूटनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक, तीनों ही नजरिए से भारत के लिए अहम है।

बुधवार को करके देखें यह 4 उपाय भाग्य देगा हर मोड़ पर साथ!

बुधवार का दिन विशेष रूप से भगवान गणेश को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन विघ्नहर्ता गणपतिजी की पूजा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, बुधवार का दिन बुध ग्रह से संबंधित होता है जिसे बुद्धि, वाणी, संचार, व्यापार आदि का कारक माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषशास्त्र में बुधवार के कुछ खास उपाय भी बताए गए हैं जिन्हें करने से जातक को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। अगर आप विधि पूर्वक इन उपायों को करते हैं, तो भाग्य आपका साथ देना शुरू कर सकता है और भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

करियर में तरक्की पाने के उपाय

अगर आपके करियर, नौकरी या शिक्षा में बार-बार बाधाएं आ रही हैं, तो बुधवार के दिन एक छोटा सा उपाय आजमाकर देख सकते हैं। इसके लिए सवा किलो हरे मूंग की दाल मंदिर के पास किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को दान कर दें। ऐसा करने से जातक की कुंडली में बुध की स्थिति मजबूत होती है और करियर में भी सफलता हासिल होने लगती है। करियर में उन्नति के रास्ते खोलने के लिए आप बुधवार को गौशाला में भी दान कर सकते हैं। ऐसा करने से नौकरी में आ रही बाधाओं से भी निजात मिलती है और तरक्की के नए रास्ते खुलने लगते हैं। इस उपाय को करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

इस मंत्र के जाप से पाएंगे विशेष लाभ

अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार बाधाएं आ रही हैं या कुंडली में बुध की स्थिति कमजोर है, तो बुधवार के दिन एक खास मंत्र का जाप कर सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करें। साथ ही, ओम ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। ऐसा हर बुधवार के दिन करने से बुध ग्रह मजबूत होता है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। अगर आप पूरी श्रद्धा से इस मंत्र का जाप करते हैं तो आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने शुरू हो सकते हैं व्यापार में आने वाली समस्याओं से भी निजात मिलती है।

किस्मत चमकाने का उपाय

बुधवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। इस दिन हरे रंग के वस्त्र पहनना सबसे उत्तम माना जाता है। इसके बाद, अपने घर के मंदिर में भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करें। इसके लिए 21 दूर्वा को धोकर उसकी गांठ बनाएं। अब पूजा के दौरान भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करें। साथ ही, 'ओम गं गणपतये नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। बुधवार के दिन इस उपाय को करने से भगवान गणेश की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, जातक की किस्मत चमक सकती है। इस उपाय को करने से आपके भाग्य आपका साथ दे सकता है और जीवन के दुखों से भी छुटकारा मिल सकता है।

धन लाभ के लिए करें यह उपाय

अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो बुधवार के दिन एक आसान उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए भगवान गणेश की पूजा के समय उन्हें हरे रंग के मिष्ठान का भोग लगाएं। साथ ही, किसी किन्नर को हरे रंग की वस्तुएं जैसे वस्त्र, चूड़ियां आदि दान करें। इस उपाय को करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। मान्यता है कि बुधवार को किसी किन्नर को इन चीजों का दान करने से जीवन में धन लाभ के योग बनने लगते हैं और सफलता के भी नए द्वार खुलते हैं।

क्यों कहा गया है चातुर्मास में किसी प्रिय वस्तु का त्याग कल्याणकारी

एक वस्तु का त्याग बदल सकता है आपका भाग्य

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा, विष्णु और महेश, त्रिदेवों की जब महर्षि भृगु ने परीक्षा ली, तब उन्होंने विष्णुजी को ही सर्वाधिक संयमी पाया। चातुर्मास में हम यदि भगवान विष्णु को अपना गुरु बनाकर उनसे संयम की शिक्षा लें, तो हमारी साधना पूर्ण होगी और चातुर्मास का अनुष्ठान भी फलीभूत होगा। जीवन में सफलता के लिए संयम सर्वाधिक आवश्यक है।

धर्मशास्त्र अनुसार जो व्यक्ति चातुर्मास में अपनी किसी प्रिय वस्तु को त्यागकर संयम की साधना करता है, वह निश्चित रूप से ईश्वर का प्रिय बनता है। चातुर्मास में अपनी प्रिय वस्तु के त्याग का विधान ऋषि-मुनियों ने मनुष्य को संयम का अभ्यास कराने के उद्देश्य से ही बनाया है, क्योंकि वे जानते थे कि संयम के अभाव में हम अपने मन के गुलाम बन जाते हैं। कलियुग में हमारे दुःखों की मुख्य वजह भी यही है कि हम अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाते। संयम के अंकुश से मन सदा सही रास्ते पर चलता है, संयम का कवच धारण किए हुए मानव को कोई भी मजबूरी, कैसी भी परिस्थिति अपने पथ से डिगा नहीं सकती।

संपूर्ण सृष्टि के पालनहार श्री हरि भगवान विष्णु प्रत्येक वर्ष आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की एकादशी से चार मास के लिए योगनिद्रा में लीन रहते हैं, योग निद्रा संयम की महासाधना है। चार मास योग निद्रा में लीन होने के उपरांत कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की एकादशी को भगवान विष्णु जागते हैं, इसलिए भगवान को जागृत होने की इस विशेष तिथि को श्रीहरि-प्रबोधिनी, देवोत्थान एकादशी के नाम से जाना जाता है। धर्म शास्त्र अनुसार देवशयनी एकादशी और देवोत्थान एकादशी, इन दोनों तिथियों के मध्य की चार मास की अवधि को 'चातुर्मास' का नाम दिया गया है।

क्यों चातुर्मास में होते हैं शुभ कार्य निषेध– धर्मग्रंथों में चातुर्मास में विवाह, मुंडन, यज्ञोपवीत, नवगृह प्रवेश आदि शुभ कार्यों को न करने की बात कही गई है। इन कार्यों को वर्जित किए जाने के पीछे विद्वानों द्वारा मुख्य तर्क दिया जाता है कि प्रत्येक मांगलिक कार्य में भगवान विष्णु को साक्षी मानकर संकल्प लिया जाता है। चातुर्मास में चूंकि श्रीहरि योगनिद्रालीन रहते हैं, इसलिए उनका आवाहन करना समाधि, योगनिद्रा को भंग करना है। मान्यता है कि श्रीहरि लोक कल्याण हेतु यह महासमाधि लेते हैं और लोगों को संयम की शिक्षा देते है।

किस ग्रह के लिए कौन सा रत्न पहनना चाहिए?

ज्योतिष शास्त्र में रत्नों का बहुत महत्व माना जाता है। कुंडली में ग्रहों की स्थिति देखकर ही ज्योतिषी रत्न बताते हैं कि कौन सा रत्न पहनना है। हर रत्न का अपना अलग महत्व और काम होता है। रत्न शास्त्र में नवग्रहों के लिए 9 रत्न भी बताए गए हैं। इन रत्नों का इस्तेमाल करने से कुंडली में नवग्रहों की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही, कौन सा रत्न किस ग्रह के लिए धारण करना चाहिए, इसके बारे में भी ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है।

सूर्य ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, माणिक रत्न सूर्य का रत्न है। मान्यता है इसे धारण करने से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होती है।

चंद्र ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मोती रत्न चंद्रमा का रत्न है। मान्यता है इसे धारण करने से मन शांत होता है और भावनात्मक स्थिरता आती है।

मंगल ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मूंगा रत्न मंगल का रत्न है। धार्मिक मान्यता है कि इसे धारण करने से साहस और ऊर्जा में वृद्धि होती है।

बुध ग्रह का रत्न कौन सा है?

पन्ना रत्न बुध का रत्न है। रत्न शास्त्र के मुताबिक, इसे धारण करने से बुद्धि और वाक पटुता में सुधार होता है।

गुरु ग्रह का रत्न कौन सा है?

रत्न शास्त्र के मुताबिक, पुखराज रत्न गुरु का रत्न है। कहते हैं कि इसे धारण करने से ज्ञान और समृद्धि में वृद्धि होती है।

शुक्र ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो हीरा रत्न शुक्र का रत्न है। ऐसा माना जाता है कि इसे धारण करने से सुख, समृद्धि और प्रेम में वृद्धि होती है।

शनि ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नीलम रत्न शनि का रत्न है, इसे धारण करने से शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और अनुशासन में वृद्धि होती है।

राहु ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गोमेद रत्न राहु का रत्न है। मान्यता है कि इसे धारण करने से राहु के अशुभ प्रभाव कम होते हैं।

केतु ग्रह का रत्न कौन सा है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लहसुनिया रत्न केतु का रत्न है। मान्यता है कि इसे धारण करने से केतु के अशुभ प्रभाव कम होते हैं।

चातुर्मास में रोजाना तुलसी पर दीपक जलाने के ये पांच फायदे

चातुर्मास की अवधि में भगवान विष्णु की पूजा का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। दरअसल 4 महीने की इस अवधि में भगवान विष्णु शयन की मुद्रा में होते हैं। इन 4 महीनों में भगवान विष्णु की पूजा करने से आपको उनकी कृपा का विशेष लाभ होता है। तुलसी को विष्णुप्रिया माना गया है। चातुर्मास में तुलसी की पूजा करना भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का प्रभावशाली माध्यम माना गया है। देवशयनी एकादशी से चातुर्मास का आरंभ हो चुका है और यह अवधि कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी पर समाप्त होगा। चार महीने की इस अवधि में तुलसी की सेवा करने से भगवान विष्णु भी प्रसन्न होते हैं।

भगवान विष्णु और लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है

तुलसी माता भगवान विष्णु की प्राणप्रिया हैं। चातुर्मास में तुलसी के समक्ष घी या तिल के तेल का दीपक जलाना, विष्णु और लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त करने का माध्यम बनता है। यह उपाय कष्ट, दरिद्रता और क्लेश को दूर कर सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य का द्वार खोलता है।

घर में सकारात्मक ऊर्जा और शांति का संचार होता है

तुलसी स्वयं में एक ऊर्जावान वायुवृक्ष हैं, और जब उनके पास दीपक जलाया जाता है, तो वह घर की नकारात्मकता, क्लेश और मानसिक अशांति को दूर करता है। यह वातावरण को सात्त्विक और देवपूजन योग्य बनाता है, जिससे घर में शांति, मधुरता और पारिवारिक मेलजोल बना रहता है।

धन, भाग्य और स्वास्थ्य में सुधार होता है

तुलसी पर जलाया गया दीपक ग्रहों की अशुभता को शांत करता है, विशेषकर यदि यह दीपक गाय के घी से जलाया जाए। इससे बृहस्पति और शुक्र ग्रह मजबूत होते हैं, जो धन, विवाह, संतान और विद्या के लिए अनुकूलता लाते हैं। नियमित दीपदान से आर्थिक स्थिरता और आरोग्य दोनों का लाभ मिलता है।

आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक जागरण होता है

चातुर्मास आत्मिक साधना का काल है। तुलसी पर दीपक जलाने से व्यक्ति का मन भक्ति और ध्यान में रमता है। यह चिंतन, मनन और आत्मशुद्धि में सहायक होता है। इससे साधक को एकाग्रता, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक प्रगति प्राप्त होती है।

पितृदोष, बृहस्पति दोष और रोग दोषों का शमन होता है

जिन लोगों की कुंडली में पितृदोष, गुरु दोष या बार-बार बीमारियों की स्थितियाँ बनी रहती हैं, उनके लिए चातुर्मास में तुलसी के सामने दीपक जलाना एक शक्तिशाली ज्योतिषीय उपाय है। यह पूर्वजों की कृपा पाने का मार्ग है और परिवार की पीढ़ियों को शांति देता है।

तुलसी पर दीपक जलाने में इन बातों का रखें ध्यान

तुलसी के पास सायं काल में दीपक जलाएं, प्रातः काल केवल जल अर्पित करें। दीपक में गाय का घी या तिल का तेल प्रयोग करें। दीपक का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखें। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय या ॐ तुलस्यै नमः मंत्र का जप करें। दीपक के साथ ताजे पुष्प या तुलसी पत्र भी चढ़ाएं।

मंगल गोचर कन्या राशि में, अब मेष, मिथुन सहित इन राशियों का होगा मंगल ही मंगल, बढ़ेगी धन संपत्ति

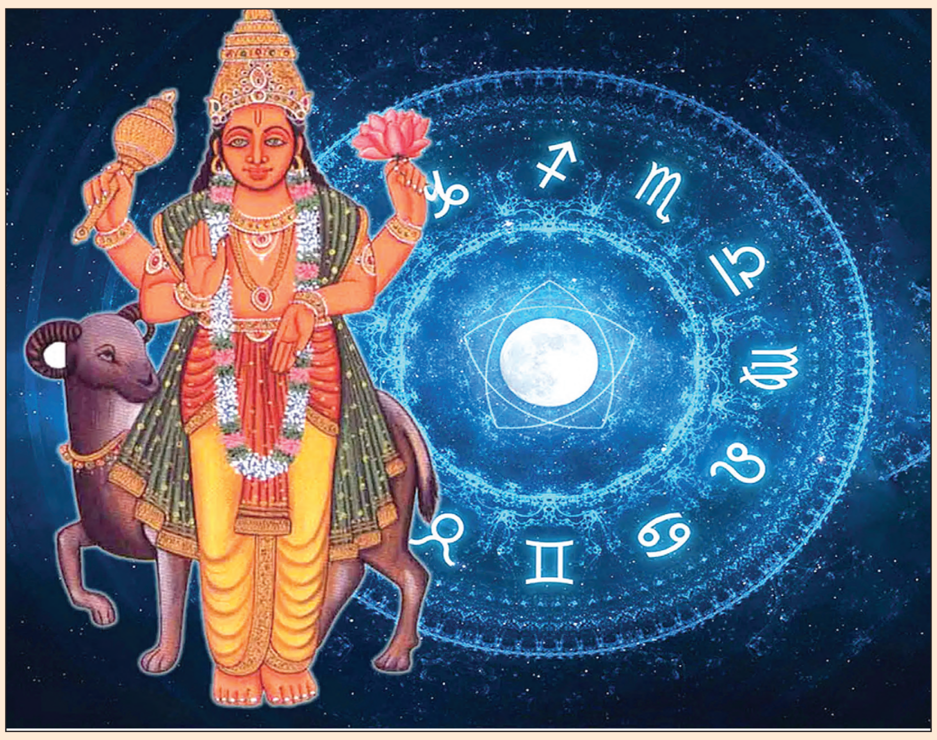

मंगल गोचर कन्या राशि में 28 जुलाई को होने जा रहा है। ज्योतिष शास्त्र में मंगल और बुध के संबंध मिलेजुले परिणाम देने वाले बताए गए हैं। हालांकि, मंगल बुध के साथ शत्रु भाव रखते हैं जबकि बुध मंगल के साथ सम भाव रखते हैं। मंगल एक अग्नि तत्व ग्रह हैं और सिंह राशि भी अग्नि तत्व राशि है और सिंह राशि में केतु और मंगल की युति बनी हुई है। ऐसे में मंगल का भाव ज्यादा उग्र हो गया है जबकि मंगल का कन्या राशि में गोचर होने से मंगल की उग्रता में कमी आएगी। साथ ही मंगल का शुभ प्रभाव मेष, मिथुन सहित 5 राशियों को मिलेगा। मंगल इन राशि के जातकों को ऊर्जावान और साहसी बनाएंगे जिसका लाभ इन राशि के जातकों को करियर में बड़ा सफलता और कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

मेष राशिवालों को मिलेंगी कई खुशियां

मंगल का गोचर मेष राशिवालों के 7वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मेष राशि के जातकों को निजी और पेशेवर जीवन में कई अवसर मिलने वाले हैं। इस राशि के वैवाहिक जातकों को अपने जीवन में खुशियां मिलेंगी और जीवनसाथी का सहयोग भी आपको मिलेगा। समाज में आपके मान सम्मान में कई गुना बढ़ोतरी होगी और आप अपनी समझदारी से कई परेशानियों को सुलझाने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई नौकरी मिलने की संभावना हैं और इस राशि के जो लोग बेरोजगार हैं उन्हें मनचाही सफलता मिल सकती है। अगर आपके निजी जीवन में भी समस्याएं आ रही हैं तो अब आपको राहत मिलने लगेगी।

मिथुन राशिवालों को मिलेगा संपत्ति का सुख

मंगल का गोचर मिथुन राशिवालों के चौथे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मिथुन राशि के जातकों को मंगल का गोचर साहसी और निडर बनाएगा। आप इस दौरान बहुत ही साहसी निर्णय लेंगे और आपके जीवन में रचनात्मकता और उत्साह बना रहेगा। साथ ही अब आपके अपनी माता के साथ संबंध पहले से बेहतर होंगे। अगर माता को कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी चल रही थी तो अब उनकी सेहत में सुधार आएगा। परिवार वालों के साथ आपके संबंध पहले से मजबूत होंगे। आपको पैतृक संपत्ति से भी लाभ मिलने की संभावनाएं अधिक दिखाई दे रही है। इस दौरान आप नया वाहन आदि भी खरीद सकते हैं।

सिंह राशिवालों को निवेश से मिलेगा लाभ

सिंह राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर आर्थिक मामलों में बहुत ही शुभ रहने वाला है। क्योंकि, आज आपको निवेश से बड़ी कमाई मिलने के योग बन रहे हैं। साथ ही इस दौरान आप तेजी से मुनाफा कमा सकते हैं। मंगल आपको करियर में तरक्की के नए अवसर तो दिलाएंगे ही साथ ही आपको कोई बड़ी खुशखबरी भी दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को अब राहत मिलेगी और आपको पदोन्नति भी मिल सकती है। वहीं, आपके घर और परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। आप इस दौरान अपने परिवार के साथ तो समय बीताएंगे ही साथ ही दोस्तों के साथ भी अच्छे समय बीताएंगे। इस राशि के अविवाहित लोगों को विवाह के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। अब आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी निजात मिलेगा और अब आपकी सेहत पहले से अच्छी होगी।

कन्या राशिवालों को मिलेगा संपत्ति का सुख

मंगल का गोचर आपकी लग्न भाव में होने जा रहा है। ऐसे में कन्या राशि के जातकों को इस दौरान सुख समृद्धि और सफलता का सुख मिलेगा। साथ ही आपको संपत्ति लाभ के साथ साथ करियर में भी नए अवसर मिल सकते हैं। साथ ही आपको समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा मिलेगी। इस दौरान आपकी सोच से लोग प्रभावित होंगे और आप किसी भी चीज को आसानी से सीख लेंगे जिसका लाभ करियर में आपको देखने को मिलेगा। वहीं, इस दौरान आप घर और करियर दोनों में तालमेल अच्छा बनाकर रखेंगे और आज से आपको लाभ कमाने के भी अच्छे अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशिवालों के करियर को मिलेगी दिशा

मंगल का गोचर आपकी राशि के तीसरे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मंगल का गोचर वृश्चिक राशिवालों के लिए करियर के मामले में बहुत ही अच्छा अवसर दिलाएगा। आर्थिक मामलों में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। साथ ही आपको आर्थिक लाभ के साथ साथ कई ऐसे अवसर भी मिलेंगे जो आपके करियर को नई दिशा दे सकते हैं। साथ ही आपके वैवाहिक जीवन में भी सुख शांति बनी रहेगी। नौकरी और व्यवसाय में तरक्की के योग हैं। इस अवधि में आपको अप्रत्याशित स्रोतों से धन लाभ होगा। वृश्चिक राशि के जातकों की सामाजिक स्थिति में वृद्धि होगी और घर परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। हालांकि, छोटी मोटी स्वास्थ्य समस्या परेशान कर सकती है ऐसे में आपको थोड़ी समझदारी से काम करना होगा।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी और तुलसी का किरदार सिर्फ ट्रेंड नहीं, बना परंपरा: स्मृति ईरानी

अभिनेत्री और राजनेता स्मृति ईरानी एक बार फिर से टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में तुलसी विरानी के किरदार में वापसी कर रही हैं। इस शो ने पहले भारतीय टीवी पर लंबे समय तक राज किया था। शो के प्रभाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह शो एक पॉप-कल्चर बन गया था। लोग तुलसी जैसे किरदारों से जुड़ाव महसूस करते थे। शो और यह किरदार एक ट्रेंड नहीं, बल्कि लोगों के घरों की परंपरा बन गयी थी। स्मृति ईरानी ने कहा कि भले ही यह शो कई साल पहले आया था, लेकिन लोग आज भी इसे याद करते हैं और पसंद करते हैं। यह सीरियल और तुलसी का किरदार लाखों भारतीयों के दिलों में अपनी एक खास जगह बना चुके हैं।

उन्होंने शो के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने पहली बार तुलसी का किरदार निभाना शुरू किया, तब मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि उसकी कहानी इतनी दूर तक जाएगी। यह कहानी सिर्फ लोगों के घरों तक नहीं, बल्कि लाखों भारतीयों के दिलों तक पहुंची। तुलसी सिर्फ एक किरदार नहीं थी। वह लोगों के लिए एक बेटी, एक मां और एक दोस्त बन गई। बहुत से लोगों ने उसमें अपनी ताकत, त्याग और विश्वास की झलक देखी। एक्ट्रेस ने कहा कि साल 2000 के आस-पास, जब सोशल मीडिया या हैशटैग जैसी चीजें नहीं थीं, तब भी 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' इतना मशहूर हुआ कि वह सिर्फ एक ट्रेंड नहीं रहा, बल्कि लोगों के घरों की परंपरा बन गया। उन्होंने आगे कहा, इस शो ने कामयाबी के सारे रिकॉर्ड तोड़े, सिर्फ नंबरों से नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं से। परिवार के सभी सदस्य अपना सब काम छोड़कर एक साथ बैठकर यह शो देखते थे। तुलसी के नाम पर घरों में बहस होती थी, हंसी होती थी, आंसू बहते थे। जब मैं टीवी से चली भी गई, तब भी तुलसी लोगों के दिलों में जिंदा रही। लोग मुझे मेरे असली नाम 'स्मृति' से नहीं, बल्कि 'तुलसी' कहकर बुलाते रहे, क्योंकि तुलसी सिर्फ टीवी पर नहीं, बल्कि लोगों की यादों, आदतों और घरों का हिस्सा बनी। ऐसी पहचान कोई स्क्रिप्ट से नहीं मिलती, ये तो लोगों का प्यार होता है, जो हाथ जोड़कर और दिल से आभार के साथ स्वीकार करना पड़ता है। स्मृति ईरानी ने आगे कहा, अब सालों बाद, जिंदगी फिर से उसी मोड़ पर आ गई है। लेकिन ये वापसी बीते समय को दोहराने के लिए नहीं, बल्कि उस भावना को फिर से जगाने के लिए है, जो कभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई थी। अब तुलसी सिर्फ एक किरदार बनकर नहीं लौट रही, बल्कि एक भावना, एक याद और एक जुड़ाव बनकर वापस आ रही है, जो वक्त की कसौटी पर खरी उतरी है। आज के समय में, जहां कहानियां तो जल्दी शुरू होती हैं लेकिन उनका अर्थ लोग जल्दी भूल जाते हैं, इस शो की वापसी एक निमंत्रण है, थोड़ा रुकने का, पुरानी यादों को जीने का और फिर से कुछ महसूस करने का।''

150 करोड़ क्लब में शामिल हुई आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर बॉलीवुड

स्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है।आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुयी है। यह फिल्म वर्ष 2007 की क्लासिक तारे ज़मीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल कही जा रही है। आमिर खान ने वर्ष 2022 में प्रदर्शित फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की असफलता के बाद फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। आमिर ने 'सितारे जमीन पर' के जरिए शानदार वापसी की है।हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।फिल्म 'सितारे जमीन पर'बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 'सितारे ज़मीन पर' ने दर्शकों का दिल छू लिया है। आमिर खान ने अपनी इस फिल्म से एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे सही मायनो में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट हैं।ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'सितारे जमीन पर ' ने 18 दिनों में 150 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।फिल्म सितारे जमीन पर में 10 नए चेहरों की धमाकेदार लॉन्चिंग हुयी है।आमिर खान प्रोडक्शंस प्रस्तुत इस फिल्म में 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर हैं। 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं। इस फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन आर. एस. प्रसन्ना ने किया है।

'वीर हनुमान' शो ने पूरे किए 100 एपिसोड

सोनी सब के पौराणिक शो वीर हनुमान ने एक महत्व-पूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं।शो वीर हनुमान लगातार दर्शकों को भगवान हनुमान की यात्रा की प्रेरणादायक और प्रभावशाली कहानियों से समृद्ध करता आ रहा है। इस दिव्य गाथा के केंद्र में हैं आन तिवारी, जिनका बाल हनुमान के रूप में सजीव और भावपूर्ण अभिनय दर्शकों के दिल को छू गया है और जिन्होंने पराक्रम, भक्ति और धर्म के गुणों को जीवंत किया है। शो में सायली सालुंखे माता अंजनी के रूप में, आरव चौधरी राजा केसरी के रूप में, माहिर पांधी बाली और सुग्रीव की दोहरी भूमिका में, और तन्मय ऋषि भगवान राम के रूप में नज़र आते हैं।इस खास मौके को सेलिब्रेट करते हुए, पूरी टीम ने सेट पर एक साथ आकर केक काटा और इस उपलब्धि को उत्साह और आत्मीयता से मनाया। टीम ने दर्शकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उन्हें आगे भी ऐसा ही प्यार और समर्थन मिलता रहेगा।बाल हनुमान का किरदार निभा रहे आन तिवारी ने कहा, मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हमारा शो 100 एपिसोड पूरे कर चुका है! हनुमान जी का किरदार निभाते हुए मैंने बहादुरी और दया सीखी है। जब लोग हमें देखकर मुस्कराते हैं, तो बहुत गर्व महसूस होता है।भगवान राम का किरदार निभा रहे तन्मय ऋषि ने कहा, यह जानकर बहुत अच्छा लगता है कि हमने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं! मुझे इस शो में काम करके भगवान राम के जीवन के बारे में जानने और अभिनय करने में बहुत मज़ा आता है। सभी दर्शकों का धन्यवाद जो हमें रोज़ देखते हैं।राजा केसरी की भूमिका निभा रहे आरव चौधरी ने कहा , 100 एपिसोड पूरे करना हम सभी के लिए एक दिल छू लेने वाली उपलब्धि है। 'वीर हनुमान' की कथा हर आयु वर्ग के लिए प्रेरणादायक है, और हनुमान जी के पिता केसरी का किरदार निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि मैं स्वयं हनुमान जी का भक्त हूं। दर्शकों के प्रेम और टीम की मेहनत का आभारी हूं, जिसकी वजह से हम यहां तक पहुंचे हैं।'वीर हनुमान', सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

31 जुलाई को रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंगडम' 31 जुलाई को रिलीज होगीविजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म 'किंगडम' की रिलीज डेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज तारीख की घोषणा कर दी है।विजय देवरकोंडा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जो उनकी आगामी फिल्म 'किंगडम' का नया प्रोमो है। इसकी शुरुआत में विजय को ऑफिसर की वर्दी में देखा गया। हालांकि, इसके बाद विजय को कैदी के अवतार में भी दिखाया गया, जिसमें वो अपने हक की लड़ाई लड़ते दिख रहे हैं। विजय ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि 'किंगडम' 31 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज होगी।फिल्म किंगडममें विजय देवरकोंडा के अलावा भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी ने किया है। फिल्म को सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा के बैनर तले नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

साइको सइयां का मेरे करियर में बड़ा योगदान :

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पू
'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करि
रखता है। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके
थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उ
सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको
डांस करती नजर आईं।ङ्कयह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिल
'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विज
नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजी
किया था।ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल
हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गा
रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि
'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गान
है।उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन

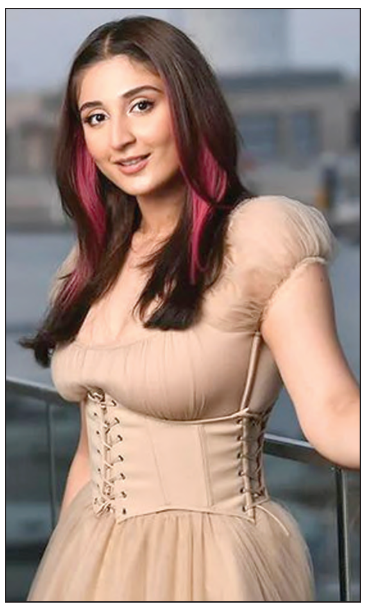

उनकी टीम ने उनका हौसल
बढ़ाया।इस गाने के लिए ध्वनि ने
संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ
काम किया और हर भाषा में शब्द
का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के
दौरान उनकी मुलाकात प्रभास अ
श्रद्धा कपूर से हुई।

ध्वनि ने बताया, कई लोगों ने मु
कहा कि मेरी आवाज श्रद्धा के लिए ए
सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने
है। ध्वनि ने इस गाने को करियर क
बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई उ
पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब
गायक सचेत टंडन के साथ मिलक
को प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिय
लिखा, जब मैं अपने शोज में या सो
इस गाने पर गाते-नाचते देखती हूं,
एहसास होता है।

पंजाबी की तुलना में तेलुगू फिल्म सेट पर रहती है ज्यादा गंभीरता : यामिनी मल्होत्रा

अभिनेत्री यामिनी मल्होत्रा पंजाबी के साथ ही तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के काम करने के तौर-तरीकों में बड़ा अंतर बताया। यामिनी के अनुसार, पंजाबी फिल्मों के सेट किसी बड़े शादी फंक्शन जैसे होते हैं, जबकि तेलुगू सेट पर सख्त प्रोफेशनल माहौल रहता है। उन्होंने कहा, पंजाबी फिल्म की शूटिंग किसी शादी फंक्शन की तरह है। हर कोई उत्साह से भरा होता है। खाना, हंसी-मजाक और म्यूजिक का माहौल रहता है। काम के बावजूद यह परिवार के एकजुट होने जैसा लगता है। शूटिंग के बाद लोग साथ में समय बिताते हैं, रिश्ते बनते हैं और माहौल बेहद दोस्ती भरा होता है।वहीं, तेलुगू सेट्स के बारे में यामिनी का अनुभव बिल्कुल अलग है। उन्होंने बताया, तेलुगू सेट्स पर नियम और सटीकता की सख्ती होती है। हर कोई अपना काम करने के बाद वैनिटी वैन में चला जाता है। आपस में बातचीत बहुत कम होती है। माहौल पूरी तरह प्रोफेशनल और कभी-कभी मशीन जैसा लगता है। 'बिग बॉस 18' की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी दोनों इंडस्ट्री की खासियतों को पसंद करती हैं। उनके हिसाब से फिल्म के अनुसार माहौल का भी निर्धारण होता है। वे पंजाबी सेट्स की गर्मजोशी और तेलुगू सेट्स की दक्षता, दोनों का आनंद लेती हैं।यामिनी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'चिल मारना ब्रो' जल्द रिलीज होगी। तेजस दत्तानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें ढेर सारे ट्विस्ट्स और हंसी-मजाक का तड़का है। यामिनी ने बताया, एक्टिंग मेरा पैशन है। बॉलीवुड में कदम रखना मेरा सपना था, जो अब पूरा हो रहा है। फिल्म की कहानी मजेदार है, जिसमें कॉमेडी और ट्विस्ट्स का शानदार मिक्सअप है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरुरी सामान को एक बार जरुर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भा–गदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जी–वनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 जुलाई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 01:39 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 04:50 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 10:08 तक
करण : गर दोपहर 01:13 तक
चन्द्र राशि : धनु
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 04:50 तक , भद्रा रात्रि 01:37 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भिक्षु स्वामी के अहिंसा और अनेकांतवाद के सिद्धांत आज की जरूरत : सैनी

चंडीगढ़, 08 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुषों के विचार और सिद्धांत आज भी हमें जीवन जीने की सही दिशा दिखाते हैं। यदि हम उनके आदर्शों को अपनाएं और अपने आचरण में उतारें, तो एक नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण संभव है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण होगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा। यदि हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए एक मजबूत, नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण सबसे पहली आवश्यकता है। महापुरुषों की प्रेरणा से ही हम यह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी की 300वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंचासीन परम श्रद्धेय मुनिश्री विनय कुमार आलोक जी, मुनिश्री सुधाकर जी, मुनिश्री अभय कुमार आलोक जी, मुनिश्री नरेश जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द ब्रह्मचारी जी महाराज सहित समस्त मुनिजनों को सादर नमन किया और कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पावन अवसर पर तेरापंथी समाज के श्रद्धालुओं के बीच आने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि देश की धरा संतों की धरा है। संतों के कारण ही हमारी संस्कृति जीवित है। मुख्यमंत्री ने जैन मुनियों की तपस्वी जीवनचर्या की सराहना करते हुए कहा कि वे भौतिकवादी युग में त्याग और संयम की प्रतिमूर्ति हैं। तीर्थंकरों और मुनियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत आज भी मानव समाज को दिशा देने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी केवल एक मुनि नहीं, बल्कि एक साहसी और क्रांतिकारी विचारक थे। उन्होंने धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर चोट की और अध्यात्म को तर्कसंगत दिशा दी। विक्रम संवत 1783 में कंटालिया गांव में जन्मे 'भीखण' का आचार्य बनने तक का जीवन त्याग, तपस्या और सत्य की साधना से भरा हुआ था। उन्होंने विक्रम संवत् 1817 में तेरापंथ की स्थापना की, जो केवल एक पंथ की शुरुआत नहीं थी, बल्कि धर्म को उसके सबसे शुद्ध रूप में पुनः स्थापित करने का एक साहसी आंदोलन था। 'एक आचार्य, एक विधान और एक विचार' का सिद्धांत तेरापंथ का आधार बना, जो अनुशासन, एकता और निष्ठा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु जी की शिक्षाएं आज के युग में भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि अहिंसा केवल मारपीट न करना ही नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म से पवित्र होना ही सच्ची अहिंसा है। आज के तनावपूर्ण और असहिष्णुता से भरे माहौल में यह विचार समाज को जोड़ने का काम कर सकता है। उन्होंने अनेकांतवाद की चर्चा करते हुए कहा कि यह दर्शन लोकतंत्र की आत्मा है, जो विभिन्न दृष्टिकोणों के सम्मान की प्रेरणा देता है। अपरिग्रह का संदेश आज की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति, संग्रह और भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक नैतिक आधार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु जी मानते थे कि जब व्यक्ति सुधरेगा, तब समाज और राष्ट्र भी अपने आप सुधर जाएगा। हमारा भी यही विश्वास है कि राष्ट्र का सशक्त निर्माण नैतिक मूल्यों की नींव पर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लें, उनके विचारों को पढ़ें और समझें। उनका जीवन निडरता, सच्चाई, संयम और देशसेवा की अद्भुत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, और यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब समाज चरित्रवान, संयमी और नैतिक मूल्यों से युक्त हो।

इस अवसर पर मुनि श्री विनय कुमार आलोक एवं मुनिश्री सुधाकर जी ने मुनि श्री भिक्षु जी महाराज के जीवन एवं तेरापंथ के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की शिक्षाओं पर बोलना आसान है, परंतु उन शिक्षाओं को जीवन में अमल में लाना कठिन कार्य है। हम सभी को उनकी वाणी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। तेरापंथ की मुख्य विशेषता 'एक गुरु, एक विधान' है तथा पंथ के अनुयायी अपने गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा रखते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने लापरवाही के चलते ऊर्जा विभाग के छह कर्मचारी निलंबित

चंडीगढ़, 08 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने गांव हैबतपुर थाना निगदु, जिला करनाल में राजेश कुमार नामक एक युवक की खेत में बिजली का करंट लगने से मृत्यु होने पर कड़ा संज्ञान लेते हुए एसडीओ सहित छह कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश जारी किए। कार्रवाई मोहित एसडीओ, सुनिल जेई, दीपक, अजीत, सत्यवान और विकास लाईनमैन के खिलाफ की गई है।

इस संबंध में आज चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि गांव हैबतपुर के राजेश कुमार नामक एक युवक की खेत में बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई है। इस संबंध में दिनांक 6 जुलाई, 2025 को थाना निगदू में मोहित एसडीओ, सुनिल जेई, दीपक, अजीत, सत्यवान और विकास लाईनमैन के विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है, जिसमें शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार ने बताया है कि खेत में जो तारें नीचे लटकी हुई हैं उन्हें ठीक करने के लिए एसडीओ, जेई और लाईनमैन को मृतक और प्रदीप कुमार ने कई बार शिकायत की थी। परन्तु इस बारे उनके द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई, जिस कारण राजेश कुमार की खेत में बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई है।

उन्होंने बताया कि खेत में तार टूटने के मामले में तार लगभग 5 फिट ही ऊंची थी और संबंधित कर्मचारियों ने तार को ऊंचा नहीं किया। जिस कारण किसान सुबह खेत में गया और उसकी तार से टकराकर मृत्यु हो गई, जोकि ये बहुत बड़ी लापरवाही है। इसलिए इस मामले में तुरंत प्रभाव से इन कर्मचारियों को निलंबित किया गया है।

जरूरत के वक्त फिर खाद देने में नाकाम साबित हुई भाजपा : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 08 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ड्धङ को लेकर होने वाली प्रस्तावित बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार को अब इन बैठकों के दौर से आगे बढ़ना चाहिए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला लंबे टाइम पहले हरियाणा के पक्ष में आ चुका है। हरियाणा के हिस्से का पानी दिलवाने की जिम्मेदारी कोर्ट ने केंद्र सरकार को सौंपी थी। हरियाणा और केंद्र दोनों जगह, बीजेपी की सरकार है। ऐसे में अब तक हरियाणा को उसके हिस्से का पानी मिल जाना चाहिए था। लेकिन बीजेपी के हरियाणा विरोधी रवैये के चलते यह नहीं हो पाया। अब अगर सरकार इसके बारे में बात कर रही है तो उसे सीधे कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट का मुकदमा दायर करना चाहिए।

हुड्डा पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार एकबार फिर किसानों को वक्त पर खाद देने में नाकाम साबित हुई है। एकबार फिर अपने खेत व काम धंधा छोड़कर किसान, कभी ना खत्म होने वाली लंबी लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर है। डीएपी नहीं मिलने की वजह से किसान मारे–मारे फिर रहे हैं और फसलों पर खराबे का खतरा मंडरा रहा है। डीएपी की किल्लत पर चिंता जाहिर करते हुए हुड्डा ने कहा कि जब से प्रदेश में बीजेपी सरकार आई है, तभी से हमारे किसान एमएसपी, खाद और बीज के लिए तरस रहे हैं। केंद्र और प्रदेश दोनों जगह बीजेपी की डबल इंजन वाली सरकार होने का किसानों डबल खामियाजा उठाना पड़ रहा है। खरीफ फसल के लिए केंद्र से हरियाणा को मिलने वाली खाद के आधे से भी कम स्टॉक की सप्लाई हुई है। क्योंकि हरियाणा को लगभग 14 लाख मिट्रिक टन खाद मिलनी थी, लेकिन हालात स्पष्ट बताते हैं कि अभी आधी भी खाद उपलब्ध नहीं हो पाई है।

इसीलिए सुबेरे से शाम तक कतारों में इंताजार करने के बावजूद किसानों को खाली हाथ वापिस लौटना पड़ रहा है। हर बार सीजन के समय सरकार जानबूझकर ऐसे हालात बना देती है कि मजबूरी में किसानों को सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ता है और परिवार के छोटे बच्चों व महिलाओं तक को कतारों में खड़ा करना पड़ता है। बीजेपी प्रदेश के इतिहास में इकलौती ऐसी सरकार है, जिसके कार्यकाल के दौरान पुलिस सुरक्षा के बीच खाद बांटनी पड़ती है। सरकार की बदइंतजामी के चलते किसानों को कालाबाजारी और उत्पादन में घाटे का शिकार होना पड़ता है।

मुहर्रम जुलूस में खूनी झड़प : पुलिस ने 8 घंटे में सुलझाई नाबालिग शाहरुख की हत्या की गुत्थी, 3 गिरफ्तार

चूरू, 08 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू शहर में मुहर्रम के ताजियों का जुलूस उस वक्त खूनी खेल में बदल गया, जब एक नाबालिग युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया। हालांकि, चूरू कोतवाली पुलिस ने महज 8 घंटे के भीतर इस जघन्य हत्याकांड की गुत्थी सुलझाकर अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया। पुलिस ने इस मामले में 3 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 8 बाल अपचारियों को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जय यादव ने घटना का विस्तृत ब्यौरा देते हुए बताया कि यह दिल दहला देने वाली वारदात 6 जुलाई 2025 की देर रात की है। मोहम्मद सैयद का नाबालिग पुत्र शाहरुख मुहर्रम के ताजियों के जुलूस में शामिल होने के लिए अपने घर से निकला था। रात करीब 11 बजे, पिता मोहम्मद सैयद को एक फोन आया, जिसने उन्हें सूचना दी कि सब्जी मंडी पार्क के पास नारू जी सिंधी की नई दुकान के सामने शाहरुख पर 10–15 लड़कों के एक समूह ने लाठियों और सरियों से जानलेवा हमला कर दिया है। घायल शाहरुख को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि शाहरुख के सिर के पीछे और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई गंभीर चोटें थीं, जो हमले की बर्बरता को दर्शाती हैं।

इस मामले में मृतक नाबालिग के ताऊ कादर चौहान की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। एसपी जय यादव ने इस गंभीर प्रकरण को एक चुनौती के रूप में लिया और अधिकारियों को तत्काल इसका खुलासा करने के सख्त निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल और वृत्ताधिकारी सुनील कुमार झाझड़िया के मार्गदर्शन में, थानाधिकारी सुखराम चोटिया के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने तीन विशेष टीमों का गठन किया।इन टीमों ने बिना वक्त गंवाए घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से मुआयना किया, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, और एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम से घटनास्थल का निरीक्षण करवाया। साइबर और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को इकट्ठा करते हुए, पुलिस ने तेजी से सूचनाएं संकलित कीं, जिसके परिणामस्वरूप शाहरुख खान पर हमला करने वाले और उसकी हत्या करने वाले पूरे समूह को ट्रेस आउट कर लिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि इस जघन्य अपराध में कुल 3 वयस्क आरोपी और 8 बाल अपचारी शामिल थे। पुलिस ने अपनी मुस्तैदी दिखाते हुए तीनों मुख्य आरोपियों– इस्लाम पुत्र असलम, पिंटू लुहार पुत्र विनोद कुमार (उम्र 18) निवासी वार्ड नंबर 02 गायत्री नगर, और शोएब पुत्र मोहम्मद आरिफ (उम्र 18) निवासी वार्ड नंबर 05, छिपों की मस्जिद के पास चूरू – को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही, आठ बाल अपचारियों को भी निरुद्ध कर उनसे पूछताछ की जा रही है।पुलिस ने मेडिकल बोर्ड द्वारा मृतक शाहरुख खान का पोस्टमार्टम भी करवाया है और मामले में आगे की विस्तृत जांच जारी है ताकि अपराध के पीछे के सभी पहलुओं को उजागर किया जा सके।

तेज़ी से होंगी सड़क परियोजनाएं पूरी, जनता को मिलेगा सीधा लाभ : दिया कुमारी

जयपुर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित अजमेर ज़ोन की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि बजट 2024–25 की घोषणाओं को शीघ्र पूरा किया जाए, तथा बजट 2025–26 में की गई घोषणाओं पर निविदा प्रक्रिया तत्काल पूरी कर कार्य प्रारंभ करवाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

बैठक में अजमेर ज़ोन के अंतर्गत आने वाले अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना और ब्यावर जिलों की सड़कों और भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के दौरान यदि कहीं सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं, तो अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर तुरंत मरम्मत कार्य करवाएं, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी के कार्यों की प्रगति की निगरानी हेतु हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। बैठक में एनएचएआई, राष्ट्रीय राजमार्ग, राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, राजस्थान स्टेट हाईवे अथॉरिटी, पेचेबल, नॉन–पेचेबल व मिसिंग लिंक जैसी विभिन्न श्रेणियों की सड़क परियोजनाओं के साथ भवन निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

अंतिम पायदान के व्यक्ति के सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार पूर्ण रूप से समर्पित : भजनलाल

जयपुर, 08 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर व्यक्ति–हर परिवार को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उनकी सेवा करना हमारी सरकार का सर्वोच्च ध्येय है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा इसी दिशा में हमारा एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरे समर्पण और निष्ठा से काम कर रही है। शर्मा मंगलवार को बीकानेर में श्रीडूंगरगढ़ के गुसांईसर बड़ा गांव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल शिविर के अंतर्गत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान से ही देश–प्रदेश का समग्र विकास संभव है। उनकी इस भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने वंचितों को वरीयता देते हुए अपनी नीति एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा इसी रूपरेखा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में 24 जून से 9 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में किसान, युवा, महिला एवं मजदूर सहित सभी वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। इन शिविरों में नामांतरण, बंटवारे, रास्ते के प्रकरण, पशु टीकाकरण, पानी टंकियों की सफाई, लीकेज मरम्मत, बिजली के झूलते तारों का दुरूस्तीकरण जैसे कई जरूरत के काम तत्–परता से किए जा रहे हैं। जिनसे आमजन को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं आसानी से मिल रही हैं। शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास तेजी से कर रही है। महिला कल्याण को प्रमुख प्राथमिकता देते हुए नीतियों एवं योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरण, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना आदि के माध्यम से महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। हमने डेढ़ वर्ष के अल्प कार्यकाल में 69 हजार पदों पर नियुक्तियां दी है और लगभग 1 लाख 88 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल में पेपरलीक का एक भी प्रकरण सामने नहीं आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गोपाल क्रेडिट कार्ड और किसान सम्मान निधि जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाया। साथ ही, किसानों की मांग के अनुरूप मूंगफली की खरीद के लिए निर्धारित समय को भी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए हम रामजल सेतु लिंक परियोजना (ईआरसीपी) और यमुना जल समझौता पर तेजी से कार्य कर रहे हैं। साथ ही, हमने इंदिरा गांधी और गंगनहर परियोजना के विकास कार्य के लिए भी 4 हजार करोड़ रुपये दिए हैं। वहीं, हम किसानों को वर्ष 2027 तक दिन के समय में बिजली उपलब्ध कराने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों के साथ हो रहे अत्याचार की निंदा

सीरवी समाज ने कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

पाली/शुभ लाभ ब्यूरो।

महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों के साथ भाषाई आधार पर हो रही मारपीट एवं भेदभाव करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग को लेकर अखिल भारतीय सीरवी समाज के लोगों ने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर एल एन मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय सीरवी समाज के सुरेश चौधरी ने बताया कि हाल के दिनों में महाराष्ट्र राज्य, विशेष रूप से मुंबई, पुणे तथा अन्य शहरी क्षेत्रों में उत्तर भारत से राजस्थान निवासी मारवाडी व्यापारी एवं कामगारों भाइयों के साथ भाषाई आधारवाली राजनैतिक पार्टिया आए दिन दुर्व्यवहार, मारपीट एवं भेदभाव की घंटनाओं को अंजाम दे रही हैं। इन घटनाओं में भाषाई आधारवाली राजनैतिक पार्टियों के

कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तर भारतीयों को केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि उत्तर भारतीय मराठी न बोलकर हिंदी बोलते हैं। जबकि उत्तर भारतीय मराठी भाषा, रहन-सहन और कार्यशैली एवं स्थानीय संस्कृति को हमेशा आदर सत्कार के साथ अपने दैनिक जीवन में अपनाते हैं। उत्तर भारतीय भारत के महापुरुष महाराणा प्रताप एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलने वाले है, आजाद भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को दूसरी भाषा बोलने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। अगर किसी को मराठी नहीं आती तो समझाइश कर सकते हैं, निवेदन कर सकते हैं। मारपीट करना उचित नहीं हैं। यह भारत के संविधान की मूल भावना-एकता, समानता और विविधता में एकता के विरुद्ध है। हमारी राष्ट्रपति एवं महाराष्ट्र सरकार से यही मांग हैं की इस तरह की घटना दोबारा न हो एवं इस घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश चौधरी, परगना समिति उपाध्यक्ष पुनाराम राठौड, रमेश करणावा, रामलाल सैणचा गांधीधाम, सुरेश पी चौधरी इसाली, हरिराम सीरवी काला पीपल की ढाणी, घीसुलाल सीरवी गीरादड़ा, अमराराम राठौड़, दिनेश परिहार, मोहनलाल भायल, रतनलाल राठौड़, प्रहलाद लच्छेटा, नारायण मुलेवा, एडवोकेट मोहनलाल सीरवी, हरीश सुरायता, अनिल चौधरी, ताराराम चौधरी, कानाराम चोयल, भेराराम पंवार, जोधाराम चौधरी, धन्नजय चौधरी, जितेंद्र चौधरी, नाथूराम मुलेवा, मानाराम काग, गोपाल सीरवी, मनोहर सीरवी समित समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डीके में मलेरिया के मामलों में वृद्धि

दूसरे राज्यों से आए प्रवासी श्रमिक अधिकतर संक्रमित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ में डेंगू के साथ-साथ मलेरिया के मामलों में भी वृद्धि देखी गई है, जिसमें उल्लेखनीय संख्या में मरीज राज्य के बाहर से हैं। पिछले छह महीनों में रिपोर्ट किए गए 75 मलेरिया मामलों में से 46 मरीज प्रवासी श्रमिक हैं, जबकि 29 स्थानीय हैं। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मलेरिया के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इन राज्यों से तटीय कर्नाटक में आने वाले कई श्रमिकों में स्वास्थ्य जांच के दौरान मलेरिया पाया जा रहा है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रवासी श्रमिकों की निगरानी बढ़ा दी है। ट्रेन से आने वाले श्रमिकों में अक्सर बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जिससे मच्छरों के माध्यम से बीमारी फैलने का खतरा होता है। निर्माण कार्यों में काम करने से पहले प्रवासी श्रमिकों की मलेरिया जांच सुनिश्चित करने के निर्देश

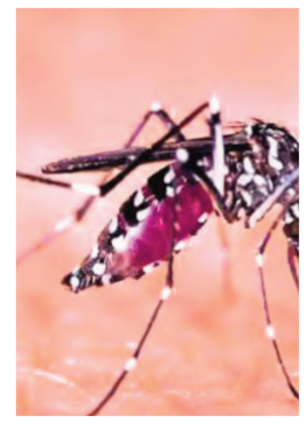

जारी किए गए हैं। श्रम विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में जागरूकता अभियान भी शुरू किए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निर्माण स्थलों की निगरानी के लिए तीन टीमें गठित की हैं, जिनमें से प्रत्येक में छह स्वयंसेवक हैं। ये टीमें मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन की सीमा के अंतर्गत आने वाले कार्य क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं और मजदूरों पर रक्त स्मीयर परीक्षण कर रही हैं। मलेरिया के पुष्ट मामलों को तुरंत उपचार प्रदान किया जाता है। तेज बुखार, सिरदर्द, दस्त, शरीर में दर्द, थकान, मतली, उल्टी, पसीना, ठंड लगना, ऐंठन, एनीमिया और मल में खून आना मलेरिया के लक्षणों में से हैं। मलेरिया को नियंत्रित करने के लिए, एक समर्पित निगरानी दल काम कर रहा है। दो कर्मचारी प्रतिदिन शिफ्ट में काम करते हैं। नियंत्रण कक्ष (फोन 9448556872) पर कॉल प्राप्त होने पर, अधिकारी परीक्षण के लिए मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन की सीमा के अंतर्गत कॉल करने वाले के इलाके से रक्त के नमूने एकत्र करते हैं। इसके अतिरिक्त, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों के माध्यम से मलेरिया और डेंगू के बारे में घोषणाएँ की जाती हैं। जिले में मलेरिया के ज्यादातर मामले प्रवासी मजदूरों से जुड़े पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर नजर रख रहा है।

डीसी ने बाढ़ प्रबंधन के लिए आवश्यक तैयारी करने के दिए निर्देश

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष और जिलाधिकारी प्रशांतकुमार ने कहा कि तुंगभद्रा जलाशय से नदी में पानी छोड़ा जा चुका है और बाढ़ प्रबंधन के लिए आवश्यक तैयारी की जानी चाहिए। सिंचाई सलाहकार समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि इस बार केवल 80 से 85 टीएमसी पानी रोककर अतिरिक्त पानी नदी में छोड़ा जाए। वे मंगलवार को बल्लारी में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इसके कारण नदी के किनारे के गांवों में बाढ़ की आशंका वाले गांवों को सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर ले जाया जाए। बाढ़ की स्थिति

को नियंत्रित करने के लिए नदी के किनारे के लोगों को प्रतिदिन नदी में प्रवेश न करने की चेतावनी दी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि लोगों, पशुओं और फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए उपयुक्त योजना बनाई जानी चाहिए। संबंधित तालुक तहसीलदार क्षेत्र का दौरा कर तालुकावार वर्षा की कमी के बारे में जानकारी एकत्रित करें, कृषि विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में राज्य आपदा प्रबंधन निधि के तहत जिले में किए गए कार्यों पर चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अधिकारी परमेश ने बताया कि वर्तमान में तुंगभद्रा जलाशय से 1 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने पर ही कंप्ली व गंगावती पुल तथा कंप्ली क्षेत्र के 2 गांव तथा सिरुगुप्पा क्षेत्र का 1 गांव बाढ़ से प्रभावित होगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए केयर सेंटर खोलने की तैयारी कर ली गई है।

जल्द शुरू होगी आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी

50 सीट वाले डेंटल कॉलेज की होगी स्थापना: स्वास्थ्य मंत्री

पटना/एजेंसियां।

बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं आईजीआईएमएस के शासी निकाय के अध्यक्ष मंगल पांडेय ने क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में चार नई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लोकार्पण किया। इस मौके पर स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया और विधान पार्षदनवल किशोर यादव भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि इस परियोजना की आधारशिला सितंबर 2024 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के कर कमलों से रखी गई थी। इसके तहत क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल था। मंत्री मंगल पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि अब मरीजों को अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, आंखों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ ही दो मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है। इसके अलावा अत्याधुनिक ल्यूमेरा-आई माइक्रोस्कोप भी स्थापित किया गया है जिससे

आपातकालीन सर्जरी में तेजी आएगी और मरीजों को त्वरित उपचार मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आईजीआईएमएस में लैब सर्विसेज भी शुरू कर दी गई हैं, जिनमें पीसीआर, बायोकेमिकल एनालाइजर, एबीजी मशीन समेत तमाम अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं। इससे एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी जरूरी जांच की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही संस्थान में 100 बेड के दंत चिकित्सालय और 50 सीटों वाले डेंटल कॉलेज की स्थापना भी की जाएगी। इस अवसर पर रेटिना और ग्लूकोमा सर्विसेज का भी उद्घाटन किया गया। रेटिना सेवा के तहत 30 दिन के नवजात शिशु से लेकर वृद्ध मरीजों तक का इलाज संभव होगा, जबकि ग्लूकोमा सेवा में एक्स्ट्रा फील्ड एनालाइजर, स्पेक्यूलर माइक्रोस्कोप और अल्ट्रासाउंड मशीन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। मंत्री पांडेय ने बताया कि इन नई सुविधाओं के लिए कुछ उपकरण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से प्राप्त हुए हैं जबकि कुछ संस्थान ने खुद खरीदे हैं। इन सभी पर करीब 10 करोड़ रुपये की लागत आई है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में संस्थान में सिटी स्कैन मशीन भी लगाई जाएगी और नौ मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का काम भी पूरा हो जाएगा। इसके अलावा 16 अगस्त तक 20 बेड के क्रिटिकल केयर मेडिसिन (सीसीएम) यूनिट, 20 डायलिसिस यूनिट और बहुप्रतीक्षित रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी शुरू कर दी जाएगी। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के प्रमुख डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि उनका उद्देश्य मरीजों को उत्तम नेत्र सेवाएं उपलब्ध कराना और संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। निदेशक सह कुलपति इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं बिहार मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर बिंदे कुमार ने भी इन सुविधाओं को संस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताया और नेत्र विभाग को संस्थान का सिरमौर बताया। कार्यक्रम में डीन अकादमिक्स डॉ. ओम कुमार, प्रिंसिपल डॉ. रंजीत गुहा, आयुष्मान भारत बिहार के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा और स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी इन विकास कार्यों पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व की सराहना की।

कैबिनेट से पथ निर्माण विभाग की 13 योजनाओं को मिली मंजूरी

668 करोड़ की लागत से 11 जिलों की बदलेगी सूरत

पटना/एजेंसियां।

बिहार में सड़क और पुलों के विकास के लिए पथ निर्माण विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य कैबिनेट ने विभाग की 13 नई योजनाओं को मंजूरी दी है, जिन पर करीब 668 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके तहत राज्य के 11 जिलों में लगभग 110 किलोमीटर लंबी सड़कों का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही कई जगह पुल और पहुँच पथ भी बनाए जाएंगे, जिससे यातायात सुगम और सुरक्षित होगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन के मुताबिक राज्य के किसी भी हिस्से से राजधानी पटना तक अधिकतम साढ़े तीन घंटे में पहुंचने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है।

मंत्री ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से किसानों, व्यापारियों और आम लोगों को सीधा लाभ होगा क्योंकि बाजार और जरूरी सेवाओं तक पहुंच पहले से आसान हो जाएगी। नई परियोजनाओं में समस्तीपुर जिले में मोहिउद्दीननगर से चकला तक करीब सात किलोमीटर सड़क का काम होगा, जिस पर 32 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च आएगा। मधेपुरा में चांदनी चौक से पस्तपार तक करीब 11 किलोमीटर सड़क बनेगी।

बेतिया में बगहा से सेमरा तक 14 किलोमीटर लंबी सड़क और पुल का निर्माण होगा, जिससे वहां के बाजार और गांवों को जोड़ने में मदद मिलेगी।

इसी तरह गोपालगंज, सहरसा, नवादा, आरा, मधुबनी, मोतिहारी, दरभंगा, पूर्वी चंपारण और कटिहार में भी सड़क और पुल निर्माण के लिए रकम स्वीकृत की गई है। खास बात यह है कि हिसुआ बाईपास बनने से नवादा और आसपास के इलाकों में जाम की समस्या कम होगी। मधुबनी में कमला बलान नदी पर नया पुल दो प्रखंडों को जोड़ेगा और लोगों को राहत देगा। मंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के पूरे होने के बाद लोगों को स्कूल, अस्पताल, बाजार और अन्य जरूरी जगहों तक पहुंचने में काफी सहूलियत होगी। सरकार का मकसद है कि हर गांव और शहर बेहतर और टिकाऊ सड़कों से जुड़ा रहे ताकि राज्य का बुनियादी ढांचा मजबूत हो सके और विकास की रफ्तार तेज हो।

तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को मारी ठोकर, मौके पर मौत

मधुबनी/एजेंसियां।

जिले के फुलपरास थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह दर्दनाक सड़क हादसा फुलपरास हटिया बांध एनएच-57(27) पर मंगलवार को हुआ। मृतक की पहचान लौकही प्रखंड में कृषि समन्वयक के पद पर कार्यरत 36 वर्षीय चंदन कुमार के रूप में हुई है।

वह घोघरडीहा प्रखंड के बथनाहा गाँव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि चंदन कुमार बाइक से बथनाहा से लौकही जा रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही फुलपरास थाना पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मधुबनी भेज दिया। हादसे की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुँची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हाइवा चालक की तलाश जारी है।

एनएच-31 पार कर रहे बुजुर्ग से मोबाइल झपटमारी, भीड़ ने चोर को पोल से बांधकर पीटा

बिहार/एजेंसियां।

बिहार के बेगूसराय में एक युवक को मोबाइल चोरी के आरोप में भीड़ ने पोल से बांधकर जमकर पिटाई कर दी। यह घटना नगर थाना क्षेत्र के लोहियानगर गुमटी के पास की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार अझौर गांव निवासी बुजुर्ग रामचंद्र दास किसी काम से बेगूसराय न्यायालय गए थे।

कोर्ट से लौटते वक्त वह ई-रिक्शा से उतरकर एनएच-31 पार कर रहे थे। तभी पीछे से एक युवक उनका मोबाइल झपटकर भागने लगा। शोर मचाने पर बुजुर्ग गिरकर घायल हो गए, लेकिन स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दौड़कर युवक को पकड़ लिया। लोगों ने चोर को पकड़कर सड़क किनारे एक पोल में हाथ पीछे करके गमछे और रस्सी से बांध दिया। इसके बाद भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की। बताया जा रहा है कि पकड़े गए युवक की पहचान राजा मल्लिक, पोखरिया निवासी, के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चोर को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि आरोपी को थाने लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में बताया कि छीना गया मोबाइल उसने अपने साथी को दे दिया था, जो मौके से फरार हो गया। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। पीड़ित रामचंद्र दास ने बताया कि उनके जेब से मोबाइल छीनकर आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था। भीड़ की मदद से उसे पकड़ लिया गया। इस घटना के बाद नगर थाना क्षेत्र में बढ़ती झपटमारी और चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों ने पुलिस से इलाके में गश्ती और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com